RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 May, 2016

अंक - 11 (मासिक) वर्ष - 11 मई, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

सिंहस्थ 2016
शंखनाद

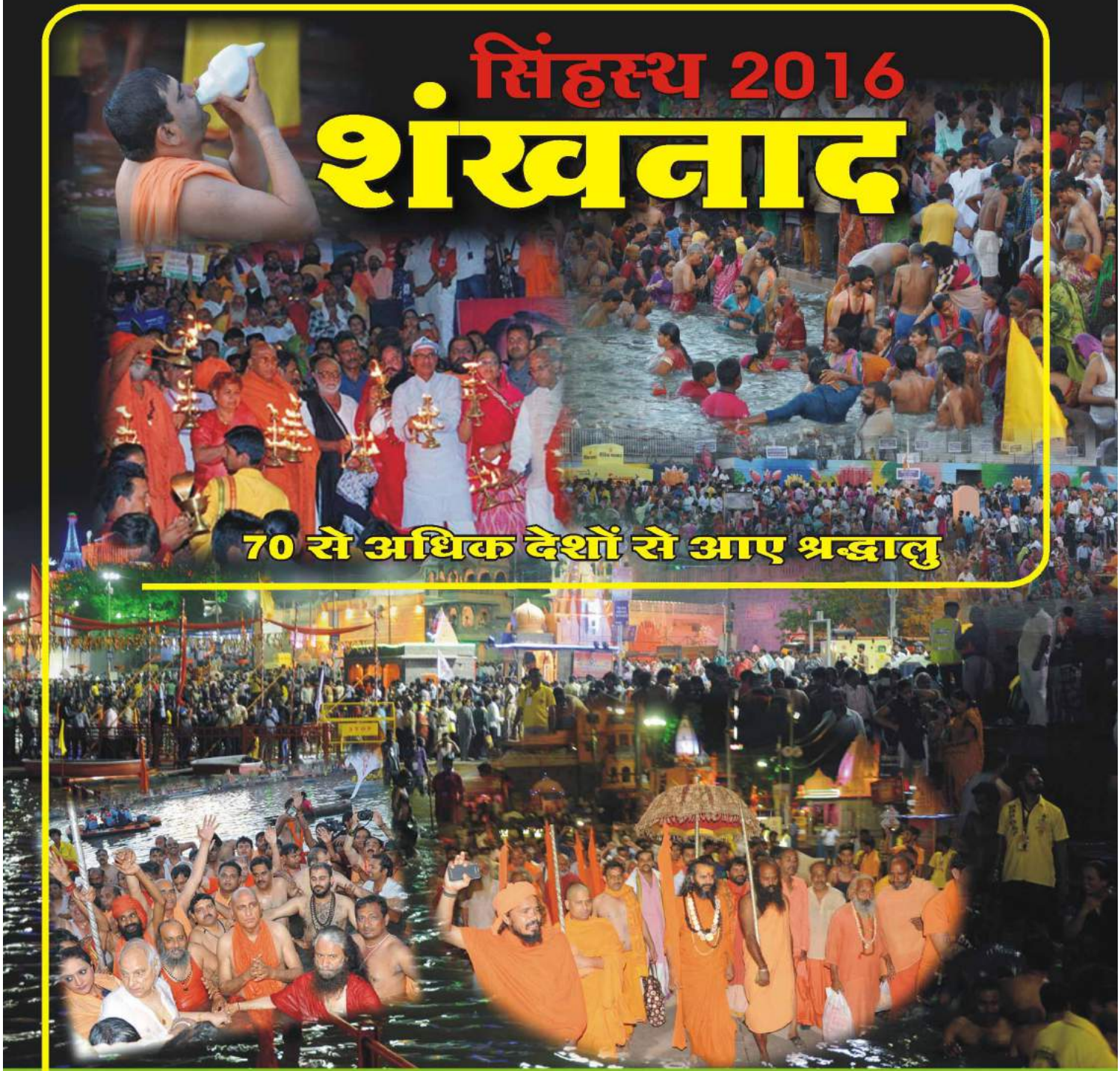

70 से अधिक देशों से आए श्रद्धालु

विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन

महाकुम्भ सिंहस्थ में आपका स्वागत है

उज्जैन, आस्था और विश्वास के विशाल समागम सिंहस्थ, कुंभ के लिये पूर्णतः तैयार है। महाकाल भगवान की नगरी में पधारे सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत है। हम सब मिलकर सिंहस्थ के सफल आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

अतिथि देवो भवः की संस्कृति के साथ, उज्जैन, मध्यप्रदेश तैयार श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए

स्थायी निर्माणों के साथ उज्जैन का ऐतिहासिक विकास

क्षिप्रा नदी पर 7 पुल

- नृसिंह घाट
- बड़े पुल के समानान्तर पुल
- ऋण मुक्तेश्वर
- ओखलेश्वर
- मंगलनाथ मंदिर के पीछे
- कमेढ़ नाले पर
- शांति पैलेस के पीछे

5 रेलवे ओव्हर ब्रिज

- चिंतामण रेलवे क्रॉसिंग
- एम.आर.-10 विक्रम नगर
- एम.आर.-5 डालडा फैक्ट्री
- जीरो पाईंट (फ्रीगंज से आगर रोड)
- मंगरोला के पास से बड़नगर रोड

2 फ्लाईओव्हर

- चिंतामण रोड (इनर रिंग रोड पर)
- बड़नगर रोड (इनर रिंग रोड पर)

क्षिप्रा तट पर स्नान के लिए 8 किलोमीटर लंबाई के घाट उपलब्ध

क्षिप्रा के तट पर अमृत का मेला

हरित सिंहस्थ - स्वच्छ सिंहस्थ | हमारा गौरव - सिंहस्थ महापर्व

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-11 मई, 2016 वर्ष-11

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
डॉ. रवीन्द्र राठी (इन्दौर)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

दर्शन देने को तैयार हैं भूतभावन श्री महाकाल
भिगोने को तैयार है मोक्षदायिनी माँ शिप्रा
स्वागत को तैयार हैं हम सब उज्जैनवासी

विचार क्रान्ति

आत्म सम्मान

एक गधे ने एक शेर को चुनौती दे दी कि मुझ से लड़कर दिखा तो जंगल वाले तुझे राजा मान लेंगे। लेकिन शेर ने गधे की बात को अनसुना करके वहां से निकल लिया।

एक लोमडी ने यह सब छुपकर देखा और सुना तो उससे रहा नहीं गया। और वह शेर के पास जाकर बोली, क्या बात है? उस गधे ने आपको चुनौती दे दी फिर भी उससे लड़े क्यों नहीं? और ऐसे बिना कुछ बोले चुपचाप जा रहे हो। शेर ने गंभीर स्वर में जवाब दिया, मैं शेर हूँ, जंगल का राजा हूँ और रहूंगा। सभी जानवर इस सत्य से परिचित हैं। मुझे इस सत्य को किसी को सिद्ध करके नहीं दिखाना है। गधा तो है ही गधा और हमेशा ही रहेगा। गधे की चुनौती को स्वीकार करने का मतलब मैं उसके बराबर हुआ, इसलिए मैं भी गधा।

गधे की बात का उत्तर देना भी अपनी इज्जत कम करना है। क्योंकि उसके स्तर की बात का उत्तर देने के लिए उसके स्तर तक उतरना पड़ेगा और मेरे लिये उसके स्तर पर उतरने से उसका घमंड बढ़ेगा। मैं यदि उसके सामने एकबार दहाड़ दूं तो वह बेहोश ही हो जाएगा। अगर में एक पंजा मार दूं तो उसकी गर्दन टूट जाएगी और वह मर जाएगा। गधे से लड़ने में निश्चित रूप से मैं जीत जाऊंगा, लेकिन मेरी इज्जत नहीं बढ़ेगी। बल्कि जंगल के सभी जानवर बोलने लगेंगे कि शेर एक गधे से लड़कर जीत गया और इस तरह मेरी बेइज्जती ही होगी। इन्हीं कारणों से मैं उस आत्महत्या के विचार से मुझे चुनौती देने वाले गधे को अनसुना करके दूर जा रहा हूँ, ताकि वह जिंदा रह सके।

लोमड़ी को बहुत चालाक और मक्कार जानवर माना जाता है, लेकिन वो भी शेर की इंसानियत वाली विद्वतापूर्ण बातें सुनकर उसके प्रति श्रद्धा से भर गयी।

निष्कर्ष- *यह बोधकथा समझनी इसलिये जरूरी है कि जिंदगी में आये दिन हमारा गधों से भी वास्ता पड़ता रहता है और उनसे कन्नी काटकर निकल लेने में ही भलाई होती है। शेर हमेशा गधों से लड़ने में कतराते आए हैं। इसलिए गधे खुद को तीसमारखां और अजय समझते हैं।*

सिंहस्थ सुस्वागतम शिप्रा तीरे

सिंहस्थ 2016 का शुभारंभ हो चुका। देश के शीर्षस्थ धर्मोपदेशक और संत-महात्माओं के पंडाल सज गए हैं। कहीं कथा-भागवत है, तो कहीं संत समागम और कहीं भजनों की गूंज। संत मोरारी बापू श्रीरामकथा का मर्म समझा रहे हैं और स्वामी अवधेशानंद गिरि भागवत का। परमहंस नित्यानंद का वैभव भी है, तो मानस मर्मज्ञ रामभद्राचार्यजी के तत्व ज्ञान की सुगंध भी। दाती-महाराज "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" का शंखनाद कर रहे हैं, तो संत रमेश भाई ओझा राष्ट्र को संदेश देते धर्म और अध्यात्म के गूढ़ रहस्यों की परतें श्रद्धालुओं को समझा रहे हैं। एक तरफ वैष्णव साधुओं के अन्न क्षेत्रों में दान-धर्म की रौनक है, तो दूसरी तरफ सनातनी शैव सन्यासियों और नागाओं की धूम।

इन सबके बीच शिप्रा का सजा-धजा आंचल हरेक श्रद्धालु के सुस्वागतम् के लिए तैयार है। परिंदा भी पर नहीं मार सके, ऐसी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्थाएं यात्रियों को सिंहस्थ यात्रा का सुखद आनंद कराने को पर्याप्त है। हाईटेक व्यवस्थाओं ने यात्रियों की मदद का नया आयाम स्थापित किया है। सिंहस्थ के "मोबाइल एप" पर घर से चलते वक्त आप पार्किंग में अपना स्थान बुक कर सकते हैं, तो मेला क्षेत्र से संबंधित तमाम जानकारी भी हासिल कर सकते हैं। यात्रियों की मदद के लिए बहुभाषी कॉल सेंटर हेल्प डेस्क भी हैं। पहली बार देश की किसी नदी के पानी को जीरो बैक्टिरिया करने के लिए ओजोनेशन किया गया है, ताकि स्नान पर्व पर यात्री बिना हिचक डुबकी लगा सकें, आचमन कर सकें।

शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया है, तो आवागमन के लिए 14 पुल और फोरलेन, बायपास तथा आंतरिक सड़कों का जाल बिछा है। इस समय जो मेले में आ रहा है, वह शहर के विकास और मेले की व्यवस्थाओं से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। आप सबको भी आने का आमंत्रण है। सिंहस्थ में सुस्वागतम का अवसर दें। श्री माहेश्वरी समाज भी आपकी सेवा में तत्पर है। समाज के तीन पंडालों में आपके ठहरने, भोजन और अन्य सुविधाओं का बंदोबस्त है। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार भी आपकी अगवानी को आतुर है।

इस अंक में आप सिंहस्थ के प्रारंभिक दृश्यों की बानगी पाएंगे, तो अन्य पठनीय सामग्री भी। सभी स्थायी स्तंभों के साथ अन्य रोचक और ज्ञानवर्धक आलेख भी समाहित किए हैं। यह अंक आपको कैसा लगा, इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

डॉ. रवींद्र राठी इंदौर के ख्यात व्यवसायी तथा समाजसेवियों में से एक हैं।आप वर्तमान में सिंहस्थ महाकुंभ उज्जैन में लगे पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के सेवा शिविर के मुख्य संयोजक के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। आपका जन्म 17 जुलाई 1958 को उज्जैन जिले के महिदपुर कस्बे में समाजसेवी श्री धन्नालाल राठी के यहां हुआ था। आपने स्कूली शिक्षा महिदपुर से ही ग्रहण की। इसके पश्चात कृषि में पीएच.डी तक जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से शिक्षा ग्रहण की। विक्रम विवि उज्जैन से एल.एल.बी. भी किया। शासकीय सेवा में एस.डी.ओ. (कृषि) रहे। 12 वर्षों तक प्रोफेसर के रूप में सेवा दी। वर्तमान में आप इंदौर में बोरवेल तथा एच.डी.पी.ई. प्लास्टिक बेग के व्यवसाय का सफल संचालन कर रहे हैं। इंदौर माहेश्वरी समाज को भी आप सक्रिय योगदान दे रहे हैं। गत दिनों इन्दौर में मध्यम वर्ग के लिये आयोजित परिचय सम्मेलन में भी आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। जय महेश माहेश्वरी सेवा संगठन के आप संगठन मंत्री हैं। आपने अपने दादाजी व पिताजी की स्मृति में महिदपुर में "श्री धन्नालाल-लक्ष्मीनारायण राठी माहेश्वरी मांगलिक भवन" का निर्माण करवाया है। राजनीतिक रूप से आप प्रदेश किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष हैं। समाज में आपकी प्रतिष्ठा तन-मन-धन से सहयोग देने वाले भामाशाह के रूप में है।

अवश्य लें महाकुम्भ का पुण्य लाभ

भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी में इस समय अमृत महोत्सव सिंहस्थ महाकुंभ का भव्य आयोजन हो रहा है। यह महाकुंभ दो कारणों से अति महत्वपूर्ण है। एक तो धार्मिक आधार पर यह ऐसा पर्व है, जिसके आयोजन के योगों में ही देवताओं को अमृत्व की प्राप्ति हुई थी और उज्जयिनी में भी गिरी थी, उस अमृत की बूंदें। अतः सिंहस्थ महापर्व में पुण्य सलिला शिप्रा में स्नान का अर्थ ही अमृत स्नान है। यह वह अवसर है, जब आप विश्वभर के ऐसे कई साधु-संतों के एक साथ दर्शन करते हैं, जिनसे मिलना सौभाग्य से ही होता है। सिंहस्थ का सामाजिक आधार पर महत्व देखा जाऐ तो यह आयोजन विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यही कारण है कि विश्व के कोने-कोने से इसमें शामिल होने के लिए यहां आने वाले विभिन्न देशों के श्रद्धालुओं व पर्यटकों की भी संख्या इसमें कम नहीं है।

सिंहस्थ महापर्व वर्तमान में अपने पूरे जोर पर है। देश के कोने-कोने से ही नहीं बल्कि विश्व के कई देशों से भी साधु-संत यहां आये हैं। इनके श्रीमुख से प्रवचनों की रसगंगा बह रही है। इसकी चरण रज से उज्जैन का कण-कण पावन हो चुका है। पुण्य सलिला शिप्रा जीरो बैक्टिरिया की शुद्धता वाले जल से परिपूर्ण होकर पुराणों में वर्णित शिप्रा की पूर्ण अनुभूति करवा रही है। संपूर्ण मेला क्षेत्र की नहीं बल्कि संपूर्ण उज्जैन शहर भी धर्म के रंग में ऐसा रंगा है कि जिसका शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता है। हर मार्ग पर लगे सिंहस्थ महापर्व के ध्वज उसकी गरिमा व उसके महत्व को स्वतः ही व्यक्त कर रहे हैं। प्रशासन भी ने भी पूरा प्रयास किया है कि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। इसके लिए यातायात व्यवस्था को लचीला किया गया है। इसके अंतर्गत अब श्रद्धालु अपने वाहन मेला क्षेत्र में भी ले जा सकते हैं।

इस सिंहस्थ महाकुम्भ का पुण्य लाभ लेने आप अवश्य पधारें। सम्पूर्ण प्रशासन, जनता व माहेश्वरी समाजजन सभी सच्चे दिल से आपके स्वागत के लिए तैयार हैं। इस महाकुम्भ में आने वाले 'अपनों' के स्वागत के लिए पश्मिांचल माहेश्वरी सभा के साथ ही स्थानीय संगठन श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत भी दो स्थानों पर सेवा देते हुए कंधे-से-कंधा मिलाकर सहयोग दे रहा है। हमारे संगठन पश्चिमांचल माहेश्वरी महासभा द्वारा भूखी माता क्षेत्र में प्लॉट क्रमांक 202/1 पर सेवा शिविर लगाया गया है। यहां भोजन, नाश्ता, आवास आदि की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। वर्तमान में प्रतिदिन 800-1000 समाजजन इन सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं।

वर्तमान में दो स्थानों- मेला क्षेत्र तथा शहर के मध्य सेवा दे रही श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत की टीम भी प्रशंसा की पात्र है। इस संगठन ने महाकुम्भ में भूखी माता क्षेत्र में प्लॉट क्रमांक 202/2 पर सेवा शिविर लगाया है। यहां पर भी समाजजनों के लिए निःशुल्क भोजन-आवास आदि की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही इसी संगठन द्वारा शहर के मध्य गोलामंडी क्षेत्र में माहेश्वरी भवन में भी यही सेवा प्रदान की जा रही है।

अतः में पुनः समस्त समाजजनों से इस महाकुंभ का पुण्य लाभ लेने की अपील करता हूं। शीघ्रता करें क्योंकि 21 मई को इस महाकुंभ का समापन हो जाएगा। अतः यह सुअवसर हाथ से जाने न दें। हम सभी आपकी सेवा व सहयोग के लिए आतुर हैं।

डॉ. रवीन्द्र राठी
अतिथि सम्पादक

श्री नवासन माताजी

श्री नवासन माताजी माहेश्वरी समाज की नुवाल और खुवाल खाँप की देवी है।

श्री नवासन माताजी का मंदिर राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में गंगापुर के समीप रायपुर ग्राम में स्थित है। मंदिर तो अधिक पुराना नहीं है लेकिन प्रतिमा प्राचीन बताई जाती है। इस मंदिर में माताजी की प्रतिमा को स्थापित किया गया है। माहेश्वरी समाज के साथ ही स्थानीय निवासी भी माताजी के प्रति विशेष श्रद्धा रखते है और नवरात्रि में यहाँ विशेष आयोजन होता है।

पूजा विधि

यहाँ माताजी के पूजन में चुनरी, कुंकु, चाँवल, नारियल, काजल, मोली व मेहन्दी चढ़ाई जाती है। माताजी को विशेष रूप से लापसी का भोग लगाया जाता है।

कैसे पहुँचें

भीलवाड़ा से सड़क मार्ग से रायपुर ग्राम तक पहुँचा जा सकता है। यह गाँव गंगापुर के समीप है और भीलवाड़ा से ४० कि.मी. दूर स्थित है। यहाँ पहुँचने के लिये रायपुर गाँव तक बस सुविधा उपलब्ध है।

कहाँ ठहरें

ठहरने के लिये गंगापुर में धर्मशाला, लॉज आदि उपलब्ध है। उत्तम श्रेणी की होटल भीलवाड़ा में उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें-

श्री माणकलाल जगदीशचन्द्र नुवाल

बड़े मंदिर के पास, ग्राम व पोस्ट-रायपुर, जिला-भीलवाड़ा (राज.), फोन.- 01481-230058

उज्जैन में लगे सिंहस्थ महाकुंभ के अंतर्गत प्रथम शाही स्नान गत 22 अप्रैल को हुआ। जिसमें हजारों साध-संतों के साथ लाखों श्रद्धालुओं ने भी पुण्य सलिला शिप्रा में डुबकी लगाकर अमृत स्नान का पुण्य लाभ लिया। इसी के साथ इस महाकुंभ का औपचारिक शुभारंभ भी हो गया। इस अमृत स्नान में परम्परानुसार सबसे पहले अखाड़ों के प्रतीक चिह्न भाले को स्नान करवाया गया।

प्रथम शाही स्नान के साथ हुआ सिंहस्थ महाकुम्भ का शुभारम्भ

उज्जैन.सिंहस्थ 2016 का पहला शाही स्नान 22 अप्रैल को संपन्न हुआ। उज्जैन में इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, लाखों श्रद्धालुओं ने शिप्रा में आस्था की डुबकी लगाई। शिप्रा नदी में 22 अप्रैल की सुबह धर्म आध्यात्म और आस्था का यहां संगम देखते ही बनता था। अखाड़ों के संतों, महंतों, साधुओं का दौड़ते हुए शिप्रा में स्नान के लिए आना और अपनी अगाध आस्था प्रदर्शित करते हुए जयकारों के साथ सामूहिक स्नान का यह नजारा देखने वालों को सम्मोहित और अभिभूत कर रहा था। स्नान के लिए सभी अखाड़े अपने निर्धारित मार्गों से शिप्रा पर आए। शाही स्नान के लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद और शानदार थी। जूना अखाड़े द्वारा सुबह 5.11 बजे दत्त अखाड़े पर शाही स्नान का आरम्भ किया गया। पहले शाही स्नान की सुबह सिंहस्थ के लिए तैयार किए गए शिप्रा के घाटों पर एक अलग ही रौनक थी। साधु संतों के साथ-साथ श्रद्धालु स्नान के लिए आतुर थे। देखने वाले स्नान के इस विहंगम दृश्य को देखकर आल्हादित हो रहे थे।

ये अखाड़े थे शामिल

शाही स्नान में जूना अखाड़ा, श्री पंचायती आवाहन अखाड़ा और श्री पंचायती अग्नि अखाड़ा, श्री तपोनिधि निरंजनी अखाड़ा, श्री पंचायती आनंद अखाड़ा, श्रीपंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा, श्री पंच अटलअखाड़ा, रामघाट पर श्री निर्मोही अणि अखाड़ा, श्री दिगम्बर निर्वाणी अखाड़ा, श्री निर्वाणी अणि अखाड़ा, दत्त अखाड़ा घाट पर श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा, श्री पंचायती नवीन उदासीन अखाड़ा और श्री निर्मलअखाड़े के साधु संतों शामिलहुए। अखाड़ों के नागा साधुओं के स्नान का शिप्रा तट पर एक विशेष आकर्षण था। स्नान में सभी अखाड़ों के प्रमुख-प्रमुख सभी संत, महंत, श्रीमहंत, महामंडलेश्वर, पीठाधीश सम्मिलित हुए। अखिलभारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री नरेंद्रगिरी महाराज, महामंत्री श्री हरिगिरि महाराज के अलावा जूना अखाड़े के अवधेशानंदगिरिजी महाराज व उनके साथ जोधपुर राजपरिवार,

निरंजनी अखाड़े के स्वामी सत्यमित्रानन्दजी, महानिर्वाणी अखाड़े के नित्यानन्दजी के अलावा पायलेट बाबा, स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती आदि शाही स्नान में सम्मिलित हुए।

शिप्रा तट की सुंदरता ने मन मोहा

शाही स्नान में आस्था, अमृत और आत्मा का अनोखा संगम देखने को मिला। इसके सभी दृश्य अलौकिक थे। इस अलौकिकता के साथ ही शिप्रा और उसके घाटों की सुन्दरता ने दृश्य को चित्तराकर्षक बना दिया। साफ, स्वच्छ, बहती शिप्रा में उड़ते रंगीन फव्वारों के साथ आस्था और आध्यात्म का यह शाही स्नान एक अनोखी ऊर्जा को समेटे हुए था। साधु, सन्तों व श्रद्धालुओं के साथ ही शिप्रा के घाटों पर शासकीय सेवक भी डुबकी लगाने से अपने आपको रोक नहीं सके। शाही स्नान के लिए प्रशासन द्वारा माकूलइंतजाम किए गए थे। स्नान के दौरान शिप्रा में होमगार्ड की मोटर बोट सतत गश्त कर रही थी। अखाड़ों के आवागमन मार्ग तथा शिप्रा के घाटों पर पुलिस व पैरा मिलेट्री फोर्स के जवान अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद थे। घाटों की निरंतर सफाई की जा रही थी। सफाईकर्मी हर आवश्यक स्थान पर तैनात किये गये थे। कचरा एकत्र करने के लिये जगह-जगह डस्टबीन रखे गये थे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये फायर वाहन, मेडिकल एम्बुलेंस, तैराक दल शिप्रा के घाटों पर तैनात थे।

नाचते-गाते अद्‌भुत उत्साह के साथ निकले सन्यासी

ढोल-ताशों पर करतब दिखाते हुए थिरकते नागा साधु, गाजे-बाजे से आगे बढ़ता काफिला, हर-हर महादेव से गूंजता वातावरण व भजनों पर झूमते श्रद्धालु। शुक्रवार अलसुबह जब अखाड़ों के साधु-संत अपनी-अपनी छावनी से शिप्रा में डूबकी लगाने के लिए निकले तो कुछ ऐसा ही नजारा था। सुबह साढ़े पांच बजे तपोनिधि निरंजनी अखाड़ा कैंप से साधु-

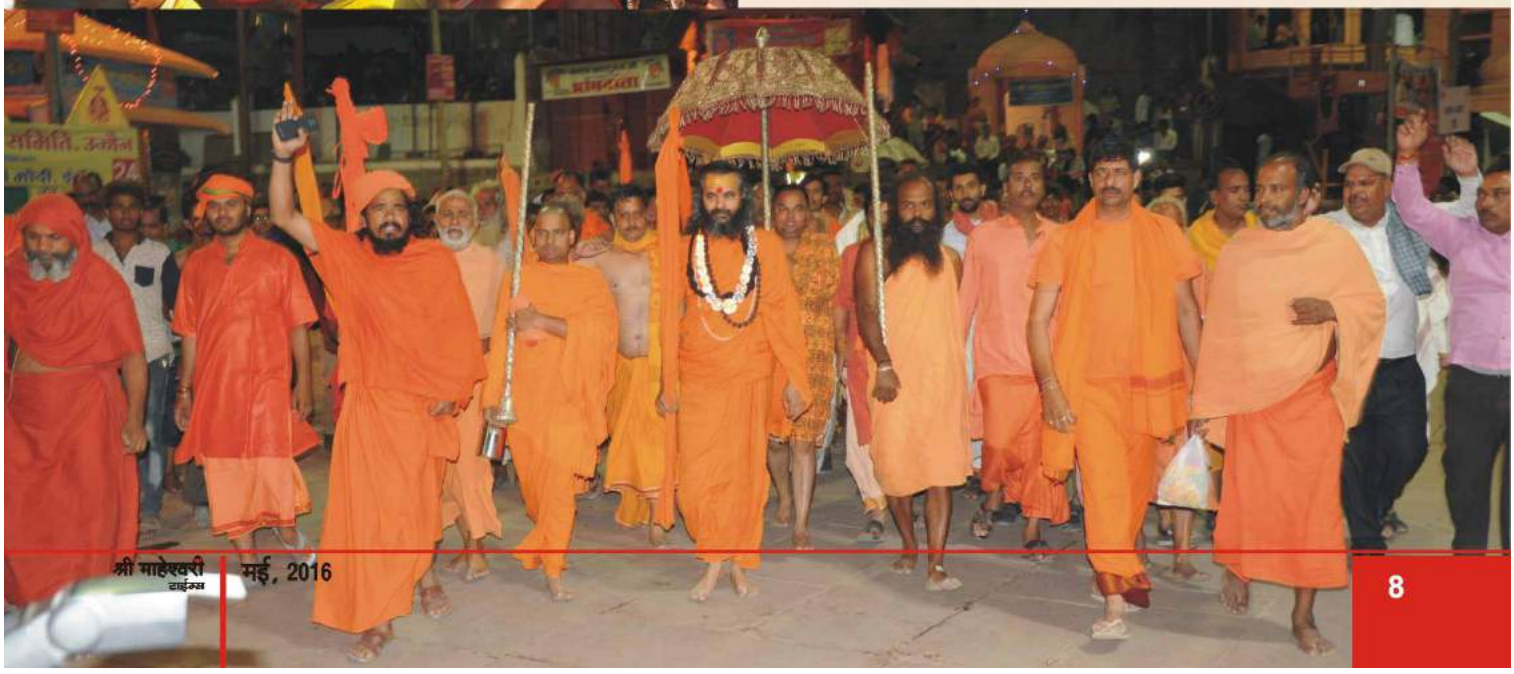

शिप्रा अब प्रदूषण व बैक्टिरिया से रहित

पुण्य सलिला शिप्रा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए लम्बे समय से प्रयास चले हैं। इसके लिए करोड़ों रुपये की लागत से प्रोजेक्ट तैयार कर इसे प्रदूषण मुक्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त सिंहस्थ महापर्व के दौरान बैक्टिरिया से रहित जल में स्नान के लिए लगभग तीन करोड़ रुपये लागत से शिप्रा तट पर आजोनेशन प्लांट लगाया गया है, जिसके द्वारा बैक्टिरिया नष्ट होते हैं। आम श्रद्धालु भी हर पल सतत रूप से शिप्रा के जल की शुद्धता जान सकें, इसके लिए एक स्क्रीन लगाई गई, जिस पर शिप्रा जल की शुद्धता प्रदर्शित होती है। ऐसी ओजोनेशन की व्यवस्था अभी तक देश में सिर्फ स्वर्ण मन्दिर स्थित कुण्ड पर ही थी। अतः शुद्ध जल में स्नान का लाभ देने में अब पुण्य सलिला शिप्रा भी शामिल हो गई है।

संत बग्घियों में सवार होकर स्नान के लिए निकले। बैंड-बाजों व ढोल-नगाड़ों के साथ बग्घियों व ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में साधु-संत सवार थे जबकि नागा साधु कतारबद्ध होकर चल रहे थे।

सत्यमित्रानंदजी पहुंचे तो नरेंद्रगिरि ने किया अभिवादन

प्रातः 06.30 बजे सत्यमित्रानंदगिरिजी कार से स्नान के लिए पहुंचे तब निजरंनी अखाड़ा के साधु-संत शंकराचार्य चौराहे तक पहुंच चुके थे। पुलिस ने उनकी कार को जैसे-तैसे भीड़ से आगे पहुंचाया। निरंजनी अखाड़े के काफिले के आगे उनकी कार को ले जाया गया। कार जैसे ही वहां पहुंची सत्यमित्रानंदजी को देखकर काफी लोग उनके दर्शन के लिए जमा हो गए। निरंजनी अखाड़े की शोभायात्रा में सबसे आगे चल रहे अखाड़ा परिषद् अध्यक्ष नरेंद्रगिरिजी भी महाराज के पास पहुंचे और उनका अभिवादन किया।

जयघोष के साथ वैष्णव पहुंचे रामघाट

तीनों वैष्णव अणि अखाड़े जयघोष के साथ रामघाट पर पहुंचे। निर्मोही अणि अखाड़ा क्रम में सबसे आगे था, जो सुबह 8 बजे रामघाट पर स्नान के लिए पहुंचा। इसके साथ ही दिगंबर अणि, निर्वाणी अणि अखाड़ा से जुड़े 700 से अधिक खालसों के महंत-श्रीमहंत शामिल थे। स्नान के बाद वापसी अंकपात क्षेत्र में सुबह 10.30 बजे हुई।

दोपहर में पहुंचा उदासीन अखाड़ा

बड़नगर रोड से निकलने वाले प्रमुख अखाड़ों में डीजे, ढोल ओर जयघोष की गूंज रही। अलसुबह निकले आवाहन अखाड़े के साधु-संत हर-हर महादेव का जयघोष कर रहे थे, वहीं नागा अमृत स्नान के आनंद में जमकर थिरके। आवाहन अखाड़ा एक घंटे के भीतर ही स्नान करके वापस लौट गया। वहीं पंचायती नया उदासीन अखाड़ा सुबह 11 बजे पंडाल से निकला। घोड़े पर सवार नागा हाथों में भगवा झंडा लिए सबसे आगे चल रहे थे। कोई भक्त नाच रहा था, तो कोई भजन गाता हुआ घाट की ओर जा रहा था। पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा अपने दल के साथ 12 बजे के करीब निकला।

गंधर्व घाट पर किया किन्नरों ने स्नान

अमृत स्नान के दिन शाम के वक्त किन्नर अखाड़े का स्नान हुआ। किन्नर अखाड़े ने मेला क्षेत्र से रामघाट तक देवत्व यात्रा निकाली और गंधर्व घाट पर स्नान किया। किन्नर अखाड़े की शुरू हुई यात्रा में पेशवाई की तरह ही भव्यता दिखाई दी। ऊंट और बहुत सारे वाहनों, गाजे-बाजों के साथ यात्रा निकाली गई। मेला क्षेत्र में निकली यह यात्रा लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गई। यात्रा में अखाड़ा प्रमुख लक्ष्मी त्रिपाठी और अजयदास भी शामिल हुए। अमृत स्नान का दिन होने के कारण मेला क्षेत्र और घाटों पर जबर्दस्त भीड़ का माहौल दिखाई दिया। भारी भीड़ के चलते किन्नर अखाड़े की इस यात्रा को निकालने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रास्तेभर लोग किन्नरों से आशीर्वाद मांगने की जद्दोजहद करते रहे। जब यात्रा घाट पर पहुंची तो गंधर्व घाट पर जमा लोगों की भीड़ किन्नरों को देखने के लिए टूट पड़ी। कुछ समय के लिए रामघाट पर स्थिति अनियंत्रित हो गई थी।

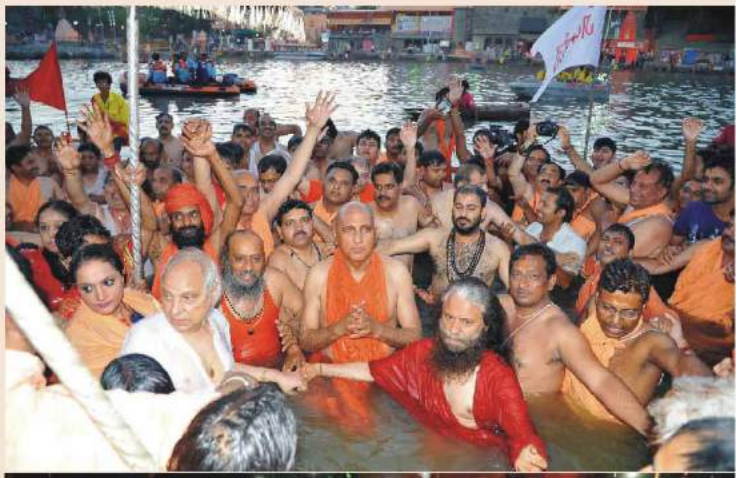

लड़के–लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

वैवाहिक रिश्ते

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

बागड़ी ने दिया प्रोत्साहन

कोलकाता। नागफेम जेसीज द्वारा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र आठ रास्ता चौक में वहां प्रशिक्षण ले रही 1300 प्रशिक्षणार्थियों के लिये मोटीवेशन सेशन लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवक शरद गोपीदास बागडी थे। श्री बागडी का परिचय जेसीज पूर्व अध्यक्ष धारणी सेलारका ने दिया। अंत में नागफेम जेसीज की महिला सदस्यों ने मुख्य अतिथि श्री बागडी व भारती बागडी का स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का समापन

उदयपुर। माहेश्वरी समाज कार्यकर्ता अभिनवन एवं संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी भवन श्रीनाथ मार्ग पर किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में टॉक-शो द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक मुंबई के जयप्रकाश काबरा ने मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने समाज बंधुओं को अपनी क्षमता से अवगत करवाते हुए विकट परिस्थितियों में सफलतम कर्तव्य निर्वाह के उपाय बताने के साथ समाज एवं राष्ट्र सेवा के प्रति दायित्व निर्वहन हेतु प्रेरित किया। जिला सभा अध्यक्ष मोहनलाल देवपुरा ने अतिथियों का स्वागत किया। अंत में प्रादेशिक सभा अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी एवं उपाध्यक्ष जानकीलाल मुंदड़ा ने सामाजिक कार्यक्रम उन्नयन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सम्पतलाल मंडोवरा ने किया।

> "आने वाले कल को सुधारने के लिये बीते हुए कल से शिक्षा लीजिए।"

जनप्रतिनिधियों का किया स्वागत

कोलकाता। हावड़ा माहेश्वरी समाज द्वारा राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गेहलोत तथा राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की सुपुत्री कांग्रेस नेता शर्मिष्ठा मुखर्जी एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गाँधी का स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में समाजसेवी बंशीलाल राठी, बाबूलाल मोदी, लूणकरन राठी, रेवतमल्ल बिहाणी, भंवरलाल सावणा, सांगीदान राठी, भंवरलाल जाजू, सत्यनारायण भूतड़ा माहेश्वरी महिला संगठन की निर्मला मल्ल, सीमा भट्टड़, कंचन भट्टड़, प्रतिमा करनानी आदि कई सामजजन शामिल थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए घनश्याम करनानी, जगन्नाथ भट्टड व किशन पुरोहित का विशेष योगदान रहा।

महिला संगठन की नवीन कार्यकारिणी गठित

पुष्पा बियानी

प्रतिभा कलंत्री

अंजलि बलदवा

सोलापुर। सोलापुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन कर पद की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभावती भूतड़ा ने की। इसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष पुष्पा बियानी, सचिव प्रतिभा कलंत्री, कोषाध्यक्ष अंजलि बलदवा, उपाध्यक्ष तारा डागा व सुवर्णा करवा, सहसचिव पद्मा भूतड़ा, बसंती भराड़िया, शोभा मर्दा, मंगलवे तथा संगठन मंत्री नीलकमल बलदवा ने पद ग्रहण किया।

गट्टानी को नारी शक्ति सम्मान

उदयपुर। नव संवत्सर समारोह के अंतर्गत अभा नववर्ष समारोह समिति द्वारा गत 5 अप्रैल को महाकाल मंदिर परिसर में आयोजित शिव और शक्ति के पूजन में प्रत्येक समाज की एक महिला को उनकी उल्लेखनीय सामाजिक सेवाओं के लिए नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया। इस क्रम में माहेश्वरी समाज से शकुंतला गट्टानी को भी श्रीफल और प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सुंदरकांड पाठ से नववर्ष का स्वागत

भीलवाड़ा। नवरात्रि पर्व पर श्याम विहार शास्त्रीनगर में श्याम विहार सेवा समिति के अध्यक्ष सुनील अजमेरा के निवास पर सालासर मस्त मंडल ने संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया। इसमें 108 दीपक से महाआरती की गई। सुंदरकांड पाठ अभिनव छापरवाल व अनिल जैथलिया ने किया। साथ ही भजन सम्राट कैलाश बाधूड़ा व रेखा हेड़ा ने भजनों की प्रस्तुति दी। द्वारकाप्रसाद अजमेरा, कैलाश आगाल, प्रहलाद लड्ढा, कमलेश दरगड़, शिवनारायण हेड़ा, सूरजमल तुरकिया आदि ने आरती का लाभ लिया।

विदर्भ में हुआ स्वानंद का आयोजन

बुलढाणा। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की नवम् सभा स्वानंद जिले के चिखली शहर में होली के विविध रंग बिखेरते हुए प्रदेशाध्यक्ष ज्योति बाहेती की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर प्रदेश की दिवंगत विभूतियों विशेषकर राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत महिला सेवा ट्रस्ट की सचिव सरला लोहिया (अमरावती) के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि दी गई। मंच पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्योति राठी रायपुर, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री पुष्पलता परताणी- अमरावती, विप्रामाम संगठन पदाधिकारी ज्योति बाहेती, आशा लड्ढा, डॉ. तारा माहेश्वरी, उषा करवा, ज्योत्सना तापड़िया आदि मौजूद थीं।

मुस्कान ने लगाई महिलाओं की चौपाल

सूरत। गत 13 अप्रैल को माहेश्वरी मुस्कान महिला मंडल (म-4) द्वारा चौपाल कार्यक्रम जिसका विषय था 'लोट चले दहलीज की ओर' का माहेश्वरी भवन सिटी लाइट में आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता कनक बरमेचा, बिमल साबू व जिलाध्यक्ष विनीत काबरा थे। इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि महिलाएं भले ही दहलीज लांघें मगर उनके कार्य में परिवार प्राथमिकता के साथ रहना चाहिए। मंडल अध्यक्ष सरला मालू व सचिव वंदना भंडारी ने बताया कि प्रश्नों के आदान-प्रदान में कीर्ति मैया, नीलम झँवर, मयूरा मालू, सरला मानधना सहित कई लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 70 से अधिक महिलाओं की उपस्थिति रही।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

नागपुर। माहेश्वरी विवाह सहयोग ट्रस्ट गीता मंदिर कॉम्प्लेक्स सुभाष रोड नागपुर के तत्वावधन में इस वर्ष भी युवक-युवती परिचय सम्मेलन तथा परिचय पुस्तिका का विमोचन समारोह 2 अप्रैल को श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन हिवरी नगर में आयोजित किया गया। इस दो दिनी आयोजन के प्रथम दिन 250 युवक-युवतियों ने अपने-अपने अभिभावकों के साथ भाग लिया। इस अवसर पर मंच पर संयोजक पुखराज बंग, अध्यक्ष रामअवतार हुरकट, मुख्य अतिथि डॉ. योगेश साबू, डॉ. कला साबू, कार्यक्रम के अध्यक्ष बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष सत्यनारायण मालू, पूर्व विधायक रमेश बंग, पूर्व महामंत्री महासभा श्याम सोनी (अभा मा. महासभा) आदि उपस्थित थे। अतिथि स्वागत मीनानारायण लड्ढा, मधुसूदन सारडा, अनिल लोहिया आदि ने किया। ट्रस्ट के सचिव सत्यनारायण लोया के मार्गदर्शन में आयोजित इस सम्मेलन में नागपुर सहित विदर्भ, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मप्र, गुजरात, मुंबई, चेन्नई से आये कई प्रत्याशी भी शामिल हुए। इस अवसर पर श्याम राठी पूर्व अध्यक्ष विदर्भ प्रा.मा. सभा, दिनेश जाखेटिया संचालक माहेश्वरी पत्रिका, राधेश्याम सारडा, रमेश मंत्री अध्यक्ष नगर श्री बड़ी मारवाड़ मा. भवन, माहेश्वरी सभा, दिनेश राठी, सचिव नागपुर जिला महासभा आदि मौजूद थे। सम्मेलन को सफल बनाने में उमेश माहेश्वरी, सतीश बियाणी, ब्रजमोहन सारडा, नरेंद्र धूम, संदीप साबू, गिरीराज बियाणी, श्रीराम हुरकट, दीपा हुरकट, राजेश काबरा, गोपाल लड्ढा आदि ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन मधुसूदन सारडा उपाध्यक्ष ने किया।

हेमलता गांधी का किया सम्मान

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित फूलपाति के अवसर पर हेमलता गांधी का उत्कृष्ट कार्यों के लिये मंडल की वरिष्ठ महिलाओं द्वारा सम्मान किया गया। प्रचार सचिव लीला लोया ने बताया कि वर्षभर की आयोजित बैठकों व अन्य गतिविधियों में पूर्ण उपस्थिति पर पुष्पा मंत्री, हेमलता गांधी, आरती राठी को सम्मानित किया गया। इस मौके पर तेजू देवी तोषनीवाल, शांता मंडोवरा, कृष्णा देवपुरा, ललिता बाहेती, उषा मूंदड़ा, रमा लड्ढा, रुखमणी भूतड़ा, निर्मला देवपुरा, गीता तोतला, शोभा मूंदड़ा, सुभद्रा भूतड़ा, संतोष सोड़ानी, सुधा बाहेती, शांता सोड़ानी सहित 250 महिलाएँ मौजूद थीं।

महिला संगठन ने किया माहेश्वरी का अभिनंदन

सोलापुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने पिलानी आईआईटी के वाइस चांसलर लक्ष्मीकांत माहेश्वरी का अभिनंदन किया। इसके अंतर्गत अध्यक्ष पुष्पा बिहाणी व सचिव प्रतिभा कलंत्री ने शॉल-श्रीफल, पुष्पगुच्छ व राजस्थान की पारंपारिक पगड़ी पहनाकर श्री माहेश्वरी का सम्मान किया।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंडल ने ली शपथ

रतलाम। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की स्थानीय शाखा के चुनाव गत दिनों हुए। इसके शपथ विधि समारोह में अध्यक्ष सुलोचना लड्ढा को पूर्व अध्यक्ष चंदा भंसाली ने पिन लगाकर कार्यभार सौंपा। नवनिर्वाचित सचिव शारदा मूंदड़ा, उपाध्यक्ष ज्योत्सना पाराशर व कोषाध्यक्ष पुष्पा राङ्गी ने भी पद की शपथ ली। स्नेह मिलन में संरक्षक रुक्मणीदेवी मंत्री, कमला तिवारी, पुष्पा पुजारी, पूर्वाध्यक्ष पुष्पा असावा, चंदादेवी राङ्गी, रमा मालपानी, शांता शर्मा, सुनीता राठी, आशा उपाध्याय, सीमा मूंदड़ा, मंजू भंसाली की भागीदारी रही। सामूहिक भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सुलोचना लड्ढा

शारदा मूंदड़ा

> शुरुआत करने के लिए महान् होने की कोई जरूरत नहीं
> पर महान् होने के लिए शुरुआत करने की जरूरत होती है

सामाजिक कार्यों के लिए दी बधाई

नागपुर। सामाजिक, आर्थिक क्षेत्र में सम्मानित व चैंबर ऑफ कॉमर्स के कई पदों पर रहे विनोद रणछोडदास सामाजिक कार्यों, उपलब्धियों एवं पुरस्कारों से प्रभावित होकर शरद बागडी को बधाई देने उनके घर पहुंचे। समय-समय पर विनोद शरद बागडी के सामाजिक कार्यों पर नजर रखते हुये जानकारी लेते रहते हैं।

राज्यपाल ने किया अनमोल का सम्मान

पटना (बिहार)। राज्यपाल रामनाथ कोविंद ने दानापुर के छात्र अनमोल काबरा (12वीं कक्षा-विज्ञान) प्रशंसा पत्र एवं पुस्तकें भेंट कर सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि अनमोल देश के उन नौ छात्रों में शामिल था, जिन्होंने इस वर्ष शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लिया था। उसने सिटी लेवल सिविक फेस्ट के विजेता के तौर पर भी सफलता अर्जित की है तथा डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आईआईटी, खड़गपुर में इंटर्नशिप कैंप में भी भाग लिया है। अनमोल का रिसर्च पेपर आईआईटी गुवाहाटी में भी प्रकाशित हुआ है। राज्यपाल से मुलाकात के दौरान अनमोल के माता-पिता किरण-दीपक काबरा, बहन तनिशा काबरा आदि भी मौजूद थे।

कोठारी कुटुम्ब ने किया मन्दिर पुनर्निर्माण

भदोही। समाज में माधोसिंह नाम से अपनी पहचान रखने वाले कोठारी कुटुम्ब ने अपने माधोसिंह गाँव में अपने पूर्वजों द्वारा लगभग 200 वर्ष पूर्व बनाये गये शिव मंदिर का पुनः निर्माण तथा नव विग्रहों को प्राण प्रतिष्ठित करवाया है। विधि विधान एवं उत्साह उल्लास से सम्पन्न तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह में माधोसिंह में रहने वाले तथा कोलकत्ता, अकोला, बनारस, मीरजापुर आदि विभिन्न स्थानो में प्रवास करने वाले कुटुम्ब सदस्य भी सपरिवार उपस्थित रहे। क्षेत्रीयजनों एवं गाँव के महिला पुरुषों की पूर्ण सहभागिता रही।

इस समारोह में कुटुम्ब के वरिष्ठ श्यामदास कोठारी के नेतृत्व में राजकुमार, बंशीधर, श्रीलाल, अरुणकुमार, संतोष कुमार, राकेश कुमार, मंगलूराम, पियूष, नवल, कमल आदि का सक्रिय योगदान रहा।

आरवायएस मेडिकल सेंटर का शुभारंभ

हैदराबाद। राजस्थानी युवा समाज व राजस्थानी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आरव्हायएस मेडिकल सेंटर का शुभारंभ चौक तगारी का नाका पुरानी सिटी में 28 फरवरी को हुआ। उद्घाटनकर्ता सावित्री बाई बंसल तथा मुख्य अतिथि श्रम व रोजगार मंत्री भारत सरकार बंगारु दत्तात्रेय, मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री तेलंगाना सरकार मो. मेहमूद अली थे। सम्मानीय अतिथि के रूप में विधायक चारमीनार अहमद पाशा क़ादरी उपस्थित थे। संस्था के उपाध्यक्ष विनोद बंग व सोहनलाल कड़ेल ने मंच संचालन किया। इस कार्यक्रम में हैदराबाद सिकंदराबाद के राजस्थानी समाज के हर क्षेत्र से समाजजन उपस्थित थे। राजस्थानी युवा समाज के अध्यक्ष दामोदर मूंदड़ा ने सभी दानदाताओं का आभार प्रकट किया। मंत्री गिरधर गोपाल लड्ढा ने बताया कि इसे बनाने में लगभग डेढ़ वर्ष लगा जिसमें इस तीन मंजिला ईमारत में छ हज़ार वर्गफीट का कार्य लिफ्ट सहित पूरा किया गया। कोषाध्यक्ष सम्पत तोष्णीवाल ने बताया कि इस नव निर्मित ईमारत में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत लगी। चेयरमैन डॉ जुगल किशोर कड़ेल ने बताया कि शहर के लगभग हर विशेषज्ञ डॉक्टर ने यहाँ आकर सामाजिक सेवा के तहत अपनी सेवाएं देने का आश्वासन दिया है।

महिला दिवस पर हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

मालेगांव। महालक्ष्मी माहेश्वरी मण्डल द्वारा डॉ. कल्पना करवा के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें 35 महिलाओं ने रक्तदान किया। अध्यक्ष सरिता बाहेती ने रक्तदान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। शारदा लाहोटी और वंदना जाजू के नेतृत्व में समस्त सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया।

एडवोकेट गुप्त का सम्मान

सिवनी। एडवोकेट राजेंद्र गुप्त ने वकालत के क्षेत्र में अर्द्ध शतक (50 वर्ष) पूर्ण कर लिया है। इस उपलब्धि पर श्री गुप्त का पश्चिमांचल मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि आप प्रादेशिक सभा के कार्यकारणी सदस्य के साथ स्थानीय श्री राम मंदिर ट्रस्ट व मध्य प्रदेश महेश सेवा ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी भी हैं।

डॉ. साबू ने ली बोस्टन यूनिवर्सिटी से उपाधि

इंदौर। डायबेटोलॉजिस्टि डॉ. भरत साबू ने बोस्टन यूनिवर्सिटी अमेरिका के स्कूल ऑफ़ मेडिसिन से डाइबिटीज के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स की परीक्षा विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की है। डॉ. साबू प्रतिष्ठित प्रयास क्लिनिक के संचालक हैं एवं डायबिटीज के प्रति सामाजिक जन जागरण हेतु हमेशा सक्रिय रहते हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

मना मकर संक्रांति पर्व

डांडेली। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा संक्रांति पर्व वनवासी छात्रावास में मिठाई व आवश्यक वस्तु वितरण कर मनाया गया। सायंकाल हल्दी-कुंकू के साथ विभिन्न खेल रखे गए व पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम को नव-निर्वाचित अध्यक्षा अर्चना बाहेती व सचिव भावना राठी ने संचालित किया।

"स्नान तन को, ध्यान मन को,
दान धन को, योग जीवन को,
प्रार्थना आत्मा को,
व्रत स्वास्थ्य को,
क्षमा रिश्तों को और परोपकार
किस्मत को शुद्ध कर देता है।"

ऋषि-मुनि प्रकाशन द्वारा सिंहस्थ 2016 के अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद् के लिए प्रकाशित पुस्तक 'अमृतोत्सव' का विमोचन करते हुए
मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान एवं अखाड़ा परिषद् के पदाधिकारीगण

पुण्य स्मृति में सम्मान समारोह, कवि सम्मेलन एवं फल वितरण

बरेली। गत 25 मार्च को सच्चिदानंद स्वरूप चांडक मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में स्व. श्री सच्चिदानंद स्वरूप के द्वितीय स्मृति दिवस के अवसर पर बरेली स्थित बालक एवं बालिका अनाथालय तथा प्रेम निवास में फल वितरण किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष सुमन चांडक ने स्व. श्री चांडक के योगदानों पर प्रकाश डाला। ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों ने इस अवसर पर सभी को होली की शुभकामनाएँ भी दी। राजकिशन माहेश्वरी, शरद चांडक, शशांक चांडक, मोनिका चांडक, तृप्ति चांडक, शिखा अग्रवाल आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। आईवीआरआई सभागार में सम्मान समारोह एवं काव्य संध्या का आयोजन भी किया गया। मुख्य अतिथि संतोष गंगवार केन्द्रीय कपडा मंत्री, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि धर्मपाल सिंह विधायक आंवला एवं पूर्वमंत्री उ.प्र. सरकार तथा मिथलेश कुमार पूर्व सांसद शाहजहांपुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्षा सुमन चांडक ने की। ट्रस्ट सचिव शरद चांडक ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। सम्मान समारोह में अखिलभारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामगोपालमूंदडा, उत्तराखण्ड पब्लिक सर्विस ट्रिब्यूनल, देहरादून के उपाध्यक्ष (न्यायिक) वी.के. माहेश्वरी सहित 7 हस्तियों को उनके विशिष्ट योगदानों के लिये सम्मानित किया गया। आयोजन के दूसरे सत्र में काव्य संध्या का आयोजन हुआ।

साहित्यिक आयोजन से सजा रहा देवपुरा स्मृति समारोह

हिंदी पुरोधा राष्ट्रभाषा सैनानी भगवतीप्रसाद देवपुरा स्मृति समारोह का दो दिवसीय आयोजन सम्मान, अभिनंदन, उपनिषद, कवि सम्मेलन आदि अनेक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ।

संस्था प्रधानमंत्री श्यामप्रकाश देवपुरा ने बताया कि प्रथमसत्र में संस्था के वाचनालय में नियमित आने वाली देश की 260 पत्र-पत्रिकाओं का अवलोकन एवं संस्था द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। द्वितीय सत्र में संस्था द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की रंगारंग प्रस्तुति के साथ प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। तृतीय सत्र में संस्था के विद्यार्थियों द्वारा भारतेंदु हरिशचंद्र प्रणीत नाटिका "अंधेरी नगरी चौपट राजा का प्रस्तुतिकरण किया गया। पंचम सत्र में भारतेन्दु बाबू हरिशचंद्र उपनिषद प्रारंभ हुआ, जिसमें कई विद्वानों ने अपने आलेख पढ़े। विभिन्न सत्र में साहित्य सुधाकर, काव्य कलाधर तथा सम्पादकश्री की मानद उपाधि से विभिन्न साहित्यिक विभूतियों को सम्मानित किया गया।

काव्य भूषण मानद उपाधि से तथा साहित्य कुसुमकार मानद उपाधि से भी देश के विभिन्न भागों से आये साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता कासगंज की राजमाता ने की। मुख्य अतिथि डॉ. अमरसिंह वधान चण्डीगढ़ थे। षष्ठम सत्र में स्व. श्री भगवतीप्रसाद देवपुरा के साहित्य पर शोध पत्रों का वाचन हुआ। पांच साहित्यकारों व विद्वानों का नगद राशि सहित अभिनंदन किया गया। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अमरसिंह वधान, चण्डीगढ़ ने की। मुख्य अतिथि जयदेव गुर्जरगौड़ व विशिष्ट अतिथि फतहलाल गुर्जर अनोखा एवं चतुर कोठारी थे।

सोश्यल ग्रुप के चुनाव संपन्न

इंदौर। माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप के सत्र 2016-17 के चुनाव श्रीजी वाटिका में हुए। इसमें अध्यक्ष मोहन नीता सोमानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष-अशोक चंद्रकांता चितलांग्या, उपाध्यक्ष-संपतकुमार राधा साबू, सचिव-दिनेश मधुबाला लखोटिया, सहसचिव-अशोक रमिला काकाणी, कोषाध्यक्ष- गोपीकिशन ब्रजलता काकाणी, प्रचार मंत्री- भरत सावित्री भट्टड़ चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चुनाव हुआ। चुनाव अधिकारी कल्याण मंत्री, ईश्वर बाहेती एवं मुकुट बिहारी झंवर, सहयोगी जगदीश बाहेती व संतोष साबू थे।

भूतड़ा बने पत्रकार जिला संघ अध्यक्ष

कन्नौद। मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेशाध्यक्ष शलभ भदौरिया ने संभागीय अध्यक्ष ऋषिकुमार शर्मा तथा महासचिव आनंद गुप्ता की अनुशंसा पर कन्नौद के पत्रकार विनोद भूतड़ा को श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिलाध्यक्ष (देवास) नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के बाद पत्रकारों ने भूतड़ा के निवास पर पहुंचकर उनका स्वागत कर मिठाई बांटी।

माहेश्वरी पुनः बने अध्यक्ष

कमल माहेश्वरी

दिनेश माहेश्वरी

शाजापुर। स्थानीय माहेश्वरी समाज की चुनाव संबंधी बैठक गत दिनों आयोजित हुई। इसमें पूर्व अध्यक्ष कमल माहेश्वरी के पूर्व कार्यकाल पर संतोष व्यक्त करते हुए सर्वानुमति से उन्हें पुनः अध्यक्ष चुना गया। सर्वानुमति से ही सचिव दिनेश माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष अमृतलाल तथा उपाध्यक्ष कृष्णवल्लभ चांडक (माहेश्वरी) व नंदकिशोर सोनी चुने गए।

श्री सांवलिया सेठ ने किया गुजरात भ्रमण

अहमदाबाद। श्री सांवलिया सेठ मण्डफिया जिला चित्तौड़गढ़ ने 1 से 7 अप्रैल तक गुजरात भ्रमण किया। श्री माहेश्वरी सेवा समिति में शाम 5 बजे श्री सांवलिया सेठ का भव्य स्वागत किया गया। सायंकाल विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक ओमप्रकाश काबरा (निम्बाहेड़ा) व गुजरात भ्रमण संयोजक एसएन बाहेती (अहमदाबाद) थे। नड़ियाद का सेवाकार्य कालूराम हेड़ा व उनके सहयोगी तथा जामनगर व द्वारका का सेवा कार्य रामगोपाल खटौड़ व उनके सहयागियों ने संभाला।

दरगड़ परिवार का हुआ स्नेह मिलन

भीलवाड़ा। दरगड़ परिवार का सामूहिक सम्मेलन गत दिनों दरगड़ परिवार की सती माता के स्थान बनेड़ा जिला भीलवाड़ा (राज) में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में परिवार के वरिष्ठजनों का सम्मान स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों व सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संपूर्ण राजस्थान परिवार के सदस्य परिवार सहित शामिल हुए। इस अवसर पर सतीमाता ट्रस्ट का गठन भी किया गया। संरक्षक चौथमल दरगड़, अध्यक्ष राधेश्याम दरगड़, सचिव रामरतन दरगड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोपाल दरगड़, उपाध्यक्ष राजेश दरगड़, सहसचिव कमलेश दरगड़, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल दरगड़, सहकोषाध्यक्ष रमेशचंद्र दरगड़, सांस्कृतिक मंत्री भगवान दरगड़, प्रचार-प्रसार मंत्री दुर्गा दरगड़, प्रवक्ता सुनील दरगड़ को मनोनीत किया गया। जानकारी ट्रस्ट के सचिव रामरतन दरगड़ ने दी।

11 जोड़ों के सामूहिक विवाह का हुआ आयोजन

सूरत। श्री सच्चिया माता मंदिर में 11 जोड़ों के सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। श्री जैसल माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सभी जोड़ों को गृहस्थ जीवन यापन के लिए जरूरी सामान, वस्त्र व नकद धन राशि भेंट की गई। मंडल अध्यक्ष सुनीता धीरण ने बताया कि इसमें समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

वर्कशॉप डेमो का हुआ आयोजन

सूरत। माहेश्वरी महिला मंडल पुना-कुंभारिया की ओर से गत 28 फरवरी को 'वर्कशॉप डेमो' का आयोजन किया गया। इसमें मधु सुराणा ने तोरण मेकिंग एवं पायल पटेल ने सांस्कृतिक रंगोली सिखाई। रेखा जाखेटिया ने बताया कि यह डेमो सभी पदाधिकारी व सदस्यों के सहयोग से आयोजित हुआ।

पक्षियों के लिए की दाना-पानी की व्यवस्था

ब्यावर। भारत विकास परिषद की ओर से आशापुरा माता मंदिर में परिंडे वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष राजेंद्र बड़गोती, नरेश मित्तल, राजेंद्र काबरा, अनिल भराड़िया, सौभाग्यमल नाहर, जुगलकिशोर मणिहार, डॉ. एलएन बल्दुआ, साधना बड़गोती, शोभा सोमानी, साधना ईनाणी, शशि भराड़िया आदि ने सेवा दी। राजेंद्र काबरा ने बताया अजमेर रोड स्थित दादीधाम में परिंडे का वितरण किया गया।

"बुराई की खासियत यह है कि वो कभी हार नहीं मानती,
और
अच्छाई की खासियत यह है कि वो कभी हारती नहीं।"

शरद गोपीदास बागडी का हुआ सम्मान

बीकानेर। श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत ने अपना जातीय पर्व परंपरागत गणगौर उत्सव मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन महिला समिति द्वारा किया गया। श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत के पुराने सदस्य शरद गोपीदास बागडी को इस वर्ष मोतीलाल ओसवाल की तरफ से 'वेल्थ क्रियेटर ऑफ डीकेड', महाराष्ट्र ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर रावटे, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस की तरफ से सामाजिक सत्कार, केन्द्रीय मानवाधिकार परिषद की तरफ से डिस्ट्रीक्ट कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश के हाथों 'समाज भूषण' व मराठी फिल्म ऐक्टर भागवत के हाथों 'समाज रत्न', लायंस क्लब, रोटरी इंटरनेशनल के डिस्ट्रीक्ट गवर्नर्स, भारत विकास परिषद् की तरफ से नेशनल अध्यक्ष के हाथों 'विकास रत्न' आदि पुरस्कार प्राप्त हुये। इन उपलब्धियों के लिये श्री बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत के तरफ से श्री बागड़ी का सुरेश लाखोटिया ने सत्कार किया। कार्यक्रम में राधेश्याम सारडा रमेश मंत्री गिरधरलाल सिंगी, राजकुमार चांडक, किशनलाल झंवर आदि उपस्थित थे।

महिला दिवस पर फ़ाग उत्सव का हुआ आयोजन

मन्दसौर। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा माहेश्वरी धर्मशाला में महिला दिवस व उसके बाद फ़ाग महोत्सव मनाया गया। जिसमें पश्चिमांचल संगठन मंत्री गीता झंवर, अध्यक्ष इंद्रा झंवर एवं मणिबाला मालू अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन सचिव मंजू जाखेटिया ने किया। इसके बाद सभी ने होली के भजन गाए व एक दूसरे को गुलाल लगाकर उत्सव मनाया गया। उक्त जानकारी प्रचार मंत्री मणिबाला मालू ने दी।

महिला दिवस पर माहेश्वरी को मंजूषा सम्मान

शुजालपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला महिला सशक्तिकरण विभाग की ओर से शा. कन्या प्रा. वि. शुजालपुर की सहायक शिक्षिका पुष्पा माहेश्वरी को 'मंजूषा सम्मान' से सम्मानित किया गया। उन्हें कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्रीमती माहेश्वरी का विवाह मात्र 16 वर्ष की आयु में ही हो गया था। इसके पश्चात परिवार की जिम्मेदारी निभाते हुए एम.ए. तक शिक्षा ग्रहण की। श्रीमती माहेश्वरी गत 15 वर्षों से हिंदी लेखिका मंच सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से सम्बन्ध होकर भी अपनी सेवा दे रही है।

महिला मंडल का मना उद्घाटन समारोह

वरंगल। माहेश्वरी समाज द्वारा गठित माहेश्वरी मंडल का उद्घाटन समारोह गत 28 फ़रवरी को प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष कलावती जाजू एवं मंत्री रेणु सारदा थी। अपने स्वागत सन्देश में समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोनी ने कहा कि महिला मंडल के गठन का उद्देश्य सामाजिक कार्यों के प्रति जागृत करना है। आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के दक्षिण तेलगाना आँचल के उपाध्यक्ष रमेश चंद बंग एवं राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्ष चंदा देवी सोनी भी मंच पर उपस्थित थीं। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के मंत्री संपत कुमार लाहोटी ने नवगठित माहेश्वरी महिला मंडल की वर्ष 2016-2019 की कार्यकारिणी की घोषणा कर सभा को परिचय कराया। कार्यक्रम का समापन माहेश्वरी महिला मंडल की मृदुबला घनश्याम दरक के धन्यवाद प्रस्ताव एवं सहभोज के साथ हुआ।

स्नेह मिलन समारोह का हुआ आयोजन

चित्तौड़गढ़। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा जिला सम्मेलन एवं स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी उपस्थित थे। अति विशिष्ट अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू थे। अतिथि के रूप में देवकरण गग्गड़, प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश तोषनीवाल, उद्योगपति हरीश ईनाणी, युवा संगठन के उमेश आगाल, प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष हरकलाल बसेर आदि उपस्थित थे। जिला माहेश्वरी सभा के जिला अध्यक्ष अशोक काबरा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बताया कि जिले में करीब 350 युवाओं को ऋण, शिक्षा के लिए 15 बच्चों को पांच हजार रुपए की राशि, 133 विधवा महिलाओं को पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ, सात रोगियों को 50 हजार रुपए से अधिक की राशि उपचार के लिए उपलब्ध कराई है। पूर्व विधायक अशोक नवलखा, दिनेश आगाल, राधेश्याम सोमानी, दलपत सुराणा, उमेश आगाल, विपीन लड्ढा, कैलाश कोठारी आदि मंचासीन थे। आभार सत्यनारायण मंत्री ने माना। कार्यक्रम का संचालन गोपाल भूतड़ा, सोनिका माहेश्वरी ने किया।

सेवा से किया पुण्य स्मरण

कन्नौद। स्वर्गीय श्रीमती कौशल्यादेवी-बाबूलाल भूतड़ा की पुण्यतिथि पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शासकीय चिकित्सालय कन्नौद में मरीजों को फल वितरित कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। इस अवसर पर उनके पुत्र विनोद भूतड़ा, विधायक आशीष शर्मा, रमेश डाबी, प्रदीप जोशी, अरविंद गुप्ता, राजेंद्र श्रीवास, बीएमओ राजेंद्र गुजराती, सुनील वर्मा, ऋषिकेश भगत, कमल गर्ग आदि मौजूद थे।

महिला मंडल के चुनाव संपन्न

शाजापुर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष शोभा माहेश्वरी, उपाध्यक्ष पूर्णिमा माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष पूनम माहेश्वरी, सचिव लीला माहेश्वरी, सहसचिव आशा लोया, मीडिया प्रभारी सरिता माहेश्वरी चुनी गईं। साथ ही खजांची के मंदिर में फागोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। सूखे रंग, गुलाल व फूलों से भगवान से होली खेली, फिर आरती करके प्रसाद बांटा गया।

ओम सेवा संस्थाल में सेवा कार्य

उदयपुर। ओम सेवा संस्थान के अध्यक्ष ओमप्रकाश मूथा ने सेवानिवृत्ति पर चिकित्सालय में 200 रोगियों की भोजन सामग्री तथा बालिका छात्रावास को भेंट किया। उक्त जानकारी मुरलीधर गट्टानी ने दी।

मेवाड़ा जिला नवयुवक मंडल के चुनाव सम्पन्न

सूरत। स्थानीय श्री मेवाड़ा माहेश्वरी नवयुवक मंडल के पदाधिकारियों का चुनाव गत दिनों संपन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष-कन्हैयालाल कल, उपाध्यक्ष राजेंद्र बसेर व प्रहलाद भदादा, सचिव सत्यनारायण देवपुरा तथा कोषाध्यक्ष रामसहाय चेचाणी चुने गए।

"चेहरे अजनबी हो जाएँ
तो कोई बात नहीं
रवैये अजनबी हो जाएँ
तो बड़ी तकलीफ होती है।"

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

भीलवाड़ा। श्री महेश सेवा समिति द्वारा संचालित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल आनंद नगर के नवनिर्मित भवन का भव्य लोकार्पण समारोह पूर्वक हुआ। मुख्य अतिथि रामपाल सोनी (पूर्व सभापति अभा माहेश्वरी महासभा), लोकर्पणकर्ता सुभाष बहेड़िया (सांसद भीलवाड़ा), ललिता समदानी (सभापति नगर परिषद भीलवाड़ा) अध्यक्षता आरएल नौलखा (उपसभापति अभा माहेश्वरी महासभा) ने की। विशिष्ठ अतिथि राधेश्याम सोमानी (अध्यक्ष द.प्रा.महासभा), जगदीशचंद्र सोमानी (अध्यक्ष भीलवाड़ा जिला महासभा), कैलाशचंद्र कोठारी (अध्यक्ष नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा), संस्था के संस्थापक सदस्य देवकरण गग्गड़ व सोहनलाल कोगटा थे। अतिथि सत्यनारायण डाड़ व अनिल बांगड़ (उपाध्यक्ष पुष्कर सेवा समिति), ओमप्रकाश नराणीवाल (पूर्व सभापति नगर परिषद भीलवाड़ा) संस्था अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी व सचिव राजेंद्र कचौलिया एवं प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य विशेष रूप से उपस्थित थे। महेश सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। इस अवसर पर श्री महेश सेवा समिति की विकास यात्रा एवं इसको खड़ा करने में जिन पुरोधाओं का योगदान रहा। उन पर 9 मिनट का चलचित्र प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर भवन आर्किटेक्ट विभाष अजमेरा का सम्मान भी किया गया। जिन्होंने बिना पेमेंट लिए इस भवन में अपनी सेवाएं दीं। अंत में अतिथियों की स्मृति चिह्न भेंटकर सचिव राजेंद्र कचौलिया ने सम्मान किया।

केंद्रीय मंत्री ने किया रामगोपाल मूंदड़ा का अभिनंदन

सूरत। 2 अप्रैल को वरिष्ठ समाजसेवी स्व. श्री सच्चिदानंद स्वरूप चांडक के द्वितीय स्मृति दिवस पर सच्चिदानंदस्वरूप चांडक मेमोरियल ट्रस्ट बरेली द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संतोष गंगवार (केंद्रीय कपड़ा मंत्री भारत सरकार) ने रामगोपाल मूंदड़ा (उपसभापति अभा माहेश्वरी महासभा) सूरत, वीके माहेश्वरी उपाध्यक्ष (न्यायिक) उत्तराखंड पब्लिक सर्विस ट्रिब्यूनल, देहरादून एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान किया।

माहेश्वरी महिला मंडल (मेन) की नई कार्यकारिणी गठित

सूरत। माहेश्वरी महिला मंडल (मेन) की बैठक गत दिनों माहेश्वरी भवन के बोर्ड रूम में रखी गई। इसमें पदाधिकारियों का चयन अभा भूतपूर्व अध्यक्ष बिमला साबू व प्रांतीय सचिव उमा जाजू की उपस्थिति में किया गया।

वीणा तोषनीवाल

अंजना सिंगी

इंद्रा साबू

सर्वसम्मति से अध्यक्ष वीणा-हरिशंकर तोषनीवाल, उपाध्यक्ष प्रतिभा-सुनील मोला-सरिया, सचिव अंजना-अनिल सिंगी, सहसचिव सरिता-सत्यनारायण दरगड़ तथा कोषाध्यक्ष इंद्रा-मुरारी साबू चुनी गईं।

पर्यावरण संरक्षण के लिये चलाई साईकिल ने दिलाया पुरस्कार

इंदौर। नित्य साईकिल चलाना उनका शौक है और पर्यावरण संरक्षण का जुनून। इसने उन्हें एक ऐसा साईकिल राईडर बना दिया कि उन्होंने 250 किमी की दूरी साईकिल से मात्र 8 घंटे में तय कर पुरस्कार अपने नाम कर लिया। यहां हम बात कर रहे हैं अनुराग सोडानी की जो संपूर्ण सोडानी डायग्नोस्टिक सेंटर इंदौर के सीईओ है। उनके इस बहुचर्चित सेंटर की पूरे मप्र में 16 से भी ज्यादा शाखाएं है। श्री सोडानी को साईकिल चलने का बेहद शौक है। वे प्रतिदिन 50 से 60 किमी और रविवार को 150 किमी साईकिल चलाते है। हाल ही में उन्होंने 250 किमी की प्रतिस्पर्धा सिर्फ 8 घंटे में पूरी की। उन्हें साईकिल चलाने से अलग ही खुशी मिलती है। उनकी ऐसी सोच है कि साईकिल चलाने से वातावरण को प्रदूषण मुक्त और सुंदर बनाया जा सकता है। साथ ही पर्यावरण प्लास्टिक बैग का उपयोग नहीं करना और घर में किसी को नहीं करने देना - जैसे ही छोटे छोटे बदलाव खुद में और दूसरों में लाने का भरसक प्रयत्न करते है। साईकिलिंग उनके जीवन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। इसी कड़ी के साथ अनुराग सोडानी ग्लोबल शेपर्स नामक संस्था से भी जुड़े हुए हैं, जो कि सामाजिक कार्य जैसे हेल्थ एजुकेशन और अलग-अलग स्कूलों में गर्ल्स टॉयलेट का निर्माण आदि करती है। हाल ही में 30 मार्च को इस संस्था का इंदौर में सफल कार्यक्रम आयोजित हुआ।

चिंतन शिविर के साथ प्रतिभा सम्मान

सारंगपुर। प्रकाशचंद्र बाहेती नगर माहेश्वरी समाज के द्वारा चिंतन शिविर एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसे मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाशचंद्र बाहेती, अभा माहेश्वरी सभा के महामंत्री श्याम सोनी व हाईकोर्ट न्यायाधीश भगवानदास राठी ने मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित किया। स्वागत भाषण जिला अध्यक्ष सम्पत मोदानी ने दिया। जिला संगठन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर संस्थापक अध्यक्ष गोविंदास मोदानी ने संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दिवंगत समाजसेवियों को याद किया। पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा की अध्यक्ष निर्मला बाहेती ने समाज के उत्थान में महिलाओं की भूमिका पर विचार रखे। पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष महेश कुमार तोतला और पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष बंशीलाल भूतड़ा ने समाज की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर शाजापुर जिला अध्यक्ष सागरमल खटोड़ और पश्चिमांचल उपाध्यक्ष रामप्रसाद गगरानी भी अतिथि के रूप में थे। प्रतिभा सम्मान में अ.भा. प्रशासनिक सेवा के लिये चुने गये कुरावर के अंकित सोमानी के साथ सोनाली डागरा और आयुष बियाणी सी.ए. बनने पर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया।

> तुलसी वृक्ष न जानिए,
> गौ न जानिए ढोर
> विप्र मनुज न जानिए,
> ये तीनों नन्द किशोर।

॥ जय महेश ॥

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति द्वारा संचलित
वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और घर बैठे देखें 2500 रिश्ते

B.E., MBA, C.A., Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.700 (एक वर्ष के लिए)

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.
● SBI A/C No. 34040329615 ● BULDHANA URBAN : 21 / 722

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

प्रादेशिक कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)
फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

* फर्जी वेबसाईटों से सावधान *

'फ्री रजिस्ट्रेशन, समाज हित में' इन बातोंद्वारा कुछ वेबसाईट अभिभावकों से पैसे ऐठ रहे है । किसी भी वेबसाईट का शुल्क भरने से पहले, उस में कितने-युवक युवतियों के बायो-डाटा उपलब्ध है इसकी तसल्ली करके ही शुल्क भरे ।

माहेश्वरी विद्याप्रचारक मंडल ने किया प्रतिभा सम्मान

16 प्रतिभा एमवीपीए स्कॉलर अवॉर्ड से सम्मानित

पुणे। माहेश्वरी विद्याप्रचारक मंडल ने एमवीपीएम माहेश्वरी स्कॉलर अवॉर्डर्स का आयोजन किया। इसमें देश-विदेश से चयनित विभिन्न क्षेत्र की 16 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह के प्रमुख अतिथि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संचालक डॉ. आनंद माहेश्वरी तथा आयआयएम अहमदाबाद के भूतपूर्व अधिष्ठाता डॉ. प्रकाश सिंगी थे। इनके साथ मंच पर स्कॉलर कमेटी के चेअरमैन राजेंद्र तापड़िया, सेक्रेटरी डॉ. वसंत बंग, मंडल के अध्यक्ष अतुल लाहोटी, सेक्रेटरी सुशीला राठी भी विराजमान थे। संस्था अध्यक्ष अतुल लाहोटी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन परिधि राठी व निकिता नावंदर ने किया।

ये हुए सम्मानित

इसके अंतर्गत हर्षा हरिगोपाल बजाज (पीएचडी बायोमेडिकल, जर्मनी), पार्थ विजयकुमार बंग (सीए एआईआर-6), किशोरी कमलकिशोर भराडिया (सीए एआईआर-18), नवीन नवाल चांडक (बीटेक आईआईटी मुंबई), डॉ. हर्षल अनिल लाहोटी (डीएम कार्डियोलॉजी), हर्ष वीरेंद्र मूंदड़ा (एमबीए आईआईएम अहमदाबाद), डॉ. प्रज्ञा सौरभ पलौड़ (पीएचडी आईआईटी), डॉ. मनोज मुरलीधर तोषणनीवाल (डीएम हेमेटोलॉजी एआईआर 4) सम्मानित हुए।प्रॉमिसिंग माहेश्वरी स्कॉलर्स अवॉर्ड से आभा गोपाल बियाणी, अंकित किशोर चांडक, डॉ. धीरज हेड़ा, सौरभ सुनील झंवर, प्रीतेश आनंदराम लाहोटी, रिया राजेश मालू, वैभव सुरेश राठी, वैभव सुरेश राठी, अभिजीत पूरनमल सोमानी सम्मानित हुए।

ये सहयोगी बने

इस अवॉर्ड के लिए भूतपूर्व विद्यार्थी संगठन एमवीपीएम छात्रालय के शेखर मूंदड़ा, दमाणी टेक्टटाइल इंडस्ट्री शोलापुर के राजेश दमाणी, डीजी मालपाणी ग्रुप के राजेश ओंकारनाथ मालपाणी संगमनेर, गोपाल काबरा आरआर केबल्स-मुंबई, श्रीकांत कासट-शिवनारायण रामनाथ कासट पुणे, पुरुषोत्तम लोहिया, लोहिया प्रतिष्ठान पुणे, श्रीराम सोनी-सोनी ट्रस्ट पुणे, राजेंद्र भगीरथ तापड़िया सेफ पॅक इंड लि. पुणे से सहयोग प्राप्त हुआ। गत चार वर्षों के प्रयासों से इस वर्ष स्पर्धा में हिस्सा लेने वाले सदस्यों की संख्या में भारी वृद्धि हुई। योग्य चुनाव के लिए विभिन्न क्षेत्र के उच्च पद पर आसीन 6 वरिष्ठों महानुभावों की एक चयन समिति का गठन किया गया, जिन्होंने अपनी कसौटियों के अनुसार योग्य प्रत्याशी का चयन किया।

दिव्यांगों के परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

अमरावती। नेशनल फेडरेशन ऑफ ब्लाइंड अमरावती शाखा द्वारा नरहरि मंगल कार्यालय में दिव्यांगों के परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यकम की अध्यक्षता समाजसेवी घनश्यामदास सारडा ने की। उद्घाटन माहेश्वरी आधार समिति के अध्यक्ष घनश्याम कासट व मुख्य मार्गदर्शक बुलिदान राठी, मूक बधिर विद्यालय के सचिव बंकटलाल राठी थे। केसरीमल मूंदड़ा फेडरेशन के अध्यक्ष गजानन राठौड़ आदि मंचासीन थे। इस परिचय सम्मेलन में 4 जोड़ों का विवाह तय हुआ। इसके अलावा 3-4 जोड़ों का संबंध भी शीघ्र ही तय होने की संभावना है।

मित्र मंडल के चुनाव सम्पन्न

मेरठ। स्थानीय माहेश्वरी समाज की मुख्य संस्था माहेश्वरी मित्र मंडल मेरठ का होली मिलन समारोह एवं चुनाव कोठारी धर्मशाला में आयोजित हुए। अध्यक्षता सत्यनारायण लाहोटी ने की। मंच संचालन संजीव राठी ने किया। इस अवसर पर मंडल के द्विवार्षिक चुनाव त्रिभुवन मूना चुनाव अधिकारी व प्रमोद केला उपचुनाव अधिकारी की देख-रेख में संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष-देवेंद्र माहेश्वरी, उपाध्यक्ष-रूपनारायण टावरी, मंत्री-नरेश माहेश्वरी, उपमंत्री डॉ. विनोद राठी व कमल माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष-संजीव हरकुट व भंडारी जीडी माहेश्वरी, मीडिया प्रभारी त्रिभुवन मूना चुने गए।

> श्रेष्ठता जन्म से नहीं, गुणों से होती है
> दूध-दही-घी सभी एक कुल के होते हुए भी
> सभी के दाम अलग-अलग होते हैं।

माहेश्वरी महिला मंडल ने निकाला बिजोरा

धामनोद। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी माहेश्वरी महिला मंडल और बहूमंडल द्वारा परंपरानुसार बिजोरा निकाला गया। यह हर वर्ष शीतला सप्तमी पर निकाला जाता है। बिजोरा बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर माहेश्वरी धर्मशाला पर संपन्न हुआ। समाज के प्रतिष्ठानों पर जगह-जगह बिजोरे का स्वागत जलपान, ठंडाई आदि से किया गया।

महिला मंडल ने निकाली फूलपाती

राजोद। श्री माहेश्वरी मंडल राजोद द्वारा नगर में फूलपाती निकाली गई। श्री माहेश्वरी मंडल राजोद की अध्यक्ष विष्णु बाहेती का विशेष सहयोग रहा। अंजना बाहेती, अंजलि बाहेती, सुनीता बाहेती, शंकुतला बाहेती, मंजू बाहेती, रागिनी बाहेती, स्वाति काबरा, रश्मि काबरा, कांता बाहेती, सरोज बाहेती, ज्योति बाहेती आदि मौजूद थे।

विशिष्ठजनों का लिया मार्गदर्शन

राजसमंद। श्री महेश प्रगति संस्थान के तत्वावधान में महेश नगर प्रांगण में माहेश्वरी समाज के अति विशिष्ठजन उद्बोधन का आयोजन किया गया। इसमें जयप्रकाश काबरा(मुंबई), रामपाल सोनी (भीलवाड़ा), राधेश्याम सोमानी (भीलवाड़ा), विष्णु गोपाल सोमानी (आमेर), अर्जुनलाल चेचाणी जिलाध्यक्ष माहेश्वरी समाज एवं कई विशिष्टजनों ने अपने-अपने विचार रखे। संस्थान के महासचिव लक्ष्मीलाल ईनाणी ने बताया कि विशिष्टजनों के उद्बोधन में व्यापार में आ रही कठिनाई के साथ परिवार में कुसंस्कृति एवं कुसंस्कार से निजात पाने के विषय पर चर्चा की गई। इसके लिए वीडिया कॉन्फ्रेसिंग की गई। उद्बोधन के पश्चात होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंदरमल छापरवाल, नवनीत मंत्री, जगदीशचंद्र लड्ढा, मदनलाल मालानी, संपत लड्ढा, सत्यप्रकाश काबरा, सुभाष काबरा, देविका निष्कलंक (पार्षद), पुसाराम बंग, हरिभगवान बंग, हरकचंद्र मंत्री आदि कई समाजजन मौजूद थे। विशिष्टजनों का स्वागत केदारमल न्याति, ओमप्रकाश मंत्री, दामोदरलाल काहल्या, विद्याशंकर झँवर, बीएल असावा, मुरलीधर बियानी, पूनम चरखा ने किया। मंच संचालन सुशीला असावा एवं राधिका लड्ढा ने किया।

जल सेवा केंद्र का शुभारंभ

वरंगल। स्थानीय महेश कला समिति गत 27 सालों से भीषण गर्मी के चलते राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए जलसेवा केंद्र का संचालन करती आ रही है। इसी शृंखला में जल सेवा केंद्र का शुभारंभ स्टेशन रोड स्थित श्री कांकरिया के निवास के समीप किया गया है। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि वरंगल महानगर निगम के मेयर एन. नरेंद्र थे। विशिष्ट अतिथि 18वें डिवीजन की कॉर्पोरेटर उषा श्री थी। इस अवसर पर महेश कला समिति अध्यक्ष दामोदर जखोटिया, समाज प्रमुख पुसाराम मनियार, नारायणदास शर्मा, प्रकाशचंद्र कांकरिया, कन्हैयालाल मनियार, प्रहलाद सोनी, ओमप्रकाश बजाज, रमेशचंद बंग, ब्रिजगोपाल लाहोटी, सत्यनारायण कालाणी सहित समस्त समिति सदस्य व समाजजन मौजूद थे। उक्त जानकारी समिति मंत्री अशोककुमार बंग ने दी।

"अगर रिश्ते में पूरी तरह से विश्वास, ईमानदारी और समझदारी है तो इन्हें निभाने के लिए वचन, कसम, नियम और शर्तों की कोई जरूरत नहीं होती है।"

माहेश्वरी महिलाओं ने अपना परम्परागत पर्व गणगौर पूरे उत्साह के साथ मनाया। इसमें फूलपातियाँ निकालकर ईशर-गौरी की पूजा कर अखण्ड सौभाग्य की कामना की गई। इसके साथ ही विभिन्न संगठनों ने मनोरंजक कार्यक्रमों तथा स्पर्धाओं का आयोजन भी किया।

गणगौर से की अखण्ड सौभाग्य की कामना

अहमदाबाद। माहेश्वरी संगिनी संगठन द्वारा गत 4 अप्रैल को गणगौर महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 800 महिलाएं उपस्थित थीं। इसमें 7 नृत्य एवं 3 नाटक की प्रस्तुति दी गई। सेवरा स्पर्धा भी रखी गई। कार्यक्रम में संगिनी की अध्यक्ष सुधा काबरा, मंत्री उर्मिला बाहेती, गुजरात प्रांतीय अध्यक्ष उर्मिला कलंत्री आदि मौजूद थीं।

बीकानेर। स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गणगौर उत्सव स्थानीय नृसिंह भवन में मनाया गया। बीकानेर माहेश्वरी समाज के मीडिया प्रभारी पवन राठी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रीति क्लब के अध्यक्ष मगनलाल चांडक थे। अध्यक्षता समिति संरक्षक किरण झंवर ने की। महिला समिति की अध्यक्ष रेखा लोहिया ने बताया कि इस अवसर पर माहेश्वरी युवा आशीष तापड़िया द्वारा स्थानीय सभी संस्थाओं व इकाइयों को शामिल कर एक वेबसाइट का लोकार्पण किया गया। समिति संरक्षिका सरला लोहिया व मंत्री श्रेया राठी ने बताया कि इस अवसर पर महिला गृह उद्योग मेले का आयोजन भी किया गया। बच्चों के मनोरंजन हेतु गेम जोन लगाए गए। समिति उपाध्यक्ष कंचन राठी ने बताया कि एकल नृत्य, खोल पैकिंग, विचित्र वेशभूषा आदि स्पर्धाओं का भी आयोजन हुआ।

चन्द्रपुर। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें कई रंगारंग व मनोरंजक विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका हंसा सोमाणी एवं उर्मिला करवा ने निभाई। गीत गुंजन स्पर्धा में सरिता सारडा ग्रुप एवं पूजा टावरी के ग्रुप पुरस्कृत किए गए। इस गौर स्पर्धा में पूजा जाजू, प्रियंका भूतड़ा तथा निकिता राठी-रूपा पनपालिया पुरस्कृत किए गए। गुड़ी पड़वा के दिन गणगौर के सिंजारे के अवसर पर लक्ष्मीनारायण मंदिर से आजाद बगीचे होते हुए एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। आजाद बगीचे में झाला वारणा, गीत व नृत्य कर महिलाओं ने कार्यक्रम का आनंद लिया। निर्मला जाजू की अध्यक्षता में माहेश्वरी महिला मंडल कार्यकारिणी की समस्य सदस्याओं व माहेश्वरी नवयुवक मंडल का भी सहयोग रहा।

ब्यावर। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के तत्वावधान में स्थानीय श्री माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा गणगौर महोत्सव का आयोजन किया गया। महिला परिषद मंत्री रेखा बाहेती ने बताया कि मुख्य अतिथि सुमन राठी, विशेष अतिथि दीप्ति तोषनीवाल व महिला परिषद अध्यक्ष मनीषा जाजू थीं। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण ईसर गणगौर स्पर्धा रही। कार्यक्रम संयोजक रेणु मालू, संगीता नवाल व प्रभा नवाल ने बताया कि गणगौर महोत्सव कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं ने उपस्थिति दर्ज कराई तथा कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जोधपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से गणगौर धूम का कार्यक्रम रातानाड़ा बगीची माहेश्वरी भवन में धूमधाम से मनाया गया। अध्यक्ष उमा बिड़ला ने बताया विभिन्न प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की हुई। अध्यक्ष उमा बिड़ला ने इसी मंच से बहनों को सन्देश दिया की टूटते हुए परिवारों को कैसे बचाये। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आशा लोहिया, विशिष्ट अतिथि गीता राठी, व नर्मदा मोदी थी। सीमा जैसलमेरिया, नीलम मूंदड़ा,अलका जौहरी,प्रभा वैध , शिवकन्या धुत, स्वाति 'सरू' जैसलमेरिया, सुशीला बजाज, बबीता चांडक, लता राठी, कौशल्या धुत, रीना राठी सहित समस्त सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

उदयपुर। स्थानीय महिला समिति द्वारा गणगौर उत्सव का आयोजन माहेश्वरी पंचायत भवन श्रीनाथ मार्ग पर लीला देवपुरा की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम संयोजिका सुनीता जागेटिया ने बताया कि इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। कार्यक्रम में राजश्री सोमानी, पुष्पा देवपुरा, उर्मिला देवपुरा, निर्मला देवपुरा, पुष्पा तोषनीवाल सहित समस्त सदस्याओं का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सुनीत जाखोटिया ने किया। आभार मधु मूंदड़ा ने माना।

सूरत। माहेश्वरी महिला मंडल (मेन) द्वारा गत 2 अप्रैल को गणगौर सिंजारा उत्सव मनाया। 'संस्कृति पीढ़ी का दर्पण' के रूप में नृत्य की प्रस्तुति दी गई। अन्य पांच राज्यों के नृत्य भी प्रस्तुत किए गए। इस प्रस्तुति में समाज की 50 महिलाओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम माहेश्वरी भवन सिटी लाइट पर रखा गया। 8 अप्रैल को राम मंदिर नानपुरा से तापी घाट तक गणगौर शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सभी महिलाओं ने हिस्सा लिया।

नांदुरा। डागा परिवार की महिलाओं ने सामूहिक गवर पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया। इसके साथ ही विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इसने डागा परिवार की एकता की भी मिसाल कायम की।

सूरत। गणगौर पर्व का 16 दिवसीय आयोजन श्री माहेश्वरी महिला मंडल टीकमनगर पुनकुमारिया की ओर से किया गया। अध्यक्ष रेखा जखोटिया ने बताया कि इसके अंतर्गत उत्सव का आयोजन डीआर वर्ल्ड में किया गया। इसमें महिलाओं ने गणगौर सिंजारे पर राजस्थानी और वेस्टर्न डांस की प्रस्तुति दी। इसके साथ रोचक खेल और फलाहार का आयोजन भी किया गया। सुधा मालानी, सरला बजाज, उषा मूथा, सुजाता सोनी, किरण भट्टड आदि सदस्यों का सहयोग रहा।

महेश सेवा संस्थान खोलेगा स्कूल

उदयपुर। स्थानीय महेश सेवा संस्थान की साधारण सभा की बैठक गत दिनों आयोजित हुई। इसमें लिए गए निर्णयानुसार संस्था आगामी सत्र से अपना स्वयं का एक स्कूल खोलेगी। इसके साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम भी समय-समय पर चलाएगी। बैठक की अध्यक्षता राधाकृष्ण गट्टानी ने की। कार्यक्रम का संचालन श्यामलाल मूंदड़ा ने किया। जानकीलाल मूंदड़ा के नेतृत्व में इसके लिए 11 सदस्यीय समिति भी बनाई गई।

होली के बाद भी स्नेह के रंग

स्नेह के रंग से एक दूसरे को रंगने के पर्व होली की खुशियों के रंग पर्व के पश्चात भी सतत छाए ही रहे। इस पर्व के बाद इसकी खुशियों ने स्नेह मिलन का स्वरूप ले लिया है। स्नेह मिलन समारोह के साथ आयोजित हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने इस पर्व की खुशियों में और भी चार चांद लगा दिए हैं।

बेंगलुरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा का 'होली स्नेह मिलन' कार्यक्रम पैलेस ग्राउंड स्थित नलपाड पैवेलियन में सम्पन्न हुआ। माहेश्वरी सभा अध्यक्ष बसंतकुमार सारड़ा, माहेश्वरी महिला मंडल की सचिव श्वेता बियानी, युवा संघ अध्यक्ष दुर्गेश काबरा, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन किशन राठी, माहेश्वरी फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी प्रह्लाद आगीवाल, माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के चेयरमैन नंदकिशोरक मालू, पूर्व अध्यक्ष इंदरचंद बागड़ी एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य कन्हैयालाल राठी आदि ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। होली गीतों की प्रस्तुति गायिका रचना सारड़ा ने दी। इसके पश्चात खेल महोत्सव-2016 में भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन माहेश्वरी सभा के सहसचिव अजय राठी ने किया एवं आभार ललित मालानी ने माना।

नीमच। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा होली के पर्व पर सायं 7.30 बजे पुस्तक बाजार चौराहे पर विधि-विधान से पूजन पश्चात होली दहन किया गया। इस अवसर पर जिला सभा अध्यक्ष दिनेश लढ़ा, समाज अध्यक्ष ओ.पी. मंत्री, सचिव रमेशचंद्र सोनी, पार्षद ओमप्रकाश काबरा, प्रवक्ता कमलेश मंत्री, हरिवल्लभ मुछाल, महेश लाठी सहित कई समाजजन सपरिवार मौजूद थे। दूसरे दिन प्रातः 10 से 12 बजे तक रंग-गुलाल से फाग उत्सव मनाया गया। महिलाओं द्वारा माहेश्वरी भवन महेश मार्ग पर फूलों एवं भजनों से फाग उत्सव मनाया गया। तत्पश्चात आरती व सहभोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

हापुड़। जिला माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में होली मिलन समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ एम जी बैंक्वेट हॉल रेलवे रोड में आयोजित किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के द्वारा राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित डॉ. सुमन काबरा को सम्मानित किया गया। दिल्ली की मूल निवासी डॉ. काबरा (बीआईटीएस) पिलानी हैदराबाद कैंपस में बायोलिजिकल साइंस की हेड हैं। समारोह की मुख्य अतिथि भी डॉ काबरा थीं। विशिष्ट अतिथि अभा माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष विनोद कुमार माहेश्वरी मोदीनगर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजेंद्र माहेश्वरी हापुड़ ने की। स्वागताध्यक्ष जयकृष्ण तापड़िया मेरठ थे। जिला माहेश्वरी सभा के प्रधान सुभाषचंद्र महेश ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग के लिए माहेश्वरी महिला मंडल, माहेश्वरी युवा मंच एवं समस्त साथियों का आभार माना। मंच का संचालन सौरभ साबू, निधि साबू व विनीता माहेश्वरी ने किया।

बरेली। शहमतगंज स्थित गिरधर परवाल के निवास पर माहेश्वरी महिला समिति बरेली द्वारा होली गणगौर उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शकुंतला माहेश्वरी, प्रभा मूना, कुमकुम काबरा, रतनदेवी माहेश्वरी, अंशु झंवर द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। संगीता मालपानी, निधि काबरा, सुनीता राठी, उषा मेहता, निशी चांडक द्वारा भजन व गीत प्रस्तुत किए गए। समाज की छोटी-छोटी बालिकाओं ने नृत्य प्रस्तुत किया। दीप्ति माहेश्वरी द्वारा होली के उपलक्ष्य में कार्यकारिणी की सभी महिलाओं को टाइटल दिए गए। हाउजी का संचालन कुमकुम काबरा व निधि काबरा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में भंवरी देवी परवाल व सत्यनारायण परवाल का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन मंजु बियानी ने किया। पुरस्कार वितरण एवं सामूहिक भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

उदयपुर। स्थानीय महेश सोसायटी का होली मिलन एवं फागोत्सव कार्यक्रम गत दिनों राष्ट्र भारती अकेडमी स्कूल प्रांगण हिरन मगरी सेक्टर 14 में रखा गया। प्रचार प्रसार मंत्री दिनेश मूथा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ख्यात फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. पीयूष देवपुरा थे। भजन गायक विनोदकुमार, जतन सोमानी एवं अनिल देवपुरा ने अपने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। मंच संचालन संयुक्त सचिव गौतम सोमानी एवं खेल सचिव बृजगोपाल चांडक द्वारा किया गया। सोसायटी अध्यक्ष सत्यनारायण झंवर द्वारा भजन पर नृत्य के लिए चेतना परताणी, उपाध्यक्ष विजयराज गादिया द्वारा समय पर आने वाले प्रथम समाजजन कैलाश मूथा को एवं जतन सोमानी को भजन प्रस्तुति के लिए अलंकृत किया गया। सचिव राकेश मूंदड़ा द्वारा आभार माना गया। सोसायटी के निर्णयानुसार कार्यक्रम में प्लास्टिक डिस्पोजल का उपयोग नहीं किया गया।

वाराणसी। स्थानीय माहेश्वरी परिषद द्वारा होली मिलन समारोह मनोरंजक 'गुस्ताखी माफ़' एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महमूरगंज स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। माहेश्वरी क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज की सभी शाखाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की थीम ''कॉमेडी नाइट्स बचाओ'' एवं एआईबी पर आधारित थी। इस कार्यक्रम में सागर दम्मानी, अक्षय मुंदडा व आशीष सोनी ने बॉलीवुड के विभिन्न हास्य कलाकारों की भूमिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन मुख्य रूप से क्लब के मंत्री आनंद झंवर एवं उपाध्यक्ष रितेश खटोड़ ने किया। इस कार्यक्रम का संयोजन सांस्कृतिक मंत्री प्रतीक मुंदडा, अनुराग सोनी, आशीष सोनी, बालमुकुंद इनानी, सिद्धार्थ मारू व सागर दम्मानी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. मेघराज झंवर, गोवर्धन लाल झंवर, जेठमल चांडक, मथुरालाल राठी, राम दुजारी, कृष्णा कुमार सोमानी, नंदू झंवर, लोकेन्दर करवा, वीरेन्द्र भुराड़िया, श्रीराम चितलांगिया आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

नागपुर। नगर ज्येष्ठ माहेश्वरी सभा का होली मिलन कार्यक्रम महेश भवन गांधी बाग में गत 3 अप्रैल को आयोजित हुआ। प्रारंभ में केसरिया टीके लगाकर पारंपरिक पद्धति से ठंडाई के साथ सब का स्वागत संस्था के सभापति बलदेवदास दुरी एवं सचिव हरप्रसाद भट्टड़ ने किया। प्रमुख अतिथि रामरतन सारडा व रमेश मंत्री थे। हास्य व्यंग्य की प्रस्तुति ओमप्रकाश सोनी ने मारवाड़ी गीतों के साथ दी। वही श्रीलाल राठी ने फाग गीतों की प्रस्तुति दी। सदाबहार मारवाड़ी गीतों की प्रस्तुति गोपाल सादानी एवं विजय पचीसिया ने दी। समाज की 7 वर्ष की भूमिका सुपुत्री पूजा-अमित पचीसिया को कराते नेशनल लेवल में 3 स्वर्ण पदक जीतने और ग्रीन बेल्ट प्राप्त करने पर गोविंदलाल सारडा द्वारा सम्मानित किया गया। गोविंदलाल सारडा, घनश्याम दास पनपालिया, दामोदर तोषणनीवाल, जीवनलाल राठी, गोपालदास राठी, रमनलाल कोठारी, भगवानदास डागा सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

भीलवाड़ा। स्थानीय विजयसिंह पथिक नगर माहेश्वरी समाज संस्थान द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। देवकरण गग्गड़ कार्य समिति सदस्य महासभा, जगदीशप्रसाद सोमानी जिला अध्यक्ष, कैलाशचंद्र कोठारी नगर अध्यक्ष, अनिल बांगड़ उपाध्यक्ष पुष्कर सेवा सदन, देवेंद्र सोमानी नगर मंत्री, राधेश्याम चेचानी प्रदेश कोषाध्यक्ष, ममता मोदानी, सत्यनारायण डाड, दिनेश काबरा, क्षितिज सोमानी जिला अध्यक्ष युवा संगठन, कल्पेश सोमानी नगर अध्यक्ष युवा संगठन, धीरज काबरा सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। मुख्य अतिथि रामपाल सोनी ने होली की सभी को बधाई देते हुए समाज की युवा शक्ति से आधुनिक युग में ई-कॉमर्स के साथ व्यवसाय को बढ़ाने का संदेश दिया। संस्थान के मंत्री ओमप्रकाश काबरा ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार भी वितरित किए गये।

आगरा। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा होली मिलन समारोह गत 20 मार्च को मनाया गया। मुख्य अतिथि जोधराज लड्ढा (कोलकाता) सभापति अभा माहेश्वरी महासभा, विशिष्ट अतिथि श्याम बिड़ला, मेढ़तासिटी, सभापति अभा माहेश्वरी सेवा सदन, सुरेंद्र माहेश्वरी सेवानिवृत्त आयुक्त एवं सचिव थे। छोटे बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस तथा बालक-बालिकाओं द्वारा गीत-संगीत साथ होली के हुड़दंग व घूमर डांस की प्रस्तुति दी गई। इसमें कुंजबिहारी काहल्या, मनोजकुमार दुजारी, राजीव गांधी, महेंद्र डागा, अनिल चांडक, संजय चांडक, संदीप मालीवाल, संजीव सारडा, गोपाल गोदानी, अजय सांवल, पवन गुप्ता, गिरधर राठी, आदि का विशेष सहयोग रहा। उक्त जानकारी सूचना मंत्री मनोज दुजारी ने दी।

अमृतसर। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा होली मिलन समारोह नए खरीदे गए भवन में आयोजित किया गया। सभा अध्यक्ष हर्षवर्धन बिड़ला द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। सह अध्यक्ष पवन साबू, सचिव महेश झँवर, राधेश्याम साबू, विनोद राठी, विमल साबू, अरविंद व आलोक मिंत्री, रमेश गांधी व महिला मंडल की अध्यक्ष अरुणा बिड़ला, सचिव वीणा साबू, संजना गांधी सहित समाज के सभी परिवारों ने भाग लिया। इसके बाद राजस्थानी भोजन दाल-बाटी चूरमा, गट्टे की सब्जी आदि व्यंजनों का सब ने लुफ्त उठाया।

रायपुर। स्थानीय महेश सभा द्वारा गत 20 मार्च को महेश भूमि मोवा पर तिलक होली का आयोजन किया। सभा के सदस्यों द्वारा एक दूसरे को केसर का तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं गई। सभा सदस्यों द्वारा फाग गीतों पर जमकर डांस किया गया। सभी ने ठंडाई व भोजन का लुत्फ उठाया। आयोजन के दौरान सभा के संस्थापक अध्यक्ष मदनलाल राठी, जिलाध्यक्ष जगदीश झंवर, अध्यक्ष जगदीश लाहोटी, सचिव किसन गोपाल करवा, कोषाध्यक्ष किसनलाल राठी आदि मौजूद थे। उक्त जानकारी महेश सभा के सचिव किसन गोपाल करवा ने दी।

नांदुरा। स्थानीय माहेश्वरी मंडल द्वारा होली मिलन कार्यक्रम स्थानीय बालाजी मंदिर में मनाया गया। सर्वप्रथम भगवान महेश एवं श्री बालाजी भगवान की पूजा अर्चना एवं आरती की गई। फिर एक-दूसरे को रंग व गुलाल लगाकार शुभकामनाएं दी गईं। अंत में अल्पाहार एवं ठंडाई के साथ होली मिलन का समापन हुआ। प्रमुख अतिथि अकोला के गोपाल खंडेलवाल थे तालुका अध्यक्ष विट्ठलदास डागा, माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष गिरीराज राठी, सदस्य मनोज राठी, नवल राठी, रामचंद्र नवगजे, किशोर डागा, प्रफुल्ल राठी, विजय हरकुट, सुशील कोठारी, राजकुमार राठी, कमल बापेचा, हरीश कोठारी, अमोल चांडक, धनश्याम मूंदड़ा, रूपेश राठी आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

उदयपुर। महेश सेवा समिति हिरणमगरी द्वारा संस्था भवन में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें समाज के लगभग 800 समाजजनों ने भाग लेकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ स्नेह भोज भी रखा गया। महेश सोसायटी ने भी फागोत्सव की धूम के साथ होली उत्सव मनाया। मुख्य अतिथि डॉ. पीयूष देवपुरा थे।

इंदौर। माहेश्वरी सोशल ग्रुप का फाग महोत्सव श्रीजी वाटिका में संपन्न हुआ। इसमें पूजा पालीवाल एंड ग्रुप द्वारा फाग की प्रस्तुति दी गई। फूलों की होली एवं चंदन टीका से फाग उत्सव मनाया गया। संयोजक सुनील मीना राठी, शरद पूनम सोनी एवं कैलाशचंद्र बिंदु राठी थे। फाग उत्सव के दौरान नाश्ता, ठंडाई, आईसक्रीम एवं भोजन का सभी उपस्थित सदस्यों ने आनंद लिया। अंत में मोहन नीता सोमानी ने सभी का आभार व्यक्त किया। जानकारी प्रचार मंत्री भरत सावित्री भट्टड़ और संपतकुमार राधा साबू ने दी।

रायपुर। स्थानीय माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा विगत दिनों वृंदावन हॉल, सिविल लाईन्स में होली मिलन व पूर्व अध्यक्ष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी युवा मंडल के गठन के वर्ष 1973 से 2015 तक के अध्यक्षों का सम्मान किया गया। कार्यकारणी के सदस्यों द्वारा सभी सदस्यों का चंदन का टीका लगाकर तथा मंडल के प्रसन्ना गट्टानी एवं संजय हरनारायण मोहता द्वारा पूर्व अध्यक्षों का चरण धोकर व प्रतीक चिह्न तथा श्रीफल भेंटकर सम्मान गया। मंच संचालन श्याम बागड़ी, आशीष बागड़ी व कृष्णा लाखोटिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आशीष राठी, राहुल गोदानी, शेखर बागड़ी, प्रतीक लड्डा, सौरभ बागड़ी, सुमीत मूंदड़ा आदि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज समिति पश्चिमी क्षेत्र की ओर से माहेश्वरी भवन कमला नेहरू नगर भवन के सामने स्थित पार्क में होली मिलन समारोह एवं फागोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मेघराज लोहिया अध्यक्ष राजसिको राजस्थान सरकार थे। अध्यक्षता ललित माहेश्वरी एसपी जीआरपी रेलवे जोधपुर ने की। विशेष अतिथि भंवरलाल भूतड़ा अध्यक्ष राजस्थान गवार दाल मैन्यूफेक्चरिंग एसो. जोधपुर थे। इस अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन भी किया गया। अध्यक्ष ओमप्रकाश लाहोटी, उपाध्यक्ष अरुण बंग, सचिव योगेंद्र माहेश्वरी, सहसचिव श्यामसुंदर धूत एवं कोषाध्यक्ष पुखराज फोफलिया को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस चुनाव प्रक्रिया में सर्वसम्मति से 34 सेक्टरों में से 30 में निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस अवसर पर संगीतमय फागोत्सव होली के गीत व नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई।

नागपुर। श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट जूनी रेशम ओली द्वारा राधेश्याम सारडा की अध्यक्षता में होली मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। विशेष अतिथि दयाशंकर तिवारी म.न.पा. नेता सत्ता पक्ष ने हास्य व्यंग्य की रचनाएं प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य रामनिवास परतानी, रामनिवास काबरा, रामकुंवर हुरकट, मोतीलाल बियाणीद्ध सत्यनारायण बंग, दयाशंकर तिवारी, पुनीत पौद्धार (राम मंदिर), ओम सोनी का सत्कार घासीराम मालू, पुखराज बंग, गोविंद गट्टाणी पूनमचंद मालू, बंकटलाल सारडा, राजेश बजाज, चंपालाल मानधना, मधुसुदन सारडा, ओमप्रकाश भंसाली आदि ने किया।

> "सफलता भी फीकी लगती है
> अगर कोई
> बधाई देने वाला न हो
> विफलता भी
> सुन्दर लगती है
> जब कोई
> अपना साथ खड़ा हो।"

3,50,000 से अधिक
पाठकों का साथ

श्री माहेश्वरी टाईम्स

एक प्रयास जो अब बना माहेश्वरी समाज की संस्कृति को सहेजने का एक अभियान

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका
श्री माहेश्वरी टाईम्स
90, Vidya Nagar, Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) 456001
Phone : 0734 - 2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com
sri_maheshwaritimes@yahoo.com

नाम ______ गौत्र ______
जन्म दिनांक ______ व्यवसाय ______
पता ______
______ पिनकोड ______
दूरभाष ______ मो. ______
ई-मेल ______ हस्ताक्षर

सदस्यता प्रपत्र
सदस्यता शुल्क
☐ वार्षिक सदस्य - 350/- रु.
☐ त्रैवार्षिक सदस्य - 800 /- रु.
☐ आजीवन सदस्य - 3100/- रु.
मनीआर्डर/नगद/ड्राफ्ट क्रमांक
बैंक ______ दिनांक ______
कृपया ड्राफ्ट या मनीआर्डर 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के नाम से भेजें। चैक स्वीकार नहीं किए जाएंगे अथवा हमारे पंजाब नेशनल बैंक खाता क्रमांक 0459002100043471 अथवा ICICI बैंक खाता क्र. 030005001198 में अपने शहर में स्थित बैंक की किसी भी शाखा में सदस्यता शुल्क जमा कर सकते है। सीधे सदस्यता शुल्क जमा कर एवं कार्यालय में फार्म भेजकर सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं।
दिनांक ______

ऋषिमुनि का विनम्र प्रयास
Free Registration For Matrimonial ⇨ www.srimaheshwarimelapak.com

तनिष्का का अभिनंदन

कन्नौद। सीबीएसई पैटर्न में कक्षा चौथी की छात्रा तनिष्का-विनोद भूतड़ा ने कक्षा में 100 में से 99 फीसदी अंक प्राप्त कर संपूर्ण क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर तनिष्का को विद्यालय प्रांगण में तहसीलदार कुलदीप पाराशर, नप अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, राधेश्याम जाट, राजकुमार कुंडल आदि की मौजूदगी में प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

मोनिका विवि में द्वितीय

अकोला। समाज की प्रतिभा मोनिका मालपाणी मलकापुर ने मास्टर ऑफ साइंस, बायो-इंफार्मेशन में एम.एस.सी. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करते हुए गाडगे बाबा विवि में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। पेंटिंग एवं रंगोली में रुचि रखने वाली मोनिका वर्तमान में आरएलटी कॉलेज अकोला में पढ़ती हैं।

वैदिका को एक्सीलेंस अवॉर्ड

धामनोद। समाज की प्रतिभावान छात्र वैदिका मूंदड़ा ने कक्षा 3 की परीक्षा 98 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की साथ ही इंटर नेशनल इंग्लिश ओलम्पियाड परीक्षा में गोल्ड मेडल के साथ एक्सीलेंस अवॉर्ड प्राप्त किया। समस्त स्नेहीजनों ने वैदिका की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

नेहा बनी सीएस

उज्जैन। नेहा पति गोपाल सारडा ने सीएस (कंपनी सेक्रेटरी) की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की। अपनी इस सफलता का श्रेय उन्होंने पति एवं माता-पिता रमा-दिनेश मालपानी (उज्जैन) को दिया।

प्रवीण बने सीए-सीएस

ब्यावर। समाज की प्रतिभा प्रवीण सोमानी सुपुत्र कैलाशचंद्र सोमानी ने गत दिनों सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि उन्होंने सीएस की परीक्षा पिछले वर्ष ही उत्तीर्ण कर ली थी। अतः अब प्रवीण सीए/सीएस हो वे मुंबई में जॉब कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्पर्धा में खेलेगी वर्षा

सूरत। समाज सदस्य पुरुषोत्तम व डॉ. आशा मंत्री की सुपुत्री तथा स्व. मन्नालाल-रत्नादेवी मंत्री की पौत्री वर्षा का चयन राष्ट्र स्तर पर आयोजित कैरम स्पर्धा के लिए हुआ है। उल्लेखनीय है कि वर्षा ने कैरम स्पर्धा में जिला स्तर पर प्रथम तथा राज्य स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

> समझ न आया
> ए जिंदगी तेरा फलसफा
> एक तरफ कहती है
> सबर का फल मीठा होता है
> और दूसरी तरफ कहती है
> वक्त किसी का इंतजार नहीं करता

मिलन ने किया एमबीबीएस

उज्जैन। समाज सदस्य दिलीप झंवर की सुपुत्री मिलन झंवर ने एम.एस.जी. कॉलेज से एम.बी.बी.एस. पूर्ण किया, मिलन प्रारम्भ से ही मेधावी छात्रा रही हैं, साथ ही अच्छी लेखिका भी हैं।

आशय राष्ट्रीय प्रतिभा खोज में सफल

आशय बियाणी ने राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में सफलता प्राप्त की। उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालयीन स्तर पर सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित स्कॉलरशिप यह परीक्षा है। आशय आनंद-नम्रता बियाणी के सुपुत्र, डॉ आर.डी. बियाणी के सुपौत्र एवं सूरजनारायण-ललिता मालपानी के दोहित्र हैं।

20 वर्ष की आयु में सीए-सीएस बने आदित्य

सूरत। समाज की प्रतिभा आदित्य सुपुत्र महेश झंवर ने सीए की परीक्षा मात्र 20 वर्ष की आयु में उत्तीर्ण कर कीर्तिमान बनाया है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने सीएस की परीक्षा भी मात्र 18 वर्ष की आयु में ही उत्तीर्ण कर ली थी। अभी वे सीएमए की पढ़ाई के साथ केट की तैयारी भी कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर स्थानीय माहेश्वरी सभा ने आदित्य का सम्मान किया।

संत आशीर्वाद से मनाई विवाह की 50वीं वर्षगांठ

जयपुर। इंद्रप्रस्थ और हरियाणा पीठाधीश्वर श्री पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने जयपुर पधारकर माहेश्वरी समाज जयपुर के अध्यक्ष बालकिशन सोमानी एवं उनकी धर्मपत्नी रमाकांत सोमानी की शादी की 50वीं वर्षगांठ पर उन्हें शॉल-श्रीफल व माला पहनाकर आशीर्वाद दिया। जयपुर के आराध्यदेव गोविंददेवजी मंदिर के आचार्य अंजनीकुमार गोस्वामी व खोले के हनुमान मंदिर के अध्यक्ष गिरधारीलाल शर्मा ने भी सोमानी दंपती को तिलक लगाकर व शॉल ओढ़ाकर आशीर्वाद दिया।

रांदड़ जिला अध्यक्ष मनोनीत

मकराना। समाज सदस्य सुनीता विनोद रांदड़ को भाजपा महिला मोर्चा नागौर का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनानी ने श्रीमती रांदड़ का मनोनयन किया। श्रीमती रांदड़ भाजपा में जिला संयोजक मंडल अध्यक्ष रह चुकी हैं। वर्तमान में मध्य राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन की प्रदेश महामंत्री भी हैं।

परम्परानुसार समस्त सन्यासी अखाड़ों द्वारा भव्य पेशवाई निकाली गई। इसमें उनके आराध्य देव की प्रतिमा व धर्म ध्वजा भी शामिल थी। इन धर्म ध्वजाओं की स्थापना के साथ सिंहस्थ महाकुंभ में संत-महात्माओं का औपचारिक आगमन हो गया। परम्परानुसार धर्मध्वजा लेकर रमता पंच विभिन्न अखाड़ों में पहुंचे। आईये जानें, इन भव्य पेशवाइयों का आंखों देखा हाल....।

अखाड़ों की भव्य पेशवाई के साथ हुआ सिंहस्थ महाकुम्भ का शुभारम्भ

श्री दशनाम जूना अखाड़ा

श्री हरिगिरीजी

सदी के दूसरे सिंहस्थ का आगाज गत 5 अप्रैल को निकाली गई श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े की पेशवाई से हुआ। सिंहस्थ 2016 की इस पहली पेशवाई में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान अपनी धर्मपत्नी श्रीमती साधनासिंह चौहान के साथ शामिल हुए। यह इस सिंहस्थ की प्रथम पेशवाई थी। पेशवाई का शुभारंभ नीलगंगा चौराहे से प्रातः 11 बजे हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री सिंह ने सपत्निक आचार्य महामंडलेश्वर श्री अवधेशानंद गिरीजी महाराज, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री नरेंद्र गिरीजी, जूना अखाड़े के संरक्षक श्री हरिगिरीजी, महामंडलेश्वर श्री पायलट बाबा, श्रीमहंत गोल्डनगिरिजी महाराज सहित अन्य उपस्थित महामंडलेश्वरों, श्रीमहंतों से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नीलगंगा स्थित जूना अखाड़े के पड़ाव स्थल पर पूजा अर्चना की और जूना अखाड़े के प्रस्तावित पांच मंजिला भवन के मॉडल का अवलोकन किया। पेशवाई निर्धारित मार्ग से होती हुई जूना अखाड़े की सिंहस्थ छावनी में पहुंचकर सम्पन्न हुईं। मुख्यमंत्री ने मयूर रथ पर सवार आचार्य महामंडलेश्वर श्री अवधेशानंद गिरीजी महाराज के साथ रथ पर सवार होकर नीलगंगा से पेशवाई में शामिल हुए और श्रद्धालुओं का अभिवादन किया।

धर्ममय हुए श्रद्धालुओं के मन

इस भव्य पेशवाई में सबसे आगे अखाड़े की ध्वजा लिए साधु, संत चल रहे थे। जूना अखाड़ा की इस भव्य पेशवाई में जहां हजारों साधु संतों, महात्माओं, श्री महंतों और महामंडलेश्वरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैंडबाजों पर बजाई जा रहे धार्मिक भजनों से वातावरण एवं उज्जैन शहर धर्ममय हो गया। साधुओं द्वारा बजाए गए शंख की ध्वनि से ऐसा

मानवता को मार्ग दिखाता है सिंहस्थ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि भौतिकता की अग्नि में दग्ध मानवता को सिंहस्थ एक नया मार्ग दिखायेगा। यहां आयोजित होने वाले वैचारिक कुंभ में साधु-सन्त विश्वकल्याण के लिये सन्देश देंगे। वैचारिक कुंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी इसमें शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'बिन सन्तसंग विवेक न होई' और सन्तों के दर्शन महाकाल की कृपा के बिना नहीं हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तेरह अखाड़ों के श्रीमहन्तों के दर्शन एवं आशीर्वाद से उनका जीवन धन्य हो गया है।

इतिहास का स्वर्णिम पृष्ठ है पेशवाई

सन्यासी अखाड़ों की स्थापना आदि शंकराचार्य द्वारा धर्म की रक्षा के लिये हुई थी। इनके सन्यासी तंत्र-मंत्र में तो पारंगत थे ही, साथ ही अस्त्र-शस्त्र में भी अत्यंत कुशल थे। इतिहास गवाह है कि जब भी विदेशी आक्रमणकारियों का खतरा मंडराया और शासकों ने अपने आपको असहाय पाया, तो उन्होंने इन अखाड़ों की सहायता मांगी। अतः अखाड़ों के संत योद्धाओं ने कई भीषणतम् युद्ध किये और शत्रुओं को धूल चटा दी।

प्रतीत हो रहा था जैसे सिंहस्थ का आगाज इस शंखनाद के साथ हो गया है। पेशवाई में भगवान शिवशंकर की वेशभूषा में हाथ में त्रिशूल लिए एक साधु तांडव नृत्य करते हुए तो, वहीं नृत्य करते हुए अपनी ऊंगली पर थाली घुमाकर उसे उछालते हुए एक साधु भी पेशवाई में श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे।

साधु-संत बने आकर्षण का केंद्र

बैंडबाजों की धुन पर थिरकते हुए हजारों नागा साधु नृत्य एवं अस्त्र, शस्त्र के करतब दिखाते हुए चल रहे थे। पेशवाई में एक ओर जहां प्रशिक्षित घोड़े नृत्य, करतब दिखा रहे थे वहीं साधु संत भी विभिन्न अस्त्रों, शस्त्रों के करतब दिखा रहे थे। इस भव्य पेशवाई में साधु संत शंखनाद करते हुए उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पेशवाई को देखने के लिए पेशवाई मार्ग पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पेशवाई में 2 हाथी, 20 घोड़े, दो ऊंट, 8 बैंड और पांच बग्घियां शामिल हुई। इन बग्घियों पर महामंडलेश्वर विराजित थे। अनेकों नागा साधुओं ने पेशवाई में शामिल होकर तलवार त्रिशूल एवं अन्य शस्त्रों के साथ आकर्षक एवं आश्चर्यजनक करतब प्रस्तुत किए।

आवाहन अखाड़ा

सिंहस्थ मेले में आए श्री पंचदशनाम आवाहन अखाड़े ने रविवार 10 अप्रैल को पेशवाई के साथ सदावल मार्ग स्थित छावनी में प्रवेश किया। अखाड़े के सभी धार्मिक आयोजन छावनी में अखाड़े के देव सिद्ध गणेश और भाला निशान के पास ही होते हैं। पेशवाई में 25 रथ, 2 हाथी, 25 घोड़े, 9 ऊँट, 8 बैंड का लाव-लश्कर शामिल था। पेशवाई करीब 8 किमी का मार्ग तय कर 5 घंटे में छावनी पहुँची। आवाहन अखाड़े की पेशवाई के बाद छावनी में स्थापित देव सिद्ध गणेश और निशान भाले की स्थापना के बाद रमता पंच की पुकार में आचार्य महामंडलेश्वर शिवेंद्र पुरीजी महाराज ने 1 लाख 11 हजार रुपए महामंडलेश्वर कृष्णानंदजी ने 1 लाख 5 हजार, 1 सौ रुपए की घोषणा की। उज्जैन के महामंडलेश्वर अतुलेश्वरानंद (आचार्य शेखर) 61 हजार रुपए की घोषणा कर तीसरे नंबर पर रहे।

ये संत थे शामिल

आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर शिवेंद्र पुरीजी महाराज एसी बग्घी में सवार थे। उनके पीछे महामंडलेश्वर कृष्णानंदजी, बाल योगेश्वरनानंदजी, अतुलेश्वरानंदजी, शिवेश गिरिजी, भोला गिरि बापू, श्रीमहंत भारद्वाज गिरि, जगदीशानंदजी, नीलकंठ गिरि, आर्भय गिरि, ओंकारानंद सरस्वती, सोम गिरि, हितेषी बाबा, दयानाथजी, सूरज गिरि, ओम गिरि व अन्य साधु-संतों के रथ थे। हाथी पर गणेश गिरि व राजेंद्र गिरि सवार थे। भाला निशान मंगलानंद गिरि व देव गिरि लेकर चल रहे थे।

121 फीट लंबी अगरबत्ती प्रज्वलित

आवाहन अखाड़ा की पेशवाई के साथ अखाड़े के बड़नगर रोड स्थित पांडाल में 121 फीट लंबी अगरबत्ती प्रज्ज्वलित कर दी गई। यह अगरबत्ती इको फ्रेंडली व आयुर्वेदिक मसाले से बनी हुई है, जिससे वातावरण शुद्ध होगा। इस अगरबत्ती को संत भोला गिरि वडोदरा से लेकर आये हैं।

श्री निरंजनी अखाड़ा

अवंतिका नगरी में 11 अप्रैल को संतों का वैभव देखने को मिला 11 हाथी, 9 ऊँट, 65 घोड़े और 16 बैंड बाजों के साथ श्री तपोनिधि निरंजनी अखाडे की पेशवाई भव्य तरीके से निकली। करीब तीन किमी लंबी पेशवाई में अखाड़े के निरंजन पीठाधीश्वर, 20 महामंडलेश्वर, 22 श्रीमहंत और नागा साधु सजधज कर रथ और घोड़े पर सवार थे। पेशवाई जिस राह से गुजरी देखने वाले वहीं ठिठक गए। रास्ते भर हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। पेशवाई के अनूठे स्वरूप को देखने के लिए खुद मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान भी सपत्निक पहुंचे थे। श्री तपोनिधि निरंजनी अखाड़े की पेशवाई सुबह 9 बजे चारधाम मंदिर से हुई। निशान भाला (दत्तप्रकाश) और ईष्ट देवता श्री दत्तात्रेय भगवान के तीन विशाल निशान ध्वज पेशवाई में सबसे आगे थे। श्रीमहंत डोंगरगिरि महारजा अपने कंधे पर निशान रखकर आगे चलते रहे। इनके पीछे 60 घोड़ों पर नागा सन्यासी की फौज हाथों में त्रिशूल लेकर और करीब 50 अन्य नागा संन्यासी हाथों में शस्त्र लिए चल रहे थे। अखाड़े के सचिव महंत नरेंद्रगिरि महाराज, मेला प्रबंधक महंत रवींद्रपुरी महाराज, सचिव महंत आशीषगिरि महाराज चांदी की पालकी में विराजित ईष्ट देवता को पहरा देते हुए चलते नजर आए। इनके पीछे हाथी पर अखाड़े के कोठारी, ऊँट, बैंड-बाजों के साथ वरिष्ठता के आधार पर चांदी के हौदे पर अखाड़े के महामंडलेश्वर और श्रीमहंत बैठे नजर आए। बैंड की धुनों पर महामंडलेश्वर के भक्तगण कीर्तन करते देखे गए। देवास गेट चौराह से अखाड़े के आराध्य देवता भगवान हनुमान की विशाल प्रतिमा और शस्त्रों से प्रदर्शन करते अखाड़े पेशवाई में सम्मिलित हुए। दौलतगंज चौराह पर जूना अखाड़े के मुख्य संरक्षक श्रीमहंत हरिगिरि, वैष्णव संप्रदाय के निर्मोही अखाड़े के श्रीमहंत राजेंद्रदास पेशवाई में शामिल हुए।

ये महामंडलेश्वर शामिल

पेशवाई में सबसे आगे तपोनिधि निरंजनी पीठाधीश्वर स्वामी पुण्यानंदगिरि महाराज और इनके पीछे महामंडलेश्वर बालकानंदगिरि, स्वामी सोमेश्वरानंदगिरि, जगदीशसागर, शांतिस्वरूपानंदगिरि, प्रेमानंदगिरि, साध्वी आनंदमयीपुरी, सोमेश्वानंद सरस्वती, महेशानंदगिरि, हरिओमपुरी, शाश्वतानंदगिरि, विद्यानंदगिरि, चिन्मयानंदगिरि सरस्वती, ललितानंदगिरि, गंगोत्री माता (फ्रांस), स्वामी अनन्तानंद, रमेशानंद, साध्वी प्रेमलतागिरि, गजानंदगिरि, नित्यानंदगिरि, विद्यानंदगिरि सहित अन्य श्रीमहंत और नागा साधुओं की फौज थी।

कला के भी दिखे नजारे

पूरा पेशवाई मार्ग और उज्जैन शहर धर्ममय नजर आ रहा था वहीं पेशवाई में राधा-कृष्ण, ब्रम्हा, विष्णु, महेश की वेशभूषा में शामिल कलाकार भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। कई श्रद्धालुओं ने इन कलाकारों के साथ सेल्फी भी ली और मीडियाकर्मियों ने भी उनकी तस्वीरें लेकर अपने कैमरे में कैद किया। सिंहस्थ-2016 की यह तीसरी पेशवाई चारधाम से प्रारंभ होकर हरिफाटक चौथी भुजा इन्दौरगेट, देवासगेट, मालीपुरा, दौलतगंज चौराहा, नईसडक, कंठाल से सतीगेट, छत्रीचौक, गोपाल मंदिर, ढाबा रोड, छोटी रपट होते हुए बड़नगर रोड स्थित श्री निरंजनी अखाड़ा पंचायती की छावनी में प्रवेश कर गई।

श्री आनंद अखाडा

श्री आनंद अखाड़ा पंचायती की पेशवाई 15 अप्रैल शुक्रवार को नीलगंगा पड़ाव स्थल से प्रारंभ हुई। प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह, संभागायुक्त डॉ. रवींद्र पस्तौर कलेक्टर कवींद्र कियावत ने नीलगंगा पड़ाव स्थल पर जाकर साधु संतों श्री महंतों एवं महामंडलेश्वरो से आशीर्वाद प्राप्त किया। आनंद अखाड़े के पड़ाव स्थल नील गंगा पर इष्टदेव भगवान सूर्यनारायण

एवं भालानिशान की पूजा अर्चना के बाद पेशवाई प्रारंभ हुई। पेशवाई में सबसे आगे चांदी का त्रिशूल व अखाड़े की ध्वजा लिए साधु संत चल रहे थे, उनके पीछे भगवान सूर्यनारायण देव को चॉदी की पालकी में सवार कर नागा साधु उठाये चल रहे थे। इसके बाद सफेद घोड़ों पर नागा साधु बैठे हुए जय-जय महाकाल का उदघोष कर रहे थे। इनके पीछे - पीछे नागा साधुओं का दल अस्त्र शस्त्र लिए करतब दिखाता हुआ चल रहा था।

ये थे पेशवाई में शामिल

पेशवाई में नागा सन्यासियो के पीछे रथ में सबसे आगे आनंद अखाडा पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर श्री गहनानंद गिरी जी श्रद्धालुओं को आर्शीवाद देते चल रहे तत्पश्चात महामंडलेश्वर सुरेंद्र गिरी जी, श्री महंत रवींद्र पुरी जी महामंडलेश्वर विष्णु चैतन्य तीर्थ श्री महंत ललितानंद गिरी जी,श्री महंत शांतिपुरी जी, श्री गंगापुरी जी स्वामीनारादानंद सरस्वती एवं श्रीमहंत कालू गिरी जी रथ पर सवार होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दे रहे थे। पेशवाई में तीन महिला महामंडलेश्वर भी हौदे पर विराजित होकर श्रद्धालुओं को आर्शीवाद प्रदान कर रही थी। पेशवाई में दो हाथी, सात घोड़े, 21 रथ एवं रथ एवं 11 बेण्ड शामिल थे। इस अवसर पर श्रीमंहत धनराज गिरी, श्रीमहंत जगदीश गिरी, श्रीमहंत सागरानंद, श्रीमहंत प्रकाशपुरी जी श्रद्धालु भी उपस्थित थे। पेशवाई में शामिल विदेशी श्रद्धालु का दल भी आकर्षण का केंद्र रहा पेशवाई में तोप से फूलों वर्षा की जा रही थी। पेशवाई में 11 बैंड धार्मिक धुनों की स्वर लहरियां बिखेर रहे थे। पेशवाई को देखने हजारों श्रद्धालुओ की भीड़ सडक के दोनो ओर खडे होकर साधु-संतों का अभिवादन कर आर्शीवाद प्राप्त कर रहे थे। पेशवाई ने हनुमानबाग से अखाड़े की सिंहस्थ छावनी में प्रवेश किया।

श्री नया उदासीन अखाड़ा

श्री नया उदासीन अखाड़ा की पेशवाई गत 17 अप्रैल को निकली। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति हुई। पेशवाई मार्ग के दोनों ओर हजारों श्रद्धालुओं ने पेशवाई में शामिल महामण्डलेश्वरों, श्री महन्तों एवं सन्यासी पर पुष्पवर्षा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। नीलगंगा पड़ाव स्थल से श्री चंद्रदेव भगवान, गुरूसंगत साहेब सच्चीदाड़ी के पूजन अर्चन एवं प्रसादी वितरण के बाद पेशवाई प्रारम्भ हुई।

इस तरह निकला जुलूस

पेशवाई में सबसे आगे ध्वजा लिये साधु सन्यासी चल रहे थे। उनके पीछे दो हाथी, सात घोड़े और सिर पर कलश लिये सैकड़ों महिलायें चल रही थी। घोड़ों पर अखाड़ें के साधु विराजित थे। उनके पीछे इष्टदेव श्री चंद्रदेव जी व गुरूसंगत साहेब सच्चीदाड़ी जी का रथ चल रहा था। पेशवाई में 2 हाथी, 10 बेंड, 26 रथ, 12 घोड़े शामिल थे। पेशवाई ढोल-ढमाकों और बेंड-बाजों द्वारा बिखेरी गई धार्मिक स्वलहरियों के साथ नीलगंगा पंडाव से प्रारम्भ होकर निर्धारित मार्ग से होती हुई बड़नगर रोड स्थित अखाड़े की छावनी में प्रवेश कर पूरी हुई। नया उदासीन अखाड़ा की इस भव्य पेशवाई को देखने सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। पेशवाई का जगह-जगह विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं ने पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत किया।

ये थे शामिल

पेशवाई में महामण्डलेश्वर स्वामी गोपालदास, उदासीन स्वामी सुरेन्द्रमुनीजी, महामण्डलेश्वर सुरेशमुनिजी, महामण्डलेश्वर स्वामी संतानंद उदासीन, स्वामी प्रकाशचंद्र, स्वामी ऋषिराज, स्वामी श्री महन्त निर्भयदास जी, ओमप्रकाशदास जी, गोपालदास जी एवं संतोषदास जी

रथ पर विराजित होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान कर रहे थे। प्रभारी मंत्री भूपेन्द्रसिंह, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेन्द्रगिरिजी, महासचिव हरिगिरिजी, अखाड़ा प्रमुख धूनीदास जी, भगतरामजी, त्रिवेणीदास जी, संभागायुक्त डॉ.रवीन्द्र पस्तोर, कलेक्टर कवीन्द्र कियावत ने भी पेशवाई में शामिल होकर साधु-संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा

अखाड़ों की पेशवाइयों के क्रम में गत 18 अप्रैल को श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े की पेशवाई निकाली गई। इस भव्य पेशवाई का रास्ते भर उज्जैन के नागरिकों ने पुष्पवर्षा से स्थान-स्थान पर स्वागत अभिनन्दन किया। पेशवाई में आगे-आगे हाथी, घोड़े, ऊंट चल रहे थे जिन पर सवार नागा साधु नागरिकों से अभिनन्दन स्वीकार कर रहे थे। क्षीरसागर स्थित मानस भवन से निर्वाणी अखाड़ा की पेशवाई प्रारंभ हुई। पश्चात नई सड़क, कंठाल, तेलीवाड़ा, अंकपात मार्ग, खाकचौक, सांदीपनि आश्रम के सामने 12 भाई डांडी के शिविर पर समापन हुआ।

ये संत थे शामिल

पेशवाई में महानिर्वाणी अखाड़े के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी विश्वोकानंदजी महाराज, महामण्डलेश्वर सर्वश्री संतोषपुरी गीताभारती जी, शिवचैतन्यपुरी जी, विश्वेशानंदगिरि जी, प्रेमानंदजी, आत्मानंदपुरी जी, कमलानंदगिरि जी, स्वामी दिव्यानंदगिरि जी, अभैद्यानंदगिरि जी, योगानंदसरस्वती जी, रामेश्वरानंदसरस्वती जी, विश्वानत्मनंदगिरि जी, विद्यानंदगिरि जी, प्रणवआनंदसरस्वती जी, स्वामी नित्यानंदगिरि जी आदि साधु-संत सम्मिलित हुए। पेशवाई में बड़ी संख्या में देशी तथा विदेशी शिष्य शामिल थे।

श्रद्धालुओं में रहा उत्साह

इस पेशवाई में शामिल नागरिक तथा शिष्यगण ढोल ताशों पर आनंद निमग्न होकर नृत्यरत थे। बेंड अपनी मधुर स्वरलहरियां बिखेर रहे थे। भजनों पर आनंदविभोर थे। पेशवाई का खास आकर्षण एक लम्बी श्रृंखला में हाथों में छत्र और चँवर लिये हुए शिष्यगण थे। रंग-बिरंगे छत्र एक अलग दृश्य उत्पन्न कर रहे थे। पेशवाई में पैरों में घुंघरू बांधे नृत्य करते घोड़े भी आकर्षण का केन्द्र थे। पेशवाई में महिलाओं की कलश यात्रा भी थी। महिलायें अपने सिर पर कलश धारण किये हुए चल रही थी। इस दौरान फूलों की कई तोपे पेशवाई पर फूल बरसा रही थी। पेशवाई में अटल अखाड़ा भी सम्मिलित हुआ। इस दौरान नागरिक और साधु जयकारे लगाते हुए मस्ती में झूमते हुए चल रहे थे। संत-महन्त फल इत्यादि सामग्री प्रसादी स्वरूप में नागरिकों पर लुटा रहे थे।

विदेशी संतों का आकर्षण

क्रोएशिया के दो महामंडलेश्वर महानिर्वाणी अखाड़े के विदेशी महांडलेश्वर ज्ञानेश्वर पुरी और महामंडलेश्वर स्वामी विवेक पुरी महाराज भी शामिल हुए। यूरोपीय देश क्रोएशिया निवासी दोनों महामंडलेश्वर को इलाहाबाद कुंभ (2013) में पदवी मिली थी। पेशवाई में सभी की निगाहें स्वामी नित्यानंद और उनके विदेशी भक्तों तथा दाती महाराज पर रहीं। पेशवाई में अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर समेत हजारों संत भी शामिल हुए।

श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा

श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा दशनाम बाबा सन्यासी रमता पंच की आज भव्य पेशवाई 19 अप्रैल को नीलगंगा पड़ाव से निकली। पेशवाई प्रारम्भ होने के पूर्व प्रभारी मंत्री भूपेन्द्रसिंह ने श्री महन्त अटल पीठाधीश्वर स्वामी सुखदेवानन्दजी, महामण्डलेश्वर स्वामी महेश्वरानन्द का पुष्पहार से स्वागत किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर तराना विधायक अनिल फिरोजिया ने भी महन्तों का स्वागत किया।

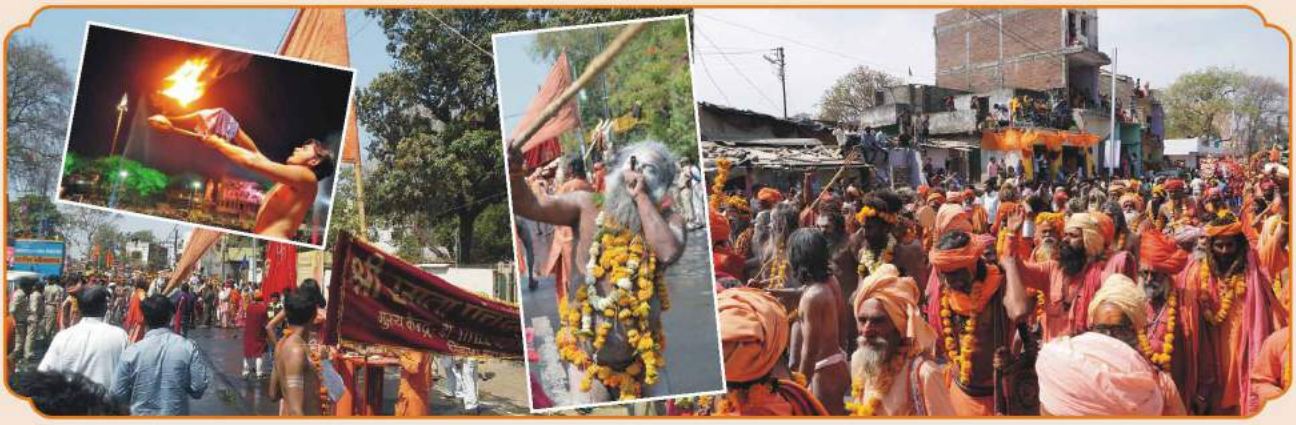

प्रशासन की ओर से विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

ऐसे निकली पेशवाई

19 अप्रेल को ही हनुमंतधाम बेगमपुरा से पेशवाई प्रारंभ हुई। इंदौरगेट, रेलवे स्टेशन, देवासगेट, मालीपुरा, दौलतगंज, नई सड़क, कंङ्गाल, निकास, अंकपात मार्ग, खाकचौक, मंगलनाथ से 80 फीट रोड स्थित ओंकारदासजी महाराज भादोगांव वाले के शिविर में संतों ने प्रवेश किया। निर्वाणी अखाड़ा के श्रीमहंत राजेंद्रदास, श्रीमहंत धर्मदास आदि अखाड़े से जुड़े संत शामिल हुए। डेढ़ किमी लंबी पेशवाई में गुजरात का गरबा नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। पेशवाई स्थल पर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्रगिरी, महासचिव हरिगिरी, कलेक्टर कवींद्र कियावत उपस्थित थे।

विदेशी शिष्य बने आकर्षण

पेशवाई में नागा सन्त एवं महामण्डलेश्वर स्वामी महेश्वरानन्द के विदेशी शिष्य आकर्षण के केन्द्र बने। पेशवाई प्रारम्भ होते ही स्थानीय नागरिकों एवं बाहर से आये श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर पेशवाई का स्वागत किया। पेशवाई में चल रहे दो बैण्ड एवं डीजे ने भजन गाकर भक्तिमय वातावरण बनाया। श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़े की पेशवाई ने नीलगंगा से प्रारम्भ होकर निर्धारित मार्गों से होते हुए छावनी में प्रवेश किया। पेशवाई में महन्त स्वामी प्रेमानन्दजी, स्वामी जयकिशनगिरि, स्वामी रूद्रपुरीजी, स्वामी अनिलपुरीजी, श्रीमहन्त उदयगिरिजी, स्वामी मोहनपुरीजी, गिरिजानन्दपुरीजी रथ में सवार होकर सम्मिलित हुए।

श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा

श्री पंचायती निर्मल अखाड़े की पेशवाई में उज्जैन के फ्रीगंज के गुरुद्वारा भवन पर गुरु ग्रंथ साहेबजी की पूजन अर्चन एवं प्रसादी वितरण के बाद प्रारंभ हुई। पेशवाई में सबसे आगे निर्मल पीठाधीश्वर श्री महंत ज्ञानदेवसिंह जी महाराज रथ पर विराजित थे। उसके बाद आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज, बाबा कश्मीरसिंह धूनीवाले अमृतसर, ठाकुर दिलीपसिंह लुधियाना, स्वामी भक्तानंद नामधारी, संत श्री तेजासिंह, संत भगवंत भजनसिंह जालंधर, संत बाबा तीरथसिंह तुलिया वाले, संत श्री गुरुचरणसिंह, संत मक्खनसिंह होशियारपुर एवं स्वामी श्री भक्तानंद गिरीजी रथ पर सवार होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दे रहे थे।

सनातन परम्परा के दर्शन

प्रभारी मंत्री भूपेंद्रसिंह, विधायक डॉ मोहन यादव एवं इकबालसिंह गांधी ने भी शामिल संतों से पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। पेशवाई निर्धारित मार्गों से होते हुए बड़नगर रोड स्थित अखाड़े की छावनी पहुंची। पेशवाई में 10 बैंड द्वारा बजाई गई धार्मिक स्वरलहरियों से सम्पूर्ण पेशवाई मार्ग धर्ममय हो गया। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु खड़े होकर साधु संतों पर पुष्पवर्षा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे। रथ पर सवार संत भी आशीर्वाद स्वरूप श्रद्धालुओं को फल, चाकलेट एवं टॉफियां बांट रहे थे। पेशवाई में राष्ट्रीय कलचुरी ग्राम का रथ और कार्यकर्ता भी शामिल थे। सबसे आगे धार्मिक धुन पर पांच सफेद घोड़े नृत्य करते हुए पेशवाई में श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। उनके पीछे भगवा वस्त्रों में साधु संत गण अनुशासित होकर कतारबद्ध चल रहे थे। उनके पीछे 12 रथ और बैंड बाजे तथा श्रद्धालुगण चल रहे थे।

दिगंबर अणि अखाड़ा

इसी दिन 19 अप्रैल को सख्याराजे धर्मशाला से दिगंबर अणि अखाड़ा की पेशवाई शुरू हुई। देवासगेट, मालीपुरा, दौलतगंज, नईसड़क, कंठाल, सतीगेट, गोपाल मंदिर, ढाबा रोड, शिप्रा की छोटी

रपट से बड़नगर रोड स्थित रामस्नेही संप्रदाय के संत रामदयालजी महाराज शाहपुरा के शिविर पर समापन हुआ। पेशवाई में रामस्नेही संप्रदाय के संत रामदयालजी महाराज पैदल चले। उनके लिए सड़क पर बिछात बिछाई गई। महाराजजी के अनुयायियों की संख्या अधिक थी। पेशवाई सादगी से निकली। इंदौर का बैंड आकर्षण का केंद्र रहा। संत ध्वज निशान थामे चलरहे थे। रामस्नेही संप्रदाय के संत रामदयालजी महाराज, दिगंबर अखाड़ा के श्रीमहंत कृष्णदास सहित अणि अखाड़ों से जुड़े संत शामिल हुए।

निर्वाणी अखाड़ा

क्षीरसागर स्थित मानस भवन से निर्वाणी अखाड़ा की पेशवाई प्रारंभ हुई। पश्चात नई सड़क, कंङ्गाल, तेलीवाड़ा, अंकपात मार्ग, खाकचौक, सांदीपनि आश्रम के सामने 12 भाई डांडी के शिविर पर समापन हुआ। पेशवाई में संत ओंकारदासजी महाराज के साथ निर्वाणी के श्रीमहंत धर्मदासजी महाराज, श्रीमहंत राजेंद्रदासजी, राधे-राधे बाबा, रामकिशनदासजी, कौशलकिशोरदासजी सहित अणि के संत-महंत मौजूद थे।

निर्मोही अणि अखाड़ा

19 अप्रेल को ही हनुमंतधाम बेगमपुरा से पेशवाई प्रारंभ हुई। इंदौरगेट, रेलवे स्टेशन, देवासगेट, मालीपुरा, दौलतगंज, नई सड़क, कंठाल, निकास, अंकपात मार्ग, खाकचौक, मंगलनाथ से 80 फीट रोड स्थित ओंकारदासजी महाराज भादोगांव वाले के शिविर में संतों ने प्रवेश किया। निर्वाणी अखाड़ा के श्रीमहंत राजेंद्रदास, श्रीमहंत धर्मदास आदि अखाड़ों से जुड़े संत शामिल हुए। डेढ़ किमी लंबी पेशवाई में गुजरात का गरबा नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। पेशवाई स्थलपर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्रगिरी, महासचिव हरिगिरी, कलेक्टर कवींद्र कियावत उपस्थित थे।

श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा

श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा उज्जैन की पेशवाई गत 20 अप्रैल को शिवाजी पार्क फ्रीगंज स्थित उदासीन अखाड़े के आश्रम से इष्ट देव उदासीनाचार्य भगवान श्री चंद्रदेव की पूजा अर्चना एवं प्रसादी वितरण के बाद पेशवाई प्रारंभ हुई। पेशवाई में जनप्रतिनिधियों तथा संभागायुक्त डॉ. रवींद्र पस्तौर ने भी अलखमेहर धाम पहुंचकर पेशवाई में शामिल महामंडलेश्वर व श्री महंतों से भेंटकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस भव्य पेशवाई में सड़क के दोनों ओर हजारों श्रद्धालुओं ने उदासीन संप्रदाय के साधु संतों के दर्शन कर उनपर पुष्पवर्षा की। पेशवाई में शामिल आठ बैंड मधुर धार्मिक स्वरलहरियां बिखेर रहे थे। पंजाबी भंगड़ा लोक नृत्य और पंजाबी बैंड भी लोगों को आकर्षित कर रहा था। पेशवाई निर्धारित मार्गों से होते हुए श्री चंद्र धर्मशाला दानीगेट से छोटी रपट होते हुए नदी दरवाजा उज्जैन पहुंची। पेशवाई मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संगठनों ने पुष्पवर्षा कर साधु संतों का स्वागत किया।

ऐसा भव्य स्वरूप

पांच घोड़े, दो हाथी और दो ऊंट तथा आठ बैंड, चार ढोल पार्टी ने भी अपनी प्रस्तुति से पेशवाई में चार चांद लगा दिए। भव्य पेशवाई में 25 आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इनमें माता दुर्गा भारत माता, भगवान शिव पार्वती, समुद्र-मंथन, भगवान विष्णु लक्ष्मी सहित अन्य देवी देवताओं की झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। पेशवाई में सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश लिए भजन गाते हुए चल रही थीं। पेशवाई में सबसे आगे ध्वजा लिए साधु संत चल रहे थे। उसके पीछे

भगवान चंद्रदेव पालकी में सवार थे। उनके पीछे पांच सफेद घोड़े पर सवार साधु संत चल रहे थे। पेशवाई में भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिली। राजस्थानी, गुजराती, पंजाबी लोक कलाकार अपनी वेशभूषाओं में ढोल ढमाकों के साथ आकर्षक लोकनृत्य करते हुए चल रहे थे। पेशवाई में विभिन्न स्वांग धारी कलाकार भगवान शिव शंकर, भगवान विष्णु, हनुमान जी, राधाकृष्ण एवं अन्य देवी देवताओं का रूप लिए हुए शामिल हुए।

ये संत-महंत थे शामिल

पेशवाई में महामंडलेश्वर श्री गुरु शरणानंद जी, पीठाधीश्वर सुमश मुनिजी श्री महंत धर्मप्रकाश जी, पीठाधीश्वर महंत श्री दिव्यांबर मुनि, महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश दास जी, श्रीमंत प्रकाश पुरी जी, महंत स्वामी आत्मदास जी उदासीन, महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनिजी हरिद्वार, श्रीमहंत हंसरामजी भीलवाड़ा, सिद्धबाबा इंद्रदास जी पंजाब, स्वामी ब्रजानंद अवधूत उज्जैन, श्री महंत विवेकशाह जी दिल्ली, महामंडलेश्वर संतोषानंद जी, स्वामी राघवानंदजी, श्रीमंहत श्यामदास जी के साथ ही उदासीन अखाड़े के मुख्य महंत श्री महेश्वरदास जी, श्रीमंहत रघुमुनिजी, श्री महंत दुर्गादास जी, श्रीमहंत संतोष मुनि जी ने भी पेशवाई में शामिल होकर उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़े की पेशवाई

श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़े की पेशवाई 20 अप्रैल शाम 4 बजे देवासगेट सख्याराजे धर्मशाला से निकाली गई। इसमें गोवंश रक्षा का संदेश दिया गया। मोर पंख लिए बालक के साथ एक वृद्ध यह संदेश दे रहा था। देवासगेट, मालीपुरा, नईसड़क, छात्रीचौक, गोपाल मंदिर, दानी गेट, रपट होकर सदावल रोड स्थित छावनी में प्रवेश किया। पेशवाई में संतों का स्कूली शिक्षा मंत्री पारस जैन ने नईसड़क पर स्वागत वंदन किया। छावनी पहुंचने पर ध्वज पूजन कर बोली लगाई गई। बोली लगाने वाले संतों का भी सम्मान किया गया।

देव व निशान लेकर अखाड़ों में पहुंचते हैं रमता पंच

बहता पानी निर्मला, बंधा गदीला होय।
साधुजन रमता भला, दाग न लागे कोय।

दोहे का सार यह है कि साधु अगर रमण कर रहा है तो उसके ऊपर किसी भी प्रकार का दाग नहीं लगेगा। इस दोहे को चरितार्थ करते है रमता पंच, जो कभी-भी लंबे समय तक एक जगह पर नहीं ठहरते। रमता पंच का एक ही उद्देश्य होता है, भ्रमण कर सनातन धर्म का प्रचार। समय काल और परिस्थिति के साथ साधु-संत के आचार व्यवहार में परिवर्तन हुआ है, लेकिन रमता पंच के संत अभी भी सदियों पुरानी परंपरा को निभा रहे है। शैव मत के 7 अखाड़ों के एक लाख संत रमता पंच हैं। शैव संप्रदाय के नागा संन्यासी हमेशा नागा नहीं रहते हैं। रम्मत यानी भ्रमण के समय संत सादे कपड़े में रहते हैं। हालांकि कुंभ मेले में रमता पंच आकाश को अपना घर मान शरीर पर भभूत मलकर दिगंबर स्वरूप में ही रहते हैं। आदि शंकराचार्य ने दशनामी सम्प्रदाय की स्थापना कर धर्म की रक्षा के लिए विभिन्न पंथों में बंटे साधुओं को एक किया। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरी महाराज भी रमता पंच के वरिष्ठ संत है। सनातन परंपरा में ऋतुओं के हिसाब से तत्कालीन राजा-महाराजा संतों को अपने इलाके

में चातुर्मास के लिए बुलाते थे। चार माह बाद राजा संतों को विदाई के रूप में जमीन सहित सोना-चांदी दान के रूप में भेंट करते थे। यही कारण है कि रम्मत करने वाले संतों के पास सबसे अधिक जमीन है। कालांतर में वही संत किसी न किसी अखाड़े के साथ जुड़ गए। रमता पंच शहर में प्रवेश करने पर किसी एक स्थान पर जमा हो जाते हैं। पेशवाई के दिन पंच राजसी ठाठ-बाट के साथ छावनी में प्रवेश करते हैं। रमता पंच पड़ाव स्थल पर ही आराध्य देव के साथ शस्त्र और शास्त्र की आराधना और पूजा करते हैं। ये केवल शैव संप्रदाय के संतों की परंपरा में शामिल हैं।

हनुमत धाम में विराजे हनुमान

पीपलीनाका स्थित श्री गुमानदेव हनुमान मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा निकली। इसमें सबसे आगे कड़ाबीन, भजनों की प्रस्तुति देते बैंड, कीर्तन मंडली, एक हाथी, पांच घोड़े, दो ऊंट, 21 ढोल के साथ अखाड़ा, 10 सायकल रिक्शों पर भगवान के चित्र, ताशा पार्टी, पालकी में हनुमानजी के साथ खुली जीप में सवार जीवन प्रबंधक गुरु पं. विजयशंकर मेहमा भक्तों का अभिवादन स्वीकारते हुए निकले। यात्रा विभिन्न मार्गों से होकर हनुमतधाम पर समा(त हुई। हनुमान प्रतिमा की स्थापना के पश्चात हनुमान चालीसा पाठ व भंडार हुआ। यात्रा में ज्योतिषाचार्य पं. श्यामनारायण व्यास, शिवनारायण मूंदड़ा, पुष्कर बाहेती, दिनेश रावल, योगेश कर्नावट, राकेश शर्मा, रमेश राय, सहित सैकड़ों समाजजन व पंडितजी के अनुयायी गले में मोतियों की माला और दुपट्टे डाले चल रहे थे।

आयोजनों पर एक नजर

दिनांक	कथा/कॉन्फ्रेंस	सांस्कृतिक संध्या	स्नान
01 मई	रोल मॉडल हनुमानजी कॉन्फ्रेंस	भजन संध्या-श्री विनोद अग्रवाल	पंचक्रोशी यात्रा
02 मई	श्रीमद् भागवत	भजन संध्या-श्री विनोद अग्रवाल	--
03 मई	श्रीमद् भागवत/ अग्र-भागवत कथा	--	एकादशी
04 मई	श्रीमद् भागवत/ अग्र-भागवत कथा	भजन संध्या-श्री योगेश अग्रवाल	--
05 मई	श्रीमद् भागवत कथा	--	--
06 मई	श्रीमद् भागवत कथा	सुंदरकांड-अलकाश्रीजी	अमावस्या
07 मई	विदेशों में हिंदू कॉन्फ्रेंस	--	--
08 मई	हनुमानजी और नारीशक्ति कॉन्फ्रेंस	--	--
09 मई	श्रीराम कथा	--	**शाही स्नान**
10 मई	श्रीराम कथा	--	--
11 मई	श्रीराम कथा	--	शंक. जयंती
12 मई	श्रीराम कथा	--	--
13 मई	श्रीराम कथा	--	--
14 मई	--	--	--
15 मई	नागर ब्राह्मण समाज कॉन्फ्रेंस	श्री पुनरासर बालाजी ज्योत	वृषभ संक्रांति
16 मई	श्रीमद् भागवत कथा	--	--
17 मई	श्रीमद् भागवत कथा	--	एकादशी
18 मई	श्रीमद् भागवत कथा	पेरेंटिंग वर्कशॉप	--
19 मई	श्रीमद् भागवत कथा	श्री महाकाल महाराज आरती	प्रदोष पर्व
20 मई	श्रीमद् भागवत कथा	--	नृसिंह जयंती
21 मई	**पूर्णाहुति यज्ञ**	--	**शाही स्नान**

ये संत-महंत थे शामिल

पेशवाई में पीठाधीश्वर रामकृष्णनंद, अमरकंटक वाले, महामंडलेश्वर रतनांदजी हरिद्वार, विष्णुदेवीनंदजी हिमाचल, कैलाशनंदजी हरिद्वार, अध्यक्ष श्रीमहंत गोपालनंदजी ब्रह्मचारी, महामंत्री श्री महंत गोविंदानंदजी गादीपति सुदामानंदजी, श्रीमहंत

मुक्तानंदजी आशीर्वाद देते हुए चल रहे थे। रथ पर सवार कनकेश्वरी देवी रास्तेभर लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रही थी। उन्होंने बच्चों को दुलारा व अन्य श्रद्धालुओं को फूल-मालाएं देकर आशीर्वाद दिया। कभी वे हाथ जोड़तीं तो कभी दोनों हाथों को ऊपर उठाकर अभिवानदन स्वीकार करतीं रहीं।

प्रथम बार निकली किन्नर अखाड़े की पेशवाई

इस बाद सिंहस्थ के 13 अखाड़ों के अतिरिक्त किन्नर अखाड़ा भी सिंहस्थ में शामिल हुआ है। वैसे तो इस अखाड़े को अखाड़ा परिषद् ने मान्यता नहीं दी है, इसके बावजूद किन्नरों के सनातन परम्परा में आगमन का प्रशासन सहित सभी ने स्वागत किया है। इसका ही नजारा उनकी 21 अप्रेल को निकली पेशवाई में भी नजर आया। इसे देखने के लिये इतना भारी जन सैलाब उमड़ा की जिसे देखकर प्रशासन और किन्नर दोनों ही हतप्रद रह गये। किन्नर अखाड़े की पेशवाई सुबह 11 बजे दशहरा मैदान से शुरू हुई। जिसमें सादगी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा था। अखाड़े की पेशवाई में पारंपरागत वाद्यों का उपयोग किया

गया है। आयोजकों का कहना है कि पहली बार अखाड़े की पेशवाई निकल रही है इसलिए हम इसके माध्यम से विभिन्न संदेश देना चाहते हैं। पेशवाई में 50 ई-रिक्शा शामिल किए गए हैं पर्यावरण बचाने का संदेश दे रहे हैं। इनके अतिरिक्त कुछ ऊँट और रथ शामिल किये गये थे। किन्नर अखाड़े की पेशवाई दशहरा मैदान से टॉवर होती हुई चामुंडा, देवास गेट, मालीपुरा, तोपखाना, महाकाल से हरसिद्धि होते हुए पुनः दशहरा मैदान पहुंचेगी। पेशवाई में देश के सभी राज्यों से आए 500 से ज्यादा किन्नर शामिल हुए। अखाड़े की ओर से 22 अप्रैल को शाही स्नान के मौके पर देवव्रत यात्रा भी निकाली गई।

अजब-गजब सिंहस्थ

सिंहस्थ महाकुंभ में साधु-संतों के तीन हजार से भी अधिक कैंप लगे हैं। अतः इतने भव्य आयोजन का वर्णन करना तो शब्द सीमा से भी परे है। फिर भी कुछ ऐसे खास नजारे लेकर आये हैं, हम आपके लिये, जो आपको सिंहस्थ महापर्व देखने के लिये विवश कर देंगे।

सिंहस्थ के दौरान उज्जैन में देंगे 1.80 करोड़ के घी से आहुति

अच्छी बारिश और पर्यावरण संरक्षण का दावा करते हुए सिंहस्थ में एक ही यज्ञ के दौरान 45 हजार किलो घी की आहुतियां दी जाएंगी। इसकी कीमत करीब 1.80 करोड़ रुपए है। 22 अप्रैल से शुरू होने वाले 34 दिवसीय इस यज्ञ के लिए इंदौर बायपास सिंहस्थ क्षेत्र में 1 लाख 22 हजार वर्गफीट क्षेत्र में 1008 कुंडीय यज्ञशाला बनाई गई है। यज्ञ का संकल्प अवधूत तांत्रिक महंत स्वामी अरुणगिरी ने लिया है, जो कि पायलट बाबा के शिष्य हैं। आयोजकों का दावा है कि यह सबसे बड़ा यज्ञ होगा। इसमें दो हजार यजमान और एक हजार से अधिक पंडित भाग लेंगे।

कभी कोल इंडिया के निदेशक रहे, अब हैं महातांत्रिक

भारत सरकार की महारत्न कंपनी कोल इंडिया के निदेशक रहे कापालिक महाकाल भैरवानंद सरस्वतीजी अब महातांत्रिक हैं। कापालिक बाबा के वैभव से वैराग्य चुनने की कहानी हतप्रभ करने वाली है। वे एक मात्र ग्लोबल पीस अवार्ड प्राप्त तांत्रिक हैं, जिनका सम्मान राष्ट्रपति भी कर चुके हैं। हैदराबाद की डॉक्टर भुवनेश्वरी उनकी ऑटोबायोग्राफी लिख रही हैं। पंजाब के रट्टेवाल जिले में जन्मे महाकाल भैरवानंद सरस्वती महाकुंभ सिंहस्थ में साधना करने आए हैं। उन्होंने शिप्रा नदी पर कालभैरव पुल के पास अपनी कुटियां बनाई है। उनकी दिवंगत

राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के के. सुदर्शन की कुछ तस्वीरों के साथ भी तस्वीरे हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश की सागर यूनिवर्सिटी से एमएसडब्ल्यू और इंदौर की देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी से एलएलएम किया था। इंजीनियर पिता के कहने पर शादी की, चार बच्चे भी हुए। उनमें से एक डॉक्टर है और दूसरा प्रशासनिक अफसर। जब कोल इंडिया लिमिटेड में निदेशक थे, तब रात 12 बजे ग्रहस्थ आश्रम छोड़कर वैराग्य अपना लिया। करीब 55 साल से श्मशान में कठोर साधना कर रहे है। डॉ. भुवनेश्वरी बताती है कि कापालिक बाबा तीन बार कोमा से बाहर निकल चुके है। उन्होंने 18 क्विंटल जलती लकड़ियों के बीच 13 घंटे लगातार साधना की है। किडनी खराब होने के बावजूद जनकल्याण के लिए तंत्र साधना करने उज्जैन आए हैं। वे शक्तिपीठ कामाख्या मंदिर के साधक है।

वल्लभाचार्य नगर में उमड़ेंगे दो लाख कृष्ण भक्त

सिंहस्थ में अंकपात क्षेत्र स्थित आद्य श्री वल्लभाचार्य नगर में देश-विदेश से करीब दो लाख वैष्णवजन उमड़ेंगे। 23 अप्रैल को दाहोद से ठाकुरजी श्री गोवर्धननाथजी की पधरावनी होगी। एक माह तक भक्तों को ठाकुरजी के विभिन्न मनोरथ के दर्शन होंगे। महाप्रभुजी की बैठक के ट्रस्टी विजय गुप्ता ने बताया शिविर नायक श्री कल्याणरायजी महाराजश्री के सानिध्य में वैष्णव महाकुंभ आयोजित हो रहा है। इसमें शामिल होने के लिए महाराजश्री का भव्य शोभा यात्रा के साथ सपरिवार नगर प्रवेश होगा। शिविर में प्रभु भक्ति के साथ निःशुल्क मेडिकल कैप, योग शिविर जैसे

परमार्थ के कार्य भी होंगे। यहाँ चार मुख्य उत्सव के अन्तर्गत 3 मई को जगदगुरु महाप्रभु श्री वलुभाचार्य का जयंती उत्सव मनाया जाऐगा। 23 अप्रैल को ठाकुरजी की पधरावनी होने के बाद प्रतिदिन मनोरथ के दर्शन होंगे। इनमें फूल बंगला, माखन चोरी, पीली घटा, नंद महोत्सव, कांच का बंगला, पलना, बंगला, श्याम सगाई, ठाकुरजी को चंदन धराना,

सूखे मेवे का बंगला, चंदन चोली, खस का बंगला, हरियाली घटा, गुलाबी घटा मनोरथ के दर्शन कर वैष्णवजन निहाल हो जाएंगे।

पहली बार सूफी संतों का शिविर

सिंहस्थ में पहली बार सूफी संतों का शिविर भी लगा है। इसमें सत्संग और ध्यान से मानसिक बीमारियों को दूर करने का दावा किया जा रहा है। सूफी संत महामंडलेश्वर स्वामी अरुणानंद शाह महाराज ने बताया कि सिंहस्थ में ब्राह्म वाल्मीकि वैष्णव सीताराम पीठ का शिविर लगाया गया है। इसमें ध्यान, सत्संग, चिंतन-मंथन, रामायण पाठ और भोजन प्रसादी रखी गई है। विश्व शांति के लिए हवन-पूजन किया जाएगा। इसमें विदेशों से भी कई लोग शामिल होंगे। लगभग 300 सूफी संत इसमें शामिल हैं।

एक संत जो 'लखटकिया' से नाप रहे पूरा देश

सिंहस्थ में संतों के कई स्वरूप दिखाई दे रहे हैं। कई बार वेशभूषा और आभूषणों से उनकी पहचान होती है। ऐसे ही एक संत है जो 'लखटकिया' में सवार होकर देश नाप रहे है। यही वजह है कि संतों के बीच उनकी पहचान भी "नैनो वाले बाबा" के नाम से ही हो गई है। नीलगंगा स्थित महानिर्वाणी अखाड़े के पंडाल में संत दिगंबर देवचंदपुरी महाराज ठहरे हुए है। उन्होंने वर्ष 2013 में नैनो कार खरीदी थी। तब से लेकर आज तक वे लखटकिया से ही देश को नाप रहे है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश आदि प्रदेशों में अपनी लखटकिया से भ्रमण कर चुके है। वे स्वयं ही गाड़ी ड्राइव करते है और साथी संतों को भी इसकी सवारी करवाते है। वे कहते है कि धर्म के प्रचार-प्रसार में यह कार मानो उनका अंग बन गई हो। उन्होंने बताया कि वे पिछले कुंभ में भी उज्जैन आ चुके है। वर्ष 2001 में उन्होंने संन्यास संस्कार लिया। 12वीं तक संस्कृत में शिक्षा प्राप्त की।

सिर्फ सरयू का जल ही आहार

सिंहस्थ मे अयोध्या से एक ऐसे महामंडलेश्वर भी आए हैं, जो पिछले 30 वर्षों से केवल सरयू नदी का ही पानी पी रहे हैं। महाराज सरयू का पानी नहीं होने पर प्यासे ही रहते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने बोरवेल, कुएं और अन्य जलस्त्रोतों के पानी की परीक्षण कराया। मगर इन सबमें सरयू नदी का पानी सबसे शुद्ध है। महामंडलेश्वर का दावा है कि सरयू का पानी पीने से बीमारी दूर होती है।सरयू भक्त दिगंबर अखाड़े के महामंडलेश्वर सीतारामदास महात्यागी महाराज बताते हैं कि सरयू नदी का जल हल्का व स्वच्छ है, यह पानी पीने से पिछले 30 वर्षों से बीमार नहीं हुआ हूं। महाराज जब अयोध्या में होते हैं तो प्रातः 4 बजे जाकर जानकी घाट, कनक महल पर ही सरयू नदी में स्नान करते हैं।

112 साल से केवल फलाहारी

मंगलनाथ क्षेत्र में 112 साल के एक संत आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कठिन साधना में लीन बाबा सिर्फ फलों का रस और दूध ही ग्रहण करते हैं। बरसों तक मौन साधना करने के कारण लोग इन्हें मौनीबाबा कहकर भी पुकारते हैं। ये हैं महंत रामदासजी। बाबा ने सीतारामदासजी महात्यागी के शिविर में डेरा जमाया है। बाबा के अनुसार 1905 में उनका जन्म उत्तरप्रदेश के आजमगढ़में जमीरपुर के पास कंचनपुर रासेपुर में हुआ था। मन में वैराग्य भाव जागा तो उन्होंने सांसारिक दुनिया से नाता तोड़, प्रभु से रिश्ता जोड़ लिया। बाबा की मुख्य तपस्थली 1, जंतर-मंतर रोड नईदिल्ली है। महंत रामदासजी महाराज भोजन नहीं करते, सिर्फ दूध और फल या फलों का रस ही लेते हैं। इनके सहारे ही वे 112 साल की उम्र में साधना कर रहे हैं।

नित्यानंद का विशाल केम्प

विवादों में घिरे रहे स्वामी नित्यानंद का सिंहस्थ मेला क्षेत्र में सदावल रोड पर कैंप लग चुका है। उन्हें 4 लाख वर्ग फीट जमीन आवंटित हुई है। यह सिंहस्थ का सबसे बड़ा आवासीय कैंप माना जा रहा है। मेला अवधि में 5 हजार लोग स्थायी तौर पर कैंप में रहेंगे। वहीं बाहर से आने वाले लोगों की अलग से ठहरने की व्यवस्था की जाएगी। कैंप में विभिन्न देशों के मेयर भी शामिल होंगे। स्वामी नित्यानंद का सदावल रोड पर कैंप लगा है। प्रवचन के लिए एसी हॉल तैयार किया गया है। शिव-पार्वती की पंच धातु से निर्मित करीब 12 फीट की मूर्ति कैंप में लगी है। मूर्ति करीब पांच टन वजनी रहेगी। सिंहस्थ का यह सबसे बड़ा आवासीय कैंपस होगा। लगभग 50 देशों से लोग स्वामीजी के कैंप में आएंगे। केम्प से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वामीजी के बेंगलुरु आश्रम से 100 बच्चे आ रहे हैं, जो सिर्फ लोगों को देखकर ही यह बता देंगे की उन्हें क्या बीमारी है। इसके साथ कैंप में 24 घंटे अन्नक्षेत्र चलेगा, जिसमें सिर्फ दक्षिण भारतीय व्यंजन ही परोसा जाएगा। भोजन बनाने के लिए साउथ से पूरी टीम बुलाई गई है।

13 अखाड़ों ने किया रामनवमी पर कन्या पूजन

प्राचीन नीलगंगा सरोवर पर श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा द्वारा रामनवमी पर एक नई परंपरा का शुभारंभ किया गया। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा घाट नीलगंगा पर 13 अखाड़ों ने मिलकर रामनवमी का स्नान कर सामूहिक रूप से कन्या पूजन किया एवं यहां आयोजित विशाल भंडारे में शामिल हुए। रामनवमी के शुभ अवसर पर नीलगंगा सरोवर स्थित श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा घाट पर सुबह 13 अखाड़ों ने मिलकर सामूहिक स्नान किया। स्नान के बाद अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत नरेन्द्रगिरीजी महाराज और महामंत्री श्रीमहंत हरिगिरीजी महाराज ने जूना अखाड़ा घाट पर आयोजित कन्या भोज में कन्याओं का पूजन किया। पूजन के पश्चात श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े द्वारा आयोजित विशाल कन्या पूजन और भंडारे में शामिल हुए। घाट पर सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक सतत भंडारा चलता रहा। भंडारे में श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के उपाध्यक्ष प्रेमगिरी महाराज, मंत्री नारायणगिरी महाराज, परशुरामगिरी महाराज, उमाशंकर भारती, थानापति रामेश्वर गिरी सहित अखाड़े के पदाधिकारी लगे हुए थे।

पेरिस से आया 12 लोगों का दल

सिंहस्थ में भाग लेने के लिए फ्रांस की राजधानी पेरिस से 12 सदस्यों का दल आया है। इसके सदस्य जॉर्ज सुआक ने बताया कि जब से हमें इस महाकुंभ की सूचना मिली थी, तभी से हमें इसका इंतजार था। विशालजन सैलाब देखना, साधुओं के दर्शन, सत्संग व उनके फोटो खिंचना उत्साहवर्धक रहा।

हरी मिर्ची खाने वाले बाबा

सिंहस्थ में जम्मू-कश्मीर से एक महामंडलेश्वर ऐसे भी आए हैं, जिन्होंने जीवन के 25 साल सिर्फ हरी मिर्च खाकर बिताए हैं। इस दौरान उन्होंने मां बगलामुखी, मां काली और हनुमान की साधना की। ये हैं दिगंबर अखाड़े के महामंडलेश्वर महंत 1008 रघुवीरदास महात्यागी। बाबा ने बताया कि उन्होंने 5 सालकी उम्र में संन्यास ले लिया था। इसके बाद 25 साल सिर्फ हरी मिर्च खाकर साधना की। उन्होंने कहा कि वे अब अन्य चीजें भी ग्रहण कर लेते है, मगर हरी मिर्च खाने का शौक बरकरार है। वे अब भी प्रतिदिन 100 ग्राम हरी मिर्च खाते हैं।

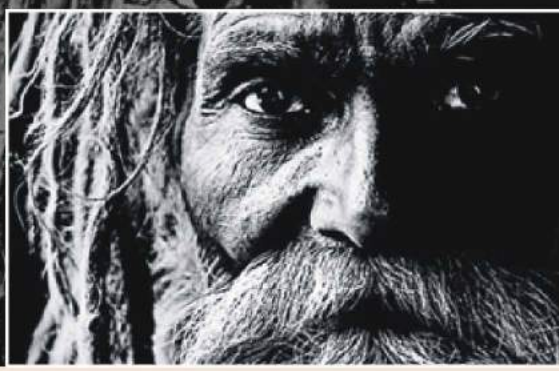

उज्जैन में आयोजित होने वाला सिंहस्थ महाकुंभ सनातन परम्परा के चार माह कुंभों में से एक है। इसका महत्व भगवान महाकालेश्वर की नगरी व पुण्य सलिला शिप्रा के कारण और भी अधिक बढ़जाता है। यह महाकुंभ लगभग 300 से अधिक वर्षों से उज्जैन में आयोजित हो रहा है और इस दौरान कई विषम परिस्थितियों से गुजरा, लेकिन फिर भी श्रद्धा का सैलाब थमा नहीं।

मराठों के आधिपत्य में प्रथम बार सिंहस्थ गुरु में हुआ महाकुंभ

सन् 1732 (विक्रम संवत 1789) : प्राचीनकाल में सिंहस्थ महापर्व वृश्चिक राशि में गुरु के आने पर मनाया जाता था। सन् 1730-31 में मालवा प्रांत पर मराठों का आधिपत्य हुआ, तब सिंधिया राजवंश की राजधानी उज्जैन के महाराजा श्री राणोजी शिंदे की आज्ञा से 1732 में वैशाख शुक्ल पूर्णिमा के दिन सिंहस्थ महाकुंभ का आयोजन किया गया।

नागाओं और वैष्णवों के बीच हो गया था टकराव

सन् 1885 (विक्रम संवत 1942) : इस सिंहस्थ में वैष्णवों से नागा संन्यासियों की लड़ाई हो गई थी। शिप्रा के पास दत्त अखाड़े में नागों की रसोई हो रही थी। उधर लक्खी घाट स्थित नागों के मठ पर हमला हो गया। मठ में श्री दत्तात्रेयजी का स्वर्ण मंडित मंदिर था, जिसे लूट लिया गया। विरोध स्वरूप नागाओं ने वैष्णवों पर हमला बोल दिया, जिसमें हजारों की संख्या में बैरागी मारे गए। इसमें मृत नागाओं की समाधियां शिप्रा नदी के किनारे आज भी शिवलिंगों के रूप में बनी हुई हैं।

महिदपुर के गंगावाड़ी में भी हुआ था सिंहस्थ स्नान

सन् 1897 (विक्रम संवत 1954) : वर्ष 1897 में उज्जैन में भीषण अकाल पड़ा। ऐसे में सिंहस्थ में साधुओं के अन्न-जल के प्रबंध पर सवाल उठ गए। तत्कालीन सिंधिया रियासत ने इंदौर होलकर रियासत के मार्फत साधुओं को कहलवाया कि वे उज्जैन न आयें। सिंधिया रियासत ने आपातकालीन व्यवस्था न कर पाने की बात के साथ सख्ती के संकेत भी दिए। उस वक्त इंदौर से उन्हेल होकर महिदपुर का रास्ता था। महिदपुर में होलकर रियासत का राज था। शिप्रा की एक शाखा तब महिदपुर के गंगावाड़ी क्षेत्र में भी थी। होलकर रियासत ने साधुओं के नहान की व्यवस्था गंगावाड़ी में की और वहीं पर सिंहस्थ मेला भरा। वह एक महत्वपूर्ण दुर्लभ अवसर था, जब शिप्रा के रामघाट पर सिंहस्थ स्नान नहीं हुआ।

महामारी का साए में भी हुआ महाकुंभ

सन् 1921 (विक्रम संवत 1978) : इस सिंहस्थ में उज्जैन में शाही स्नान के दिन यानी 21 मई शनिवार को महामारी का प्रकोप हो गया और हजारों लोग व साधु मृत्यु को प्राप्त हो गए। शासन द्वारा तत्काल शहर खाली करवाने का ऐलान किया गया। लोगों को जो भी साधन मिलें, उनसे बाहर भेजने का प्रबंध करवाया गया। बाद में महामारी से बचने के लिए आगामी सिंहस्थ में केवल वैशाख पूर्णिमा का मुख्य स्नान ही करने का निर्णय लिया गया। इस सिंहस्थ की एक और अविस्मरणीय घटना है 9 मई 1921 के दिन शिप्राजी की साक्षी में रामानुजजी और रामानंदी संप्रदाय के बीच हुआ शास्त्रार्थ। इसमें रामानंद संप्रदाय विजयी हुआ। तभी से ये दोनों संप्रदाय भिन्न हैं और उनकी गुरु परंपरा भी अलग है। शास्त्रार्थ का अविकल पाठ संस्कृत में लिखित है।

संतों और नागरिकों ने स्वयं संभाली थी व्यवस्था

सन् 1945 (विक्रम संवत 2002) : दूसरा विश्व युद्ध जारी रहने के कारण ग्वालियर स्टेट की तरफ से यह सिंहस्थ न मनाए जाने का आदेश निकाला गया था। इस आदेश को अखाड़ों और लोगों ने नहीं माना। दत्त अखाड़े के गादीपति सिद्ध महापुरुष श्रीमहंत पीर, श्री संध्यापुरीजी महाराज की अध्यक्षता में संतों-महंतों और नागरिकों की एक बैठक बुलाई गई, जिसमें निर्णय लिया गया कि 15 दिन की व्यवस्था पीरजी तथा 15 दिन की व्यवस्था उज्जैन के धर्मालुजन करेंगे। इस प्रकार एक माह का सिंहस्थ सम्पन्न हुआ।

कई विषम परिस्थितियों से गुजरा

सिंहस्थ महाकुम्भ

लगातार दो साल तक मनाया गया था सिंहस्थ

सन् 1957 (विक्रम संवत 2014) : श्रीकरपात्रीजी और दंडी स्वामियों ने सन् 1956 में उज्जैन में सिंहस्थ मनाने का निर्णय लिया, लेकिन षड्दर्शन अखाड़ों ने इन्हें 1957 में सिंहस्थ करने को कहा। विवाद चला और दंडी स्वामियों ने 1956 और षड्दर्शन अखाड़ों ने 1957 में सिंहस्थ मनाया। इसी सिंहस्थ में शाही स्नान को जुलूस के रूप में जानने के विषय में प्रमुख संन्यासी अखाड़ों जूना, महानिर्वाणी और निरंजनी ने 13 मई 1957 के सिंहस्थ के लिए आपसी सहमति से समझौता किया कि सबसे पहले दत्त अखाड़े का निशान निकलेगा और उसके बाद अन्य अखाड़ों के। लगभग ऐसी ही घटना 1969 के सिंहस्थ में भी घटी, जब इस बार वैष्णव अणि अखाड़ों में विवाद उत्पन्न हो गया। तब वैष्णव अणि अखाड़ों ने 1968 में सिंहस्थ मनाया और अन्य अखाड़ों ने 1969 में।

सिंहस्थ के दौरान लगाना पड़ी थी धारा 144

सन् 1980 (विक्रम संवत 2037) : इस सिंहस्थ का मुख्य शाही स्नान वैशाख पूर्णिमा दिनांक 30 अप्रैल को था। वैष्णव अणि अखाड़ों ने इसमें तीन शाही स्नान 13, 17 व 30 अप्रैल को कराने की मांग की थी। चूंकि सन् 1935 से एक ही शाही स्नान वैशाख पूर्णिमा को करने की परंपरा थी, इसलिए एक ही शाही स्नान कराने का निर्णय लिया गया। लेकिन बहुत समझाने पर भी वैष्णव अणि अखाड़ों ने जिद नहीं छोड़ी। इस पर मेला प्रशासन ने धारा 144 लगा दी और 13 अप्रैल को जुलूस निकालने पर पाबंदी लगा दी। वैष्णवों ने पाबंदी तोड़कर अपने निशानों के साथ घाट पर स्नान के लिए जाने की कोशिश की, तब जाकर प्रशासन को उन्हें तीन अलग-अलग स्नान करने की अनुमति देना पड़ी।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop, Tablet, Mobile
Total सुरक्षा
Call :
9272707050 / 9822882566
india antivirus.com

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 9225664817
020-65601926
Kundali 2012
www.kundalisoftware.com

सुविधाजनक व सुरक्षित सिंहस्थ की यातायात व्यवस्था

उज्जैन शहर की जनसंख्या सामान्यतः लगभग 5 लाख ही है, लेकिन सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान बाहर से आये संत-महात्मा व श्रद्धालुओं सहित यह 6 करोड़ के आंकड़े को छुऐगी। इसके साथ ही इस महाकुंभ में न सिर्फ शहर बल्कि विशाल मेला क्षेत्र में यातायात व्यवस्था का हिस्सा होंगे। इस चुनौती से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा सिंहस्थ अवधि के दौरान यातायात भी व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किया है। यह यातायात व्यवस्था फ्रीगंज क्षेत्र में तो लगभग यथावत ही है, लेकिन पुराने शहर में पूर्णतः परिवर्तित हो गई है। नई ट्रेफिक व्यवस्था गत 21 अप्रैल से लागू कर दी गई है, जो पूरे सिंहस्थ के दौरान लागू रहेगी।

देवासगेट बस स्टैंड से नहीं चलेंगी यात्री बसें

शहर में वर्तमान में दो यात्री बस स्टैंड हैं। एक फ्रीगंज क्षेत्र में नानाखेड़ा पर स्थित है और दूसरा पुराने शहर में देवासगेट पर। नई यातायात व्यवस्था में नानाखेड़ा बस स्टैंड की व्यवस्था में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है। यहां से इंदौर, मक्सी, देवास, भोपाल आदि मार्गों की बसों का संचालन होता है। लेकिन आगर, बड़नगर, नागदा आदि मार्गों से आने वाली बसों के यात्री अब देवासगेट सीधे नहीं पहुंचेंगे। कारण यह है कि पूरी मेला अवधि में देवासगेट बस स्टैंड बंद रहेगा। यहां से संचालित बसें अपने मार्ग के सेटेलाईट टाऊन में तैयार अस्थायी बस स्टैंड तक ही जा रही हैं। अतः आगरा-कोटा मार्ग से आने वाली यात्री बसें आम दिनों में मकोड़िया आम पार्किंग तथा व्यस्त समय में आगर रोड सेटेलाईट टाउन तक आवेगी और यहां से लोक परिवहन के वाहनों से अन्य पार्किंग तक पहुंचा जा सकेगा। बड़नगर मार्ग से आने वाली यात्री बसें बड़नगर रोड सेटेलाईन टाउन तक आऐंगी और यहां से लोक परिवहन के वाहनों से अन्य पार्किंग स्थलों तक पहुंचा जा सकेगा।

यदि आप सिंहस्थ महाकुंभ में शामिल होने उज्जैन (म.प्र.) जा रहे हैं, तो निश्चिंत रहें, आपकी यात्रा बहुत सुखद रहेगी। बस इसके लिये सबसे पहले इस महाकुंभ के दौरान लागू की गई यातायात व्यवस्था को समझना जरूरी होगा। यदि इसके अनुसार आपने योजना बनाई है, तो कोई परेशानी नहीं आऐगी।

सुविधा के लिये 1200 से अधिक ट्रेन

स्थायी ट्रेन सुविधा के साथ ही यात्रियों के दबाव को देखते हुए 1200 से अधिक अस्थायी ट्रेनें रेलवे इस अवधि में चला रहा है। स्थायी रूप से उज्जैन में एक ही स्थान पर दो रेलवे स्टेशन हैं, एक मुख्य रेलवे स्टेशन (देवासगेट की ओर) तथा दूसरा माधवनगर। इन पर तो टिकट खिड़कियाँ बढ़ाई ही गई हैं, साथ ही तीन अस्थायी फ्लेग स्टेशन भी बनाये गये हैं। भोपाल की ओर से आने वाली ट्रेनों के लिए पंवासा फ्लेग स्टेशन बनाया गया है। शाही स्नान के दिनों में यहां से ट्रेन में चढ़ना एवं उतरना अधिक सुविधाजनक होगा। दिल्ली-रतलाम की ओर से आने वाली ट्रेनों के लिए मोहनपुरा फ्लेग स्टेशन बनाया गया है, जो मेला क्षेत्र में ही है। यहां से ट्रेन में चढ़ना एवं उतरना अधिक सुविधाजनक होगा। इंदौर-देवास की ओर से आने वाली ट्रेनों के लिए विक्रमनगर फ्लेग स्टेशन बनाया गया है। सभी फ्लेग स्टेशनों से लोक परिवहन के माध्यम से किसी भी गंतव्य स्थल पहुंचा जा सकेगा।

निजी वाहनों से ऐसे पहुंचें

आगर रोड एवं सम्पूर्ण नया शहर स्वतंत्र झोन रहेगा। यहां सभी प्रकार के वाहन संचालित हो सकेंगे। मेला क्षेत्र सहित यातायात की दृष्टि से शहर में छोटे चार पहिया वाहन से पहुंचने के लिये पार्किंग बनाये गये हैं। यहां तक इस निजी वाहनों से पहुंचा जा सकता है। इनके पहुंच मार्ग "वन वे" है जो इस प्रकार हैं-

- **सांवराखेड़ी सेटेलाईट टाउन-** इंदौर-देवास-मक्सी मार्ग के वाहन इंजीनियरिंग कॉलेज तिराहा, महामृत्युंजय तिराहा, चारुदत्त तिराहा से सांवराखेड़ी पहुंच सकते हैं। अन्य मार्गों से आने वाले वाहन से भी इनर रिंग रोड होकर उजरखेड़ा बायपास से यहां पहुंचा जा सकता है।
- **रंजीत हनुमान पार्किंग-** उन्हेल रोड

महाकालेश्वर मंदिर एवं स्नानघाट क्षेत्र को मानचित्र में हल्के नारंगी रंग से दर्शाया गया है। सामान्य दिनों में इस क्षेत्र में पहुंचने हेतु निम्न नजदीकी पार्किंग स्थलों तक वाहन से पहुंचा जा सकता है।

सांवराखेड़ी पार्किंग स्थल- रामघाट 2.8 कि.मी., महाकाल मंदिर 3.8

लालपुल पार्किंग स्थल- स्नानघाट 0.15 कि.मी., रामघाट 1.9 कि.मी., महाकाल मंदिर 2.9 कि.मी.

भूखी माता पार्किंग स्थल- स्नानघाट 0.6 कि.मी., रामघाट 2.3 कि.मी., महाकाल मंदिर 3.4 कि.मी.

जूना सोमवारिया पार्किंग स्थल- स्नानघाट 0.6 कि.मी., रामघाट 22.2 कि.मी., महाकाल 3.3 कि.मी.

रंजीत हनुमान पार्किंग स्थल- स्नानघाट 0.8 कि.मी., रामघाट 2.2 कि.मी., महाकाल .3.3 कि.मी.।

सेटेलाईट टाउन से मोजमखेड़ी मार्ग पर होकर यहाँ जा सकते हैं।

जूना सोमवारिया पार्किंग- इंदौर गेट से नई सड़क, अंकपात तिराहा, पीपलीनाका होकर इस पार्किंग स्थल तक पहुंचा जा सकता है। इसी प्रकार उन्हेल नाका सिद्धवट, जेल तिराहा, वीर सावरकर चौराहा, पीपलीनाका होकर यहां पहुंचा जा सकता है।

लालपुल पार्किंग- इस पार्किंग स्थल तक केवल दो पहिया वाहन हरिफाटक चौराहा से गऊघाट होकर पहुंच सकते हैं।

मकोडियाआम पार्किंग- आगर रोड सेटेलाईट टाउन से सीधे यहां पहुंचा जा सकता है। साथ ही देवासगेट चौराहा, चामुंडा माता चौराहा से सीधे आगर रोड पहुंचा जा सकता है।

ईदगाह पार्किंग- आगर रोड से इंदिरा नगर तिराहा होकर यहां पहुंचा जा सकता है।

खिलचीपुर पार्किंग- आगर रोड से सीधे यहां पहुंचा जा सकता है।

वीर सावरकर चौराहा पार्किंग- उन्हेल नाका से सिद्धवट जेल तिराहा होकर यहां पहुंचा जा सकता है। इसी प्रकार पीपलीनाका से गढ़कालिका, विष्णु चतुष्टिका होकर यहां पहुंचा जा सकता है।

गढ़कालिका मंदिर के सामने पार्किंग- पीपलीनाका से गढ़कालिका मंदिर के सामने इस पार्किंग स्थल में पहुंचा जा सकता है।

मंगलनाथ 80 फीट पार्किंग- यह पार्किंग स्थल साधु-संतों एवं अन्य प्रशासकीय वाहनों के लिये है।

कमेड पार्किंग- इस पार्किंग में उन्हेल नाका अथवा आगर नाका की ओर से इनर रिंग रोड होकर पहुंचा जा सकता है।

कालभैरव पार्किंग- उन्हेल नाका से सिद्धवट, जेल तिराहा होकर यहां पहुंचा जा सकता है।

विक्रांत भैरव पार्किंग- गढ़कालिका चौराहा से ओखलेश्वर ब्रिज होकर यहां पहुंचा जा सकता है।

इन मार्गों पर कोई रोक-टोक नहीं

यात्रियों के दबाव की स्थिति में मेला व शहर के कुछ व्यस्त क्षेत्रों को नो व्हीकल जोन बनाया गया है। इनमें सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। समीप के पार्किंग पर वाहन खड़े कर इन क्षेत्रों में पैदल ही भ्रमण करना होगा। इसके अंतर्गत नो व्हीकल जोन हरिफाटक ब्रिज बेगमबाग, कमरी मार्ग चौराहा, केडी गेट एवं केडी गेट से जूना सोमवारिया मार्ग के बायें तरफ एवं जूना सोमवारिया से बड़ा पुल, शंकराचार्य चौराहा, दत्त अखाड़ा मार्ग से भूखी माता बायपास चौराहा एवं शंकराचार्य चौक से मुल्लापुरा चौराहा तक रहेगा। लालपुल से जयसिंहपुरा चौराहा, नृसिंह घाट तिराहा के मध्य का मार्ग वाहन प्रतिबंधित झोन में रहेगा, लालपुल से हरिओम ढाबा, चिंतामन मार्ग तिराहा के मध्य का समस्त क्षेत्र नो व्हीकल जोन रहेगा। इस जोन में जितने मार्ग स्थित हैं उन पर भी सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। आम दिनों में इन मार्गों पर भी वाहन चलेंगे।

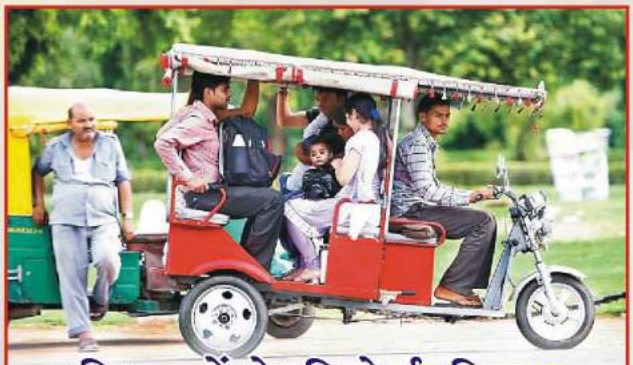

निःशक्तों के लिये ई-रिक्शा

निःशक्त व वृद्धजन भी सिंहस्थ क्षेत्र का भ्रमण कर दर्शन लाभ ले सकें, इसके लिये ई-रिक्शा की विशेष व्यवस्था की गई है। चार रूट ऐसे निर्धारित किये गये हैं। जिन पर सिर्फ ई रिक्शा ही चलेंगे। ये रूट हैं लालपुल पार्किंग से महाकाल मंदिर वाया नृसिंह घाट, जूना सोमवारिया से ऋणमुक्तेश्वर, नानाखेड़ा से सांवराखेडी सेटेलाईट टाऊन तथा बड़नगर तिराहा से मुल्लापुरा नाका।

कैसे करें मेला भ्रमण-

शैव अखाड़ा क्षेत्र- यहाँ पर शैव समुदाय के अखाड़े, उदासीन तथा निर्मल अखाड़ों के कैम्प हैं। इस क्षेत्र को हल्के गुलाबी रंग से दर्शाया गया है। सामान्य दिनों में इस क्षेत्र में पहुंचने हेतु निम्न नजदीकी पार्किंग स्थलों तक वाहन से पहुंचा जा सकता है-

भूखी माता बायपास- शैव अखाड़ा क्षेत्र। महाकाल ..4 कि.मी., रामघाट 2.3 किमी

रंजीत हनुमान- शैव अखाड़ा

क्षेत्र। महाकाल मंदिर 3.3 कि.मी., रामघाट 2.2 कि.मी.

उजरखेड़ा तिराहा- शैव अखाड़ा। क्षेत्र मुल्लापुरा नाका- 1.1 कि.मी.

बड़नगर रोड से.टा.- शैव अखाड़ा क्षेत्र। मुल्लापुरा नाका 2.9 किमी

सदावल पार्किंग- शैव अखाड़ा क्षेत्र। मुल्लापुरा नाका 1.4 कि.मी.

वैष्णव अखाड़ा क्षेत्र- यहाँ पर समस्त वैष्णव अखाड़ों के कैम्प हैं। यहां सांदीपनि आश्रम, मंगलनाथ मंदिर, अंगारेश्वर मंदिर, गढ़कालिका मंदिर, भर्तृहरि गुफा तथा पीर मत्स्येंद्रनाथ समाधि स्थल स्थित है। सामान्य दिनों में इस क्षेत्र में पहुंचने हेतु निम्न नजदीकी पार्किंग स्थलों तक वाहन से पहुंचा जा सकता है-

मकोड़िया आम- अंकपात क्षेत्र। खाकचौक 1.3 कि.मी., सांदीपनि आश्रम 1.8 कि.मी.

ईदगाह- अंकपात क्षेत्र। खाकचौक 0.9 कि.मी.

खिलचीपुरा- अंकपात क्षेत्र। मंगलनाथ मंदिर 3.6 कि.मी.

मंगलनाथ मेला पार्किंग- अंकपात क्षेत्र। मंगलनाथ मंदिर 1.4 कि.मी.

कमेड़ पार्किंग- अंकपात क्षेत्र। अंकपात मंदिर 1.4 कि.मी.

इंदिरा नगर- अंकपात क्षेत्र। मंगलनाथ मंदिर 2.4 कि.मी.

गढ़कालिका मंदिर के सामने- अंकपात क्षेत्र। भर्तृहरि गुफा 500 मीटर, मत्येंद्रनाथ 500 मीटर

वीर सावरकर चौराहा- अंकपात क्षेत्र। भर्तृहरि गुफा 1.2 कि.मी. पीर मत्स्येंद्रनाथ 1.2 कि.मी.।

कालभैरव क्षेत्र- यहां पर श्री कालभैरव मंदिर, श्री सिद्धवट मंदिर एवं कालियादेह महल स्थित है। इस क्षेत्र को हल्के आसमानी रंग से दर्शाया गया है। सामान्य दिनों में इस क्षेत्र में पहुंचने हेतु निम्न नजदीकी पार्किंग स्थलों तक वाहन से पहुंचा जा सकता है।

कालभैरव पार्किंग- काल भैरव मंदिर 200 मीटर

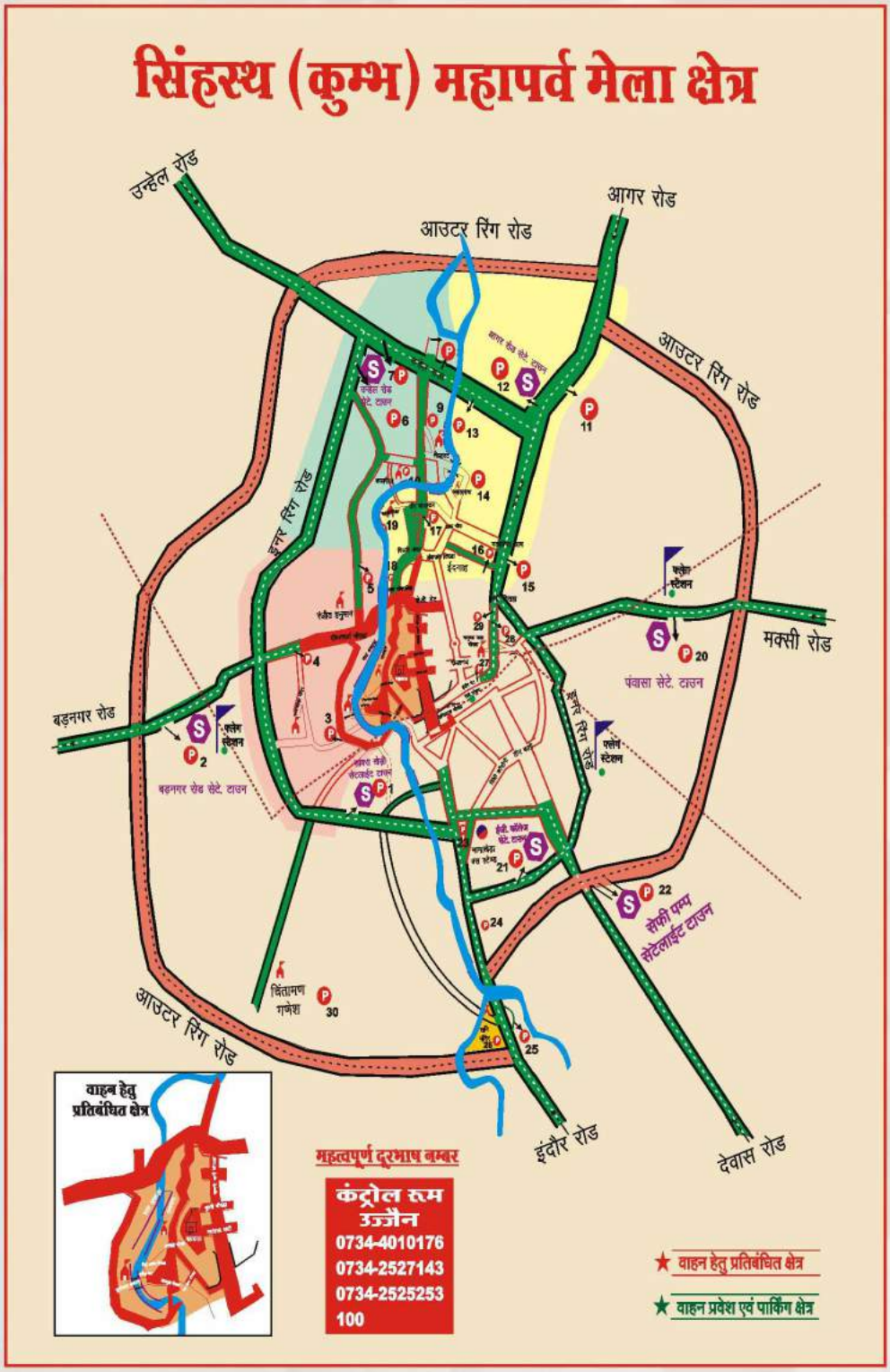

सिद्धवट पार्किंग- सिद्धवट मंदिर 200 मीटर

मोजमखेड़ी- कालभैरव मंदिर-200 मीटर

उन्हेल नाका- सिद्धवट मंदिर- 800 मीटर।

मानचित्र में हरे रंग से दर्शाये गये सभी मार्गों पर चार पहिया वाहनों से सामान्य दिनों में आवागमन हो सकेगा और इन मार्गों से होकर विभिन्न पार्किंग स्थलों तक पहुंचा जा सकेगा।

सेवा के लिए प्रशासन के साथ सब तैयार

सिंहस्थ महापर्व के दौरान पूरा शहर धर्ममय हो जाएगा। इस दौरान 6 करोड़ से भी अधिक श्रद्धालुओं का यहां आगमन होगा, लेकिन इनकी सेवा में न तो प्रशासन कोई कसर रख छोड़ेगा और न ही स्वयंसेवी संस्थाऐं। आम शहरवासी भी धर्म के रंग में रंग कर आने वाले अतिथियों के स्वागत के लिये तैयार हैं।

रेलवे का सासूम मिलाद

सिंहस्थ में गुम होने वाले बच्चों को वापस परिजनों से मिलाने के लिए खासतौर पर मोबाइल ऐप तैयार किया गया है। रेलवे पुलिस द्वारा तैयार 'मासूम-मिलाप' नाम के इस ऐप पर जीआरपी, चाइल्ड लाईन, खोया-पाया संस्था, बाल पुलिस अधिकारी द्वारा सिंहस्थ में परिवार से बिछड़े बच्चों की जानकारी लगातार अपडेट की जाएगी। गुम बच्चों के परिजन ऐप के माध्यम से जानकारी लेकर बच्चों से जुड़ी संस्थाओं से संपर्क कर सकते हैं। सिंहस्थ में आने वाले बच्चों की सुरक्षा को रेलवे स्टेशनों पर खासे इंतजाम किए जा रहे हैं। सिंहस्थ में गुम बच्चों की पूरी जानकारी लेकर ऐप पर फोटो सहित लोड की जा रही है।

रेलवे स्टेशन पर खोयापाया केंद्र

उज्जैन व इंदौर में बच्चों से जुड़ी संस्था खोया-पाया का कार्यालय रतलाम रेलवे स्टेशन पर खुलेगा। संस्था के सदस्य के साथ चाइल्ड लाइन टीम के सदस्य 24 घंटे स्टेशन पर तैनात हैं। खासतौर पर इनकी नजर बच्चों को चुराने वाली गैंग पर रहेगी और किसी बच्चे के साथ संदिग्ध व्यक्ति के दिखने पर उससे पूछताछ भी की जाएगी। किसी गुमशुदा बच्चे के मिलने पर पहले उसे अस्थाई तौर पर 24 से 48 घंटे तक संस्था के कार्यालय पर रखा जाता है। उसके बाद बाल व बालिका गृह भेजा जाता है। उज्जैन व इंदौर रेलवे स्टेशन पर खोया-पाया कार्यालय शुरू हो चुका है। स्टेशन पर बच्चों से जुड़ी संस्थाओं को विशेष रुप से सिंहस्थ के परिचय पत्र बनाकर दिए जाएंगे।

सिंहस्थ में नहीं होगी मंगलनाथ में भात पूजा

मंगलनाथ मंदिर में भातपूजा सिंहस्थ के दौरान बंद रहेगी। भक्तों का गर्भगृह में प्रवेश भी प्रतिबंधित रहेगा। सिंहस्थ महापर्व के दौरान 25 मई तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। मंदिर प्रशासक नरेंद्रसिंह राठौर ने बताया महाकुंभ के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों भक्तों की सुविधा के लिए मंदिर प्रबंध समिति ने यह निर्णय लिया है। नई व्यवस्था 13 अप्रैल से लागू की गयी है। हालांकि शासकीय पुजारी व महंत परिवार द्वारा भातपूजा की जाएगी। भक्तों को बाहर से महामंगल के दर्शन होंगे।

सिंहस्थ में 1 करोड़ के हॉस्पिटल में इलाज, खाना और दवा मुफ्त

महामंडलेश्वर स्वामी श्री प्रखरजी महाराज दत्त अखाड़ा क्षेत्र में भूखी माता मंदिर के पास यह अस्थाई हॉस्पिटल बनवा रहे हैं। सिंहस्थ में पहली बार यहाँ चिकित्सा का 'कुंभ' भी होगा। देशभर के कई बड़े डॉक्टर यहां मौजूद हैं जो रोगियों का इलाज करेंगे, वह भी एकदम मुफ्त। मरीज जितने दिन तक हॉस्पिटल में रहेगा उतने दिन तक दवाई के साथ भोजन भी निःशुल्क दिया जाएगा। ओपन हॉर्ट सर्जरी को छोड़ अन्य सभी ऑपरेशन भी यहां कराए जा सकेंगे। इसके लिए मेला क्षेत्र में करीब एक करोड़ रुपए खर्च कर अस्थाई हॉस्पिटल बनाया गया है। राजस्थान से एक करोड़ लागत की मशीनें भी आई हैं। सिंहस्थ के दौरान पूरे एक माह तक बिना कोई फीस लिए न केवल इलाज होगा बल्कि दवाई व भोजन का खर्च भी प्रखर परोपकार मिशन हॉस्पिटल उठाएगा। हॉस्पिटल भी कोई साधारण नहीं बल्कि 50 बेड एयरकंडीशनर और कैंपस में अत्याधुनिक सुविधाएं भी मौजूद हैं। कैंपस हॉस्पिटल में चार एंबुलेंस हर समय

उपलब्ध रहेगी। हेल्पलाइन नंबर 9425092505 व 7354992041 पर फोन कर लोग एंबुलेंस मंगा सकेंगे। देशभर से कई ख्यात डॉक्टर यहाँ सेवा देने आ रहे हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की महिलाऐं बनी सुरक्षा प्रहरी

दत्त अखाड़ा क्षेत्र में स्थित बड़नगर रोड पर ब्रह्माकुमारी संस्थान को प्रशासन ने दो एकड़ जगह दी हुई है, जहाँ पर छत्तीसगढ़, उडीसा सहित राज्य के विभिन्न शहरों से आई हुई महिलाएं दिन रात सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चौकन्नी दिखाई देती हैं। इन महिलाओं ने इससे पहले कभी भी सुरक्षा देने का काम नहीं किया है। जबलपुर की 62 वर्षीय पार्वती यादव वह जबलपुर में गत 20 वर्षों से ब्रह्माकुमारी संगठन से जुड़ी हुई हैं। उनकी कुल 36 लोगों की टीम है। जिन्हें तीन समूह में बाँटा गया है, हरेक टीम को आठ घण्टे सेवाएँ देनी होती है। अगले 20 दिनों के बाद दूसरी टीम सुरक्षा करने के लिए यहाँ पर आ जाएगी।

संकरे मार्गों पर आग से बचाएगी फायर बाईक

सिंहस्थ में संकरी जगहों व भीड़ भरे क्षेत्रों में जल्द आग बुझाने के लिए पुलिस फायर द्वारा बाइक फायर दल तैनात किया गया है। ये वाटर मिस्ट सिस्टम से लैस बाइक जल्द मौके पर पहुंच जाएगी। इन्हें 9 जगहों पर तैनात किया गया है। बाइक पर दो कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाएगी। आगजनी के स्थान पर पहुंचकर दोनों कर्मचारी सिस्टम को पीठ पर भी टांगकर तेजी से आग बुझा सकते हैं। सिस्टम से 15 से 20 फीट दूरी तक फोम की धार जाएगी। इसके अलावा 16 अस्थायी फायर स्टेशन बनाए गए हैं। वहीं, 24 स्थानों पर फायर वाहनों का भी तैनात किया गया है।

भोपाल, इंदौर, रतलाम और गुना के लिये 31 ट्रेन

सिंहस्थ महापर्व के दौरान उज्जैन से आसपास शहरों के आसपास के रूट पर चलने वाली मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन की पहली योजना रेलवे ने घोषित कर दी। इसमें उज्जैन से भोपाल, रतलाम, इंदौर और गुना के लिए चलने वाली स्पेशल ट्रेनों का टाइम टेबल शामिल है। उज्जैन से भोपाल के लिए 9, रतलाम के लिए 14, गुना के लिए 3 और इंदौर के लिए 5 स्पेशल ट्रेने (अप और डाउन) चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें सभी स्टेशनों पर रुकेंगी। ये सभी ट्रेनें प्रतिदिन चलेंगी।

विक्रमनगर (उज्जैन) से रोजाना इंदौर के लिए जाने वाली ट्रेनें

ट्रेन नंबर	प्रस्थान (उज्जैन)	पहुंचने का समय (इंदौर)
00105	रात 2.45	5.55
00108	सुबह 9.40	1.05
00102	दोपहर1.40	4.35
00110	शाम 4.35	7.00
00104	शाम 7.55	11.40

उज्जैन से भोपाल की तरफ जाने वाली ट्रेनें

ट्रेन नंबर	प्रस्थान (उज्जैन)	पहुंचने का समय (भोपाल)
00201	रात 12.05	04.30
00215	सुबह 4.50	09.30 (बैरागढ़)
00211	सुबह 6.10	12.20
00207	सुबह 7.55	1.55
00203	सुबह 10.45	15.10
00217	दोपहर 2.35	06.40 (बैरागढ़)
00213	शाम 6.05	11.20
00209	शाम 19.35	12.10
00205	शाम 8.40	02.05

उज्जैन से रतलाम को जाने वाली ट्रेनें

ट्रेन नंबर	प्रस्थान (उज्जैन)	पहुंचने का समय (रतलाम)
00006	रात 12.40	03.30
00012	रात 1.25	03.45 (नागदा)
00002	रात 1.40	03.10 (नागदा)
00040	रात 2.15	7.35
00030	सुबह 5.00	6.45 (नागदा)
00032	सुबह 9.05	11.05 (नागदा)
00022	सुबह 11.10	1.00 (नागदा)
00020	सुबह 11.20	2.00
00034	दोपहर 1.45	04.55
00024	दोपहर 3.30	05.50 (नागदा)
00010	रात 08.05	09.45 (नागदा)
00026	रात 09.00	12.25
00038	रात 09.30	11.15 (नागदा)
00004	रात 09.55	11.30 (नागदा)

उज्जैन से गुना की तरफ जाने वाली ट्रेनें

ट्रेन नंबर	प्रस्थान (उज्जैन)	पहुंचने का समय (गुना)
00303	रात 12.35	8.50
00301	सुबह 8.30	4.20
00305	शाम 6.35	1.25

(मेला अवधि के दौरान यह सभी ट्रेन प्रतिदिन चलेंगी)

सिंहस्थ महाकुम्भ में समाज की 3 जगह सेवा

पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत दोनों दे रहे सेवा यज्ञ में आहुति

इस सिंहस्थ महापर्व के दौरान माहेश्वरी समाज भी अपनी सेवा में पीछे नहीं है। इसके अंतर्गत सिंहस्थ क्षेत्र में दो स्थानों तथा शहर में भी अपनी सेवा गतिविधि चलाई जा रही है।

पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा द्वारा दत्त अखाड़ा क्षेत्र में प्लॉट क्रमांक 202/2 पर अपना सेवा कैंप लगाया गया है। यहां देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को निःशुल्क आवास के साथ चाय-नाश्ता और दोनों समय निःशुल्क भोजन की व्यवस्था प्रदान की जा रही है। इसके लिए यहां 40 कॉटेज भी बनाए गए हैं। मुख्य संयोजक रवींद्र राठी, संयोजक राम तोतला, ओमप्रकाश पलौड़, जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश तोतला, अजय मूंदड़ा, दिनेश दाढ़, बलदेव जाजू, श्याम पलौड़, निरंजन हेड़ा, नवीन बाहेती आदि प्रदेश कार्यकारिणी तथा जिला संगठन के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता तन-मन-धन से श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं। दिल्ली के आईएएस संजय जाजू तथा भोपाल की इनकम टैक्स असिस्टेंट कमिनश्र माया माहेश्वरी व छाया माहेश्वरी भी गत दिनों सेवा कैंप में आईं और शुभकामनाएँ देते हुए सहयोग देने का आश्वासन दिया।

स्थानीय संगठन **श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत उज्जैन** द्वारा शहर में दो स्थानों पर सेवा दी जा रही है। इस सेवा प्रकल्प के मुख्य संयोजक श्यामसुन्दर भूतड़ा हैं। इसके अन्तर्गत सिंहस्थ में दत्त अखाड़ा क्षेत्र में तिरुपति बालाजी मन्दिर के पास प्लॉट क्रमांक 202/01 पर अपना सेवा कैंप लगाया गया है। यहां पर भी बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के निःशुल्क भोजन, आवास व नाश्ते की गरिमामय व्यवस्था की गई है। ठहरने के लिए पांच विशिष्ट सुसज्जित कॉटेज भी बनाए गए हैं। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्राप्त किए जा सकते हैं। यहां यात्रियों की सुविधा के लिए अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, सचिव अरुण भूतड़ा, संयोजक सुरेश डागा, वीरेन्द्र गट्टानी आदि के साथ ही समस्त समाजजन भी रात दिन जुटे हुए हैं। महिला एवं अन्य संगठन भी सहयोगी भूमिका निभा रहे हैं। इसी संगठन द्वारा शहर के मध्य गोलामंडी स्थित माहेश्वरी भवन में भी निःशुल्क आवास, भोजन की व्यवस्था नृसिंह देवपुरा एवं उनकी टीम के संयोजन में की गई है।

पश्चिमांचल माहेश्वरी समाज ने सिंहस्थ मेला प्रशासन को भेंट की वैन

उज्जैन। पश्चिमांचल माहेश्वरी समाज द्वारा उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ महापर्व के दौरान भूखी माता सेक्टर में प्लॉट क्रमांक 202/2 पर सेवा कैंप संचालित किया जा रहा है। इस महापर्व में और अधिक योगदान देने के लिए संगठन द्वारा सिंहस्थ मेला प्रशासन को एक वैन भेंट की गई। जिसका उपयोग एम्बुलेंस के रूप में किया जा सकेगा। संगठन के मीडिया प्रभारी पुष्कर बाहेती ने बताया कि यह वैन गत दिवस दत्त अखाड़ा जोन के जोनल अधिकारी संतोष वर्मा को भेंट की गई। इस अवसर पर अभा माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति आर.डी. बाहेती, जयपुर माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी प्रदीप बाहेती, इंदौर पूर्वी क्षेत्र महिला संगठन अध्यक्ष सीमा मुछाल, अंकुर चिंतलाग्या, समाजसेवी बंशीलाल भूतड़ा 'किरण', मुख्य संयोजक रवीन्द्र राठी, संयोजक ओमप्रकाश पलौड़, राम तोतला, ओपी तोतला, श्याम पलौड़, दिनेश दाढ़, अजय मूँदड़ा, बलदेव जाजू, निरंजन हेड़ा, शैलेष राठी, कैलाश डागा, नवल माहेश्वरी सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि अपने कैंप के माध्यम से संगठन इस मेले में आने वाले समाजजनों को निःशुल्क आवास, भोजन व चाय-नाश्ता आदि की सेवा भी प्रदान कर रहा है।

सिंहस्थ महाकुंभ में बड़नगर बायपास रोड पर सैटेलाईट टाउनशिप के समीप महाकाल जोन-4 में प्लाट क्र. 268-269 पर लगा है, ''शब्द सुरति संगम आश्रम'' का शिविर। यहां प्रतिदिन आयोजित होंगे सिद्धामृत सूर्य क्रिया, अग्नि क्रिया, संजीवनी क्रिया तथा श्री विद्या साधना आदि के प्रशिक्षण शिविर, जिनके द्वारा आप प्राप्त कर सकेंगे स्वास्थ्य, मानसिक शांति, ग्रह शांति, आत्मिक उन्नति और भी बहुत कुछ।

स्वास्थ्य, शक्ति, शान्ति व सुख का आमंत्रण

शब्द सुरति संगम आश्रम

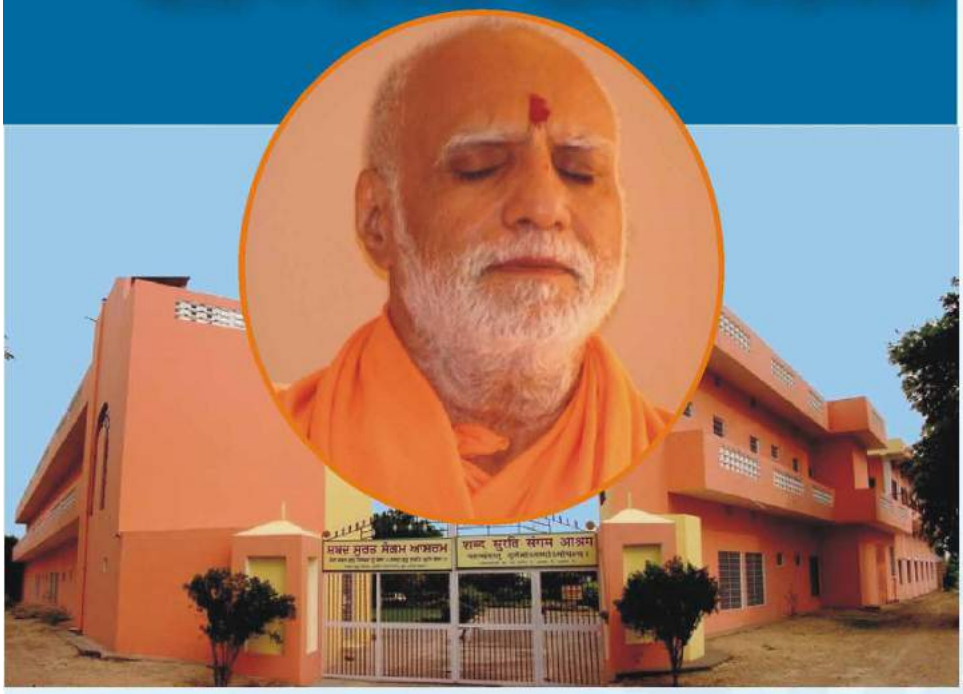

सिंहस्थ महाकुंभ-2016 में 21 अप्रैल से 21 मई तक ''शब्द सुरति संगम आश्रम'' पंजाब द्वारा महाकाल जोन-4 में बड़नगर बायपास पर लगे अपने शिविर में सम्पूर्ण विश्व को आरोग्य, शांति एवं सुख से परिपूर्ण करने के लिये ''अमृतम् अभियान'' का आयोजन होगा। इसके अंतर्गत स्वामी सूर्येन्दुपुरीजी, स्वामी गुरु चैतन्यपुरी व साध्वी योगांजलि चैतन्यापुरी अपने गुरुदेव महायोगी स्वामी बुद्धपुरीजी के सान्निध्य में प्रतिदिन ऐसे दुर्लभ चमत्कारी योगों का प्रशिक्षण देंगे, जो भौतिक व आध्यात्मिक दोनों पथ पर अग्रसर करेंगे। ये योग कई रोगों का अपने आप में वैज्ञानिक समाधान है। इन्हें वैज्ञानिकों ने भी परीक्षण के बाद प्रमाणित किया है। ''शब्द सुरति संगम आश्रम'' द्वारा इनका प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क रूप से मानव कल्याण के लिये किया जाऐगा।

शब्द सुरति आश्रम पर एक नजर...

आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित सन्यास सम्प्रदाय की पुरी शाखा का पंजाब प्रांत में आज से लगभग सवा सौ साल साल पहले तक लदाना (अब हरियाणा में) ही एक मुख्य केंद्र था, जहां से अनेक सिद्ध संत समाज को प्राप्त हुए। विवेकानंद जी के गुरु रामकृष्ण परमहंस जी को निर्विकल्प समाधि की दीक्षा देने वाले स्वामी तोतापुरी जी भी इसी आश्रम से सम्बद्ध थे। उन्हीं के एक गुरुभाई महायोगी स्वामी मेवापुरी जी (1790-1892) हुए, जिन्होंने सौ वर्ष से अधिक की आयु में पूरे स्वस्थ्य शरीर के साथ गंगाजी की पावन गोद में जीवित समाधि ले ली। इसमें भी उन्होंने न सिर्फ देह त्याग नहीं किया बल्कि तीन दिन बाद गंगा से सशरीर बाहर आकर शिष्यों को दर्शन दिये और पुनः गंगा की गोद में जाकर समाधि में स्थित हो गये। उनके प्रमुख शिष्य स्वामी देवपुरी जी (1860-1942) ने सात वर्षों तक निरंतर एक पेड़ के नीचे बैठकर भूख-प्यास, सर्दी-गर्मी को जीतकर अखंड तप किया। उनके पट्टशिष्य स्वामी दयालुपुरी जी (1895-1983) वेद-वेदांत तथा संस्कृत के अप्रीतम विद्वान विरक्त महात्मा थे, जिन्होंने काशी में ज्ञान की अबाध गंगा बहाई और उनके अनेक शिष्य महामंडलेश्वर-शंकराचार्य जैसे विशिष्ट पदों पर सुशोभित हुए। इस परम्परा में वर्तमान में स्वामी बुद्धपुरीजी आश्रम को नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।

महायोगी स्वामी गुरु बुद्धपुरी जी

सन्यास के अग्निपथ में प्रवेश से पूर्व स्वामीजी ने 1972में आईआईटी दिल्ली से एम.टेक करके 2-3 वर्ष मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज इलाहाबाद में अध्यापन का कार्य किया। तत्पश्चात हरिसर आश्रम के वेदमूर्ति स्वामी दयालु पुरीजी के चरणों में रहकर 9-10 वर्षों की अनथक तपोमय सेवा-साधना एवं शास्त्र अध्ययन से आत्म-साक्षात्कार (समाधि) प्राप्त किया। गुरु के महानिर्वाण के पश्चात वेदोक्त दिव्य शरीर की साधना हेतु एक दशक से अधिक समय तक

हिमालय के जंगल-गुफाओं में रहकर अभ्यास करते रहे। कालान्तर में उन्होंने जन सामान्य के लिये अनेक महायोग-साधनाओं का विकास किया तथा शास्त्रों में छिपे गंभीर साधना रहस्यों को सरल भाषा में अपने अनुभव के साथ प्रकाशित भी किया। पिछले कुछ वर्षों से स्वामी जी प्रायः हिमालय में 9 हजार फीट की ऊँचाई पर एकांत कुटिया में साधनारत रहते हैं किंतु जिज्ञासुओं-भक्तों की विनती पर वह अपने मुख्य शिष्यों स्वामी गुरु चैतन्यपुरी, साध्वी योगांजलि चैतन्यपुरी, स्वामी सूर्येन्दुपुरी समेत महाकाल की नगरी में सिंहस्थ महाकुंभ हेतु पधारे हैं।

योग प्रशिक्षण बदल देगा जीवन

स्वास्थ्य शरीर में ही स्वास्थ्य मन रहता है और स्वस्थ्य मन के द्वारा ही 'स्व' में स्थित हुआ जा सकता है अर्थात् अपने सच्चिानंद (शक्ति, ज्ञान एवं आनन्दमय) स्वरूप को प्राप्त किया जा सकता है। इस महान लक्ष्य की प्राप्ति हेतु स्वामीजी द्वारा प्रकाशित सरल किंतु सशक्त साधनाओं का लाभ आप उठायेंगे। इसमें शामिल है...

सिद्धामृत सूर्य क्रिया योग

वेदों में सूर्यदेव को 'साक्षात् नारायण' कहा गया है और पुराणों का कथन है 'आरोग्यं भास्करादिच्छेत्' अर्थात आरोग्य की कामना सूर्यनारायण से करो। वस्तुतः प्राचीनकाल में ऋषि-मुनियों की मुख्य साधना ही त्रिकाल सन्ध्या थी, जिसमें सूर्य के अभिमुख होकर वेद मंत्रों का विधिपूर्वक उच्चारण किया जाता था। इसी साधना के द्वारा वह आरोग्य, दीर्घायु, शक्ति, शांति, ज्ञान तथा अमृत्व प्राप्त करते थे। कलियुग में इस वेदोक्त साधना को सरल रूप देकर स्वामीजी ने एक नये नाम से प्रकाशित किया है और अब तक देश-विदेश के लाखों लोग इस साधना अभ्यास से अनेक प्रकार के शारीरिक-मानसिक रोगों से मुक्ति पाकर अंतमुर्खता एवं आंतरिक शक्ति का विकास करते हुए अध्यात्मिक उन्नति के पथ पर कदम बढ़ा चुके हैं।

माहेश्वरी समाज से हैं सूर्येन्दुपुरीजी

स्वामी सूर्येन्दुपुरीजी का जन्म 1976 को माहेश्वरी समाज के ही एक परिवार में हुआ था। बचपन से ही आध्यात्म की ओर विशेष रुझान था। स्कूली शिक्षा से लेकर बैंगलोर से इंजीनियरिंग की उच्च शिक्षा प्राप्त करने में हमेशा ही अत्यंत प्रतिभावान रहे। इसके पश्चात उन्होंने बहुराष्ट्रीय कंपनी में कुछ वर्षों तक अत्यंत आकर्षक पैकेज में नौकरी की और सतत प्रमोशन प्राप्त करते रहे। फिर भी उनका मन आध्यात्म की ओर लगा था। बस इसी दौरान गुरुदेव बुद्धपुरी जी के सान्निध्य में आये और जीवन की दिशा वैराग्य की ओर मुड़ गई तथा लक्ष्य बन गया विश्व कल्याण।

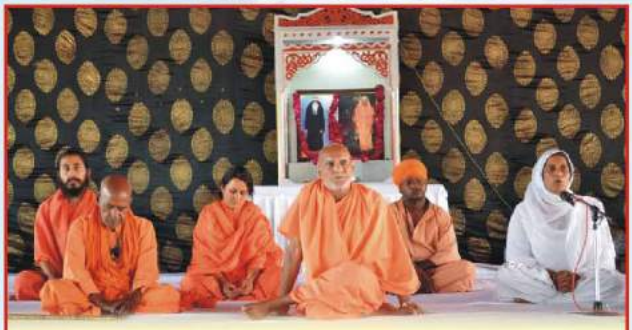

शिविर में नियमित कार्यक्रम

प्रातःकाल 6 से 7.30
संजीवनी क्रिया तथा सूर्य क्रिया
अपराह्न 4 से 6.30
ज्ञान-भक्ति-योग चर्चा तथा भक्तिमय शास्त्रीय संगीत
सायंकाल 7 से 8
अग्नि क्रिया योग तथा
श्रीयंत्रस्थ दश महाविद्याओं के यज्ञ।

अग्नि क्रिया योग

मानव शरीर परमात्मा की एक अद्भुत कृति है। जिसके भीतर वह स्वयं गुप्त रूप से विराजमान है। उससे मिलने का मार्ग 'सुषुम्ना' जो हमारी बहिर्मुखी वृत्ति के कारण बंद प्राय है। यह साधना अग्निदेव के साथ सीधा सम्बंध जोड़ते हुए शरीर को तेजोमय निरोगी, निर्मल, तथा शक्ति सम्पन्न बनाकर अग्निमय सुषुम्ना पथ को खोलने और कुण्डलिनी शक्ति को जगाने की शास्त्रोक्त विधि है।

संजीवनी क्रिया योग

प्राण ही जीवन का आधार है किंतु सच्चाई यह है कि जैसे-जैसे आयु बढ़ती है, प्राण दुर्बल होते जाते हैं। रोग, बुढ़ापा तथा मृत्यु इसी का परिणाम है और मन की अशांति तथा चंचलता का भी यही कारण है। संजीवनी क्रिया शरीर के रोम-रोम में प्राणशक्ति का संचार करते हुए रोगों से मुक्ति और हमारी जीवन शक्ति में वृद्धि करने का प्रबल साधन है। प्रायः देखने में आता है कि लोग प्राणायाम करके भी स्थूलकाय और रोगी बने रहते हैं, कारण है प्राणों में अंतर्मुखता तथा गहराई की कमी। अतः प्राणायाम के लिये भी यह क्रिया एक ठोस आधार है। साथ ही श्री विद्या (श्रीयंत्र साधना) शाम्भवती तथा खेरची आदि अनेक लुप्त-गुप्त साधानाएं हैं, जिनका प्रशिक्षण भी प्राप्त किया जा सकता है।

'श्रीयंत्र' ज्योतिष में एक अत्यन्त प्रभावशाली आध्यात्मिक यंत्र के रूप में हर आमजन में विख्यात है। नाम से ही इसका अर्थ निकाला जा सकता है, 'श्री' प्रदान करने वाला यंत्र। लेकिन विडम्बना यह है कि आमतौर पर लोग 'श्री' का अर्थ ही नहीं जानते तो फिर इससे 'श्री' प्राप्ति के प्रयास कैसे सफल होंगे ?

स्वामी श्री सूर्येन्दु पुरी जी

श्रीयंत्र से श्री की प्राप्ति

वर्तमान समाज को यदि वैश्य समाज कहा जाये तो अधिक उचित है क्योंकि आजकल प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य प्रायः धन ही है। परमार्थ अथवा मान-सम्मान भी आजकल के लोगों को धन के बिना फीका ही लगता है। इसीलिये लोग भगवान की पूजा भी धन की कामना से करते हैं और साधु-सन्तों के पास भी धन की प्राप्ति के उपाय पूछने जाते हैं। पिछले कुछ दशकों में तो धन की दौड़ बहुत ही अधिक बढ़ गई है। मात्र फाइनेन्स का व्यापार ही नहीं, ज्योतिष तथा वास्तु आदि का प्रचार भी धन-प्राप्ति के सहयोगी साधनों के रूप में बहुत अधिक बढ़ गया है। इसी क्रम में, श्रीयन्त्र का भी आजकल बहुत प्रचार हो गया है। इस बारे में अभी भी बहुत सारी भ्रान्तियां तथा अज्ञान है। धन लोलुप लोगों ने तो 'श्री' का अर्थ ही धन कर दिया और उसी की प्राप्ति के लिये श्रीयन्त्र को धूप-दीप देने लगे किन्तु यह हीरे के टुकड़े से कौवे उड़ाने वाली बात हो गई। शास्त्र वाक्य है- 'त्वं श्रीस्त्वमीश्वरी' अर्थात् तुम्हीं श्री हो, तुम्हीं ईश्वरी हो।

क्या है 'श्री'

यह सच है कि धन एक बहुत बड़ी शक्ति है किन्तु फिर भी सुखी जीवन के लिये हमें साधन-सम्पत्ति के अतिरिक्त और भी बहुत कुछ चाहिये। शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शान्ति, परिवार में परस्पर प्यार एवं विश्वास, समाज में सम्मान और पारमार्थिक प्रगति आदि सुखदायी उपलब्धियों को प्रत्येक समझदार मनुष्य पाना चाहता ही है और कई बार तो इसके लिये वह धन का त्याग भी करने को सहर्ष तैयार रहता है। कारण स्पष्ट है, धन तो कोई व्यक्ति गलत काम करके भी प्राप्त कर सकता है किन्तु उससे सुख नहीं मिलता। सम्पूर्ण सुख की प्राप्ति कराने वाली भगवती कृपा-शक्ति का ही नाम है 'श्री' और उससे सम्बन्ध जोड़ने का सर्वोत्तम साधन है 'श्रीयन्त्र'।

सही मार्ग जरूरी

श्रीयन्त्र के द्वारा मात्र धन ही नहीं, सम्पूर्ण स्वास्थ्य, समस्त ऐश्वर्य एवं सर्व शक्तियों-सिद्धियों की प्राप्ति भी सहज ही हो जाती है लेकिन इसके लिये मात्र श्रीयन्त्र को बाजार से लाकर पूजाघर में रखने से ही काम नहीं चलेगा बल्कि कुछ जप-साधना भी करनी होगी। सोच कर देखें, यदि मात्र श्रीयन्त्र को रखने से ही सर्व सुख-सम्पत्ति प्राप्त हो सकती, तो फिर दुकानदार को श्रीयन्त्र बेचने की भला क्या आवश्यकता थी, वह तो दुकान में श्रीयन्त्र की स्थापना करके ही मनचाहा धन-सम्पत्ति प्राप्त कर लेता। सीधी सी बात है, भले ही आपके घर के आंगन में 1000 किलो वॉट का ट्रान्सफार्मर लगा हो, किन्तु जब तक उससे तार जोड़कर बल्ब, पंखे, कूलर आदि से नहीं जोड़ते, तब तक सुख नहीं मिलता। इसी प्रकार यह सच है कि श्रीयन्त्र में अपार ऊर्जा है, पिरामिड से भी कई गुना ऊर्जा है किन्तु जब तक हम उस ऊर्जा से सीधा सम्बन्ध नहीं बनाते, उसे अपने भीतर प्रवेश नहीं करवाते, तब तक पूर्ण सुख-शान्ति तथा शक्ति की प्राप्ति सम्भव नहीं है। बाधायें-कष्ट आते रहेंगे, रोग-शोक सताते रहेंगे। यद्यपि श्रीयन्त्र का विधान तो अत्यन्त गम्भीर तथा विशद है और किसी योग्य सद्गुरु (जिनका अपना जीवन सुख-शान्ति एवं शक्ति से सम्पन्न हो) से ही इसकी दीक्षा लेनी चाहिये किन्तु श्रद्धालु जिज्ञासुओं के लिये एक सरल उपाय यहां बताया जा रहा है (श्रीयन्त्र तथा श्रीविद्या की सम्पूर्ण जानकारी के लिये जिज्ञासु जन स्वामी बुद्धपुरी जी महाराज द्वारा रचित पुस्तक 'चमत्कारी श्रीयन्त्र साधना तथा त्रिपुर शिवा पीठ' का अवलोकन कर सकते हैं।)।

कैसे करें मनोकामना पूर्ण

श्रीयन्त्र के दश आवरण अथवा चक्र हैं और उनसे सम्बन्धित दश देवियां हैं और उन सभी का विशेष कार्य है। यदि हम उस अनुसार उनके विशेष मन्त्रों द्वारा उनकी उपासना करें तो हमारे कार्य निश्चित ही सिद्ध हो सकते हैं, यथा-

- विवाह, प्रेम प्रसंग तथा सन्तान आदि की प्राप्ति हेतु सोमवार के दिन सर्वसौभाग्यदायक चक्र की उपासना की जाये, जिसकी देवी हैं त्रिपुरवासिनी तथा मन्त्र है- 'ॐ हैं हस् क्लीं हसौः त्रिपुरवासिन्यै नमः'।
- मुकदमा तथा शत्रुओं पर विजय आदि के लिये मंगलवार के दिन सर्वसंक्षोभण चक्र की उपासना की जाये, जिसकी देवी हैं त्रिपुरसुन्दरी तथा मन्त्र है- 'ॐ ह्रीं क्लीं सौः त्रिपुरसुन्दरी देव्यै नमः'।
- भय, चिन्ता, रुकावट, बाधा आदि की निवृत्ति हेतु बुधवार के दिन सर्वरक्षाकर चक्र की उपासना की जाये, जिसकी देवी हैं त्रिपुरमालिनी तथा मन्त्र है- 'ॐ ह्रीं क्लीं क्लैं त्रिपुरमालिन्यै नमः'।
- रोग—शोक आदि की निवृत्ति हेतु गुरुवार के दिन सर्वरोगहर चक्र की उपासना की जाये, जिसकी देवी हैं त्रिपुरसिद्धा तथा मन्त्र है- 'ॐ ह्रीं श्रीं सौः त्रिपुरसिद्धा देव्यै नमः'।
- विदेश यात्रा, धन-सम्पत्ति की प्राप्ति आदि के लिये शुक्रवार के दिन सर्वाशापरिपूरक चक्र की उपासना की जाये, जिसकी देवी हैं त्रिपुरेशी तथा मन्त्र है- 'ॐ क्लीं सौः त्रिपुरेशियै नमः'।
- पढ़ाई, परीक्षा तथा व्यापार आदि में सफलता के लिये रविवार के दिन सर्वार्थसाधक चक्र की उपासना की जाये, जिसकी देवी हैं त्रिपुराश्री तथा मन्त्र है- 'ॐ हसैं हसौं हस् क्लीं कस् सौः त्रिपुराश्री देव्यै नमः'।

इसके साथ एक बात और ध्यान देने वाली है कि श्रीयन्त्र प्रायः स्फटिक का सर्वोत्तम माना जाता है अथवा स्वर्ण सदृश शुद्ध धातु का क्योंकि उनकी शुद्धता श्रीयन्त्र की शक्ति को सहज ही एक श्रद्धापूर्वक जप-ध्यान करने वाले भक्त के हृदय में प्रकाशित कर देती है।

स्वास्थ्य का दोस्त... गर्मी का दुश्मन...

धनिया

धनिया से कौन अनजान होगा। भोजन बनाने में इसका नित्य प्रयोग होता है। हरे धनिये के विकसित हो जाने पर उस पर हरे रंग के बीज की फलियाँ लगती हैं। जब ये सूख जाती हैं, तो उन्हें सूखा धनिया कहते हैं। सब्जी, दाल जैसे खाद्य पदार्थों में काटकर डाला हुआ हरा धनिया उसे सुगंधित एवं गुणवान बनाता है। हरा धनिया गुण में ठंडा, रुचिकारक व पाचक है। इससे भोज्य पदार्थ अधिक स्वादिष्ट व रोचक बनते हैं। हरा धनिया केवल सब्जी में ही उपयोग में आने वाली वस्तु नहीं है, वरन् उत्तम प्रकार की एक औषधि भी है। इसी कारण अनेक वैद्य इसका उपयोग करने की सलाह देते हैं।

गर्मी का नाश इसकी मूल प्रकृति

स्वाद में हरा धनिया कटू, कषाय व स्निग्ध है। अपने इस स्वाद के कारण तो यह लोकप्रिय है ही साथ ही अपने गर्मी से राहत देने के गुण के कारण भी। यह अपने आप में गर्मी की परिपूर्ण औषधि भी है। गर्मी के मौसम की अपनी कुछ समस्याऐं है। यदि कुछ देर धूप में रहे तो भूख कम हो जाती है, फिर मूत्रमार्ग में जलन की समस्या होती है, शरीर में पित्त बढ़जाता है। इन सब स्थितियों के बाद शुरुआत होती है, बुखार तथा उल्टी-दस्त की। धनिया इन सभी समस्याओं में राहत देने वाला है। कारण यह है कि उसका गुण ही जठराग्नि को बढ़ाना, शरीर को शीतलता देना व पित्त प्रकोप को दूर करना है।

कब कैसे करें उपयोग

बुखार- अधिक गर्मी से उत्पन्न बुखार या टाइफाईड के कारण यदि दस्त में खून आता हो तो हरे धनिये के 25 मि.ली. रस में मिश्री डालकर रोगी को पिलाने से लाभ होता है। ज्वर से यदि शरीर में जलन हो रही हो तो इसका रस लगाने से लाभ होता है।

अंतरदाह- चावल में पानी के बदले हरे धनिये का रस डालकर एक बर्तन (प्रेशर कूकर) में पकायें। फिर उसमें घी तथा मिश्री डालकर खाने से किसी भी रोग के कारण शरीर में होने वाली जलन शांत होती है।

अरुचि- यदि भोजन करने की इच्छा नहीं होती है तो सूखा धनिया, इलायची व काली मिर्च का चूर्ण घी और मिश्री के साथ लें। इससे शीघ्र राहत मिलेगी।

मंदाग्नि- हरा धनिया, पुदीना, काली मिर्च, सेंधा नमक, अदरक व मिश्री पीसकर उसमें जरा-सा गुड़ व नींबू का रस मिलाकर चटनी तैयार करें। भोजन के समय उसे खाने से अरुचि व मंदाग्नि मिटती है।

तृषा रोग- हरे धनिये के 50 मि.ली. रस में मिश्री या हरे अंगूर का रस मिलाकर पिलायें। यदि बार-बार मुंह सूखता है, तो इसमें राहत मिलेगी।

सगर्भा की उलटी- हरे धनिये के रस में हलका सा नींबू निचोड़ लें। यह रस एक-एक चम्मच थोड़े-थोड़े समय पर पिलाने से लाभ होता है। इसमें उल्टियाँ नियंत्रित हो जाएगी।

रक्तपित्त- सूखा धनिया, अंगूर व बेदाना का काढ़ा बनाकर पिलाये। इससे कुछ दिनों में राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त हरे धनिये के रस में मिश्री या अंगूर का रस मिलाकर पिलायें। साथ में नमकीन, तीखे व खट्टे खाना बंद करें और सदा, सात्विक आहार लें। इससे भी शीघ्र राहत मिलेगी।

पेट दर्द व अजीर्ण- यदि खान-पान की गड़बड़ से अजीर्ण हो गया है और पेट दर्द हो रहा है तो इसमें सूखा धनिया और सोंठ का काढ़ा बनाकर पिलायें। इससे त्वरित आराम मिलेगा।

गर्मी का मौसम अपने साथ ग्रीष्मकालिन छुट्टियों का मजा तो लेकर आता ही है साथ ही इस मौसम की परेशानियाँ भी। इस बार इनके साथ शामिल है, सिंहस्थ महापर्व भी। ऐसे में यदि गर्मी सताये तो घबराऐं नहीं आपके कीचन में उपयोग आने वाला "धनिया" अकेला इस मौसम की तमाम परेशानियों से राहत दिला सकता है, चाहे वह हरा हो या सूखा।

कैलाशचन्द्र लढ़ा

आंखे आने पर- इस मौसम में आंखें आना आम बात है। सूखे पिसे हुए धनिये की पोटली बांधकर उसे पानी में भिगोकर बार-बार आँखों पर घुमों। इससे आंखों का दर्द, जलन व लालिमा कम होगी। हरा धनिया धोकर, पीसकर उसकी एक दो बूंदें आंखों में डाले। आँखें आना, आँखों की लालिमा, आंखों की कील, गुहेरी एवं चश्मे के नंबर दूर करने में यह लाभदायक है।

सिंहस्थ

स्नान, दान, जप-पाठ का महापर्व

12 बारह वर्ष के अन्तराल से आने वाला कुम्भ पर्व धार्मिक आस्था का केंद्र बनता है। कुम्भ की यह विशेषता है कि इसमें बिना बुलाए, बिना किसी आमंत्रण और प्रचार-प्रसार के करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होकर आस्था की डुबकी लगाते हैं। यहाँ पर उन संत महात्माओं के दर्शन होते हैं जिनके अन्यत्र दर्शन दुर्लभ हैं। शाही सवारी के दौरान उड़ने वाली संतों की चरण रज के स्पर्श से भक्तों का जीवन धन्य हो जाता है।

डॉ. महेश शर्मा,
जयपुर, मो. 9414370518

कुम्भ के दौरान दशनामी अखाड़ों की छटा और नागा साधुओं का सम्मिलन देखते ही बनता है। शिवभक्त नागा साधुओं के 17 श्रृंगार होते हैं, जिनमें भभूत मलना सत्रहवां श्रृंगार है। केश, रुद्राक्ष की माला और शस्त्र धारण करना इनके लिए आवश्यक है। वर्षों की कठिन तपस्या में खरे उतरने पर कुम्भ के दौरान अखाड़े, नागा साधु को दीक्षा देते हैं और उन्हें राजेश्वर की उपाधि दी जाती है। दीक्षा से पूर्व अपना पिंडदान नागा स्वयं करते हैं। नागा साधु आजीवन धर्म रक्षा की दीक्षा लेता है। ऐसा माना जाता है कि नागा के तौर पर उनको राजयोग मिलता है। इनका अंतिम लक्ष्य सांसारिक मोह-माया को छोड़कर मोक्ष प्राप्ति होता है। कुम्भ में ऐसे धर्म रक्षक नागाओं के दर्शन मात्र से श्रद्धालु अपने जीवन को धन्य मानते हैं।

दशनामी संन्यासी अखाड़ा क्या है

अखाड़ों की परम्परा आदिगुरु शंकराचार्य ने विभिन्न सम्प्रदायों में बंटे साधू समाज को संगठित करने के लिए की थी। शंकराचार्य ने पश्चिम में द्वारिका पीठ, पूर्व में गोवर्धन पीठ, उत्तर में ज्योर्तिमठ और दक्षिण में शारदा पीठ की स्थापना की और देशभर के संन्यासियों को दस पद नाम देकर संगठित किया। यही दशनामी संन्यासी कहलाये। ये दस नाम हैं- तीर्थ, आश्रम, वन, अरण्य, गिरि, पर्वत, सागर, सरस्वती, भारती और पुरी। शंकराचार्य ने इन संन्यासियों को देशभर में चारों पीठों से जोड़ा। इन्ही संन्यासियों का एक हिस्सा नागा हो गया। उसने आकाश को अपना वस्त्र मानकर शरीर पर भभूत मला और दिगम्बर स्वरूप में रहने लगे।

इस तरह बने अखाड़े

कालांतर में संन्यासियों के अलग-अलग समूह बने जिन्हें अखाड़ा कहा गया वर्तमान में 6 नागा अखाड़े हैं।- आवाहन, अटल, महानिर्वाणी, आनंद, जूना और ब्रह्मचारियों का अग्नि अखाड़ा। ये सभी शैव मत के हैं। बाद में वैष्णव मत के तीन- दिगम्बर, श्रीनिर्मोही, और श्रीनिर्वाणी अखाड़े बने। इसी प्रकार गुरु नामकदेव के पुत्र श्रीचन्द्र द्वारा स्थापित उदासीन संम्प्रदाय के भी दो अखाड़े- श्रीपंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा एवं श्रीपंचायती नया उदासीन अखाड़ा नाम से सक्रिय हैं। पिछली शताब्दी में सिख साधुओं के निर्मल सम्प्रदाय के अधीन श्रीपंचायती निर्मल अखाड़ा भी अस्तित्व में आया। दशनामियों में कुछ गृहस्थ भी होते हैं जिन्हे ''गोसाईं'' कहते हैं।

अखाड़ा परिषद है शीर्ष संगठन

कुम्भ के अवसर पर ये सभी अखाड़े आपस में मिलते हैं और लोकतांत्रिक पद्धति से अपने पदाधिकारियों का चुनाव करते हैं। इनके प्रमुख महंत को 'महा मंडलेश्वर' और 'मंडलेश्वर' के नाम से जाना जाता है। जिसके नेतृत्व में ये विशिष्ट धार्मिक पर्वों के समय एक साथ स्नान करते हैं। अखाड़ों के बीच तमाम विवादों को समाप्त करने के लिए सन् 1954 में अखाड़ा परिषद् का गठन हुआ जिसकी व्यवस्थाओं को अब सभी अखाड़े मान्यता देते हैं।

ज्योतिष के आधार पर सिंहस्थ

युद्ध के दौरान अमृत कलश की रक्षा करने में सूर्य, चन्द्रमा और गुरू ने विशेष योगदान दिया था। इस अमृत कलश को देवासुर संग्राम के दिनों में सूर्य ने फूटने से बचाया, गुरू (बृहस्पति) ने इसकी देखभाल की और चन्द्रमा ने राक्षसों को इससे वंचित रखने का काम किया। यही कारण है कि इन तीनों की विशेष राशियों में स्थिति के समय उक्त चार स्थलों पर कुम्भ पर्व मनाए जाते हैं। सूर्य, चन्द्रमा और गुरू द्वारा विशेष योग के निर्मित होने पर कुम्भ पर्व निम्न चार स्थानों पर आयोजित होता है। माघ मास की मौनी अमावस्या को मकर राशि में सूर्य-चन्द्र तथा वृष राशि में बुहस्पति हो, तो त्रिवेणी के तट पर इलाहाबाद में। कुम्भ राशि में बृहस्पति तथा मेष राशि में (उच्चगत) सूर्य हो, तो हरिद्वार गंगा के तट पर तथा सिंह राशि के बृहस्पति तथा सिंह राशि में ही सूर्य हो, तो नासिक गोदावरी के तट पर तथा उज्जैन सिंह राशि के बृहस्पति तथा मेष राशि में (उच्चगत) सूर्य हो, तो शिप्रा के तट पर सिंहस्थ पर्व आयोजित होता है।

ये योग उज्जैन के सिंहस्थ का कारण

मेष राशिगते सूर्ये सिंहराशौ बृहस्पतौ।
उज्जयिन्यां भवेत्कुंभः सर्वसौख्यविवर्धनः।।

स्कन्द पुराण में वर्णन है कि-

माधवे धवले पक्षे सिंहे जीवे अजे रवौ।
तुला राशौ निशानाथे पूर्णायां पूर्णिमातिथौ।
उज्जयिन्यां तथा कुम्भ योग जातः क्षमातले।।

इसी प्रकार-

मेषसिंहगयोरर्क जीवयोः क्रमशास्तिथौ।
पूर्णिमायां भवेत्कुम्भ उज्जयिन्यां सुखप्रदः।।

जिस वर्ष शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को गुरु सिंह राशि में, सूर्य मेष में और चन्द्रमा तुलाराशि में हों, उस वर्ष शिप्रा के तट पर उज्जैन में कुम्भ पर्व होता है। यह सुयोग इस वर्ष वैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, दिनांक 21 मई, 2016, शनिवार के दिन बन रहा है। इस दिन बृहस्पति सिंह में और सूर्य मेष में और चन्द्रमा तुला राशि में रहेंगे। अतः इस दिन प्रमुख शाही स्नान होगा। देवगुरू बृहस्पति के सिंह राशि में होने पर ही यह महापर्व घटित होता है। इस कारण इसे सिंहस्थ महापर्व कहा जाता है।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित

अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

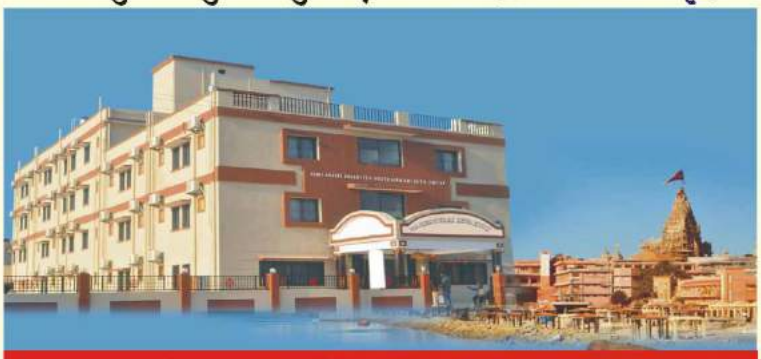

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111

E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई-मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई-फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

सच्चा धन निरोगी काया

इन पंक्तियों को समझने में सारा जीवन गुजर जाता है और जब समझ में आता है तो यह 'धन' ही हाथ से निकल चुका होता है। स्वास्थ्य वह धन है, जो रुपया, पैसा रूपी धन तो दिला सकता है, लेकिन रुपया पैसा स्वास्थ्य नहीं।

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर (मो. 094141-32483)

जो लोग रोटी के लिए दौड़ रहे हों, उनका दौड़ना तो लाजमी है, उनके पास अन्य विकल्प भी नहीं हैं, लेकिन जिनके पास यथेष्ठ धन है, सुख से जिने के समीकरण हैं, वे भी 'दो दूनी चार' के चक्कर में अहर्निश पागलों की तरह भागे जा रहे हैं। मैं अनेक ऐसे लोगों को जानता हूं, जिन्होंने धन कमाने की अंधी दौड़ में अपने स्वास्थ्य का समूल नाश कर दिया एवं अब उसी धन से स्वयं के स्वास्थ्य सुधार पर लाखों रुपये खर्च कर रहे हैं। मैं अकर्मण्यता की वकालात नहीं करता लेकिन कहीं ठहराव, सम्यक् व्यवहार भी तो हो। मनुष्य जागता है तो तब जब बुरा स्वास्थ्य काल बनकर उसके ऊपर पड़ जाता है। मुझे शायर प्रभात शंकर याद हो आये हैं, "मैं खिलौनों की दुकान खोजता ही रह गया और मेरे फूल से बच्चे सयाने हो गये।"

अति महत्वाकांक्षा ही दुश्मन

यक्ष प्रश्न में युधिष्ठिर से यक्ष ने जब पूछा कि दुनिया का सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है? तो युधिष्ठिर का सटीक उत्तर था 'मृत्यु'। मनुष्य नित्य अपनों को मरते देखता है लेकिन उसके भीतर मानो यह बोध ही नहीं उतरता कि मुझे भी एक दिन मरना है। बड़ी खूबसूरती से जीवन के इस सार्वभौम सत्य को वह दरकिनार कर देता है एवं इसके साथ ही वह उन चीजों की ओर लपकता है, जिसमें उसका अमंगल है, सर्वनाश है। मैं आचार्य रजनीश के इस मत से इत्तेफाक रखता हूं कि हमारे श्मशाम शहर के मुख्य चौराहों के आसपास हों ताकि उधर से गुजरते लोग जीवन एवं महत्वाकांक्षाओं पर लगाम रख सकें।

जीवन शैली का सुधार जरूरी

गत वर्षों में कुछ ऐसे परिचित लोगों के निधन से रूबरू हुआ, जिनकी उम्र फकत 30-40 वर्ष के बीच थी। अनुसंधान करने पर पता चला कि इनमें से अधिकांश के असामयिक निधन का कारण उनकी गलत जीवन शैली थी। यह वह लोग थे जो भागे जा रहे थे, इसी कारण असामयिक हृदयाघात आदि का शिकार हो गये। आज हम प्राकृतिक जीवन से कोसों दूर हो चले हैं। आज हर कोई दुःख के भंवर में झूलता नजर आ रहा है। कार्पोरेट टारगेट एवं इससे बनते प्रेशर ने युवाओं को असमय बूढ़ा बना दिया है। तिस पर व्यायाम की आदत का न होना, शराबखोरी, सिगरेट की लत एवं फास्टफूड आज की युवा पीढ़ी की दिनचर्या के हिस्से हो गये हैं। 15-20 वर्ष के किशोर आपको मोटी-तोंद वाले मिल जोंगे।

दिखावे ने किया श्रम से दूर

आज चार कदम चलने में व्यक्ति को स्कूटर अथवा कार चाहिये। एक दंभी इमेज के चक्कर में छोटे-छोटे बच्चे, भले उनके पास लाइसेंस न हो, बड़ी-बड़ी गाड़ियां चलाते देखे जा सकते हैं। यह सब स्टेट्स सिंबल हो गए हैं। साइकिल चलाना अब स्वास्थ्य का पैमाना न होकर फकीरी का चिह्न हो गया है। आज ऐसा नहीं है कि स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम नहीं हैं, वरन पहले से कहीं अधिक हैं लेकिन स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही के चलते युवा पीढ़ी ही नहीं, अधिक उम्र के लोग भी उदासीन हो चले हैं। आज भारत ने विश्व को 'योग दिवस' दिया है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी स्वयं नित्य योगा करते हैं। फिर भी आम लोगों को मैं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होते हुए तभी देख रहा हूं, जब पानी सर से ऊपर निकल जाता है।

मधुमेह में भी व्यायाम लाभदायक

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानि डब्ल्यूएचओ निश्चय ही बधाई का पात्र है कि वह अपनी स्थापना वर्ष 1948 से ही प्रतिवर्ष स्वास्थ्य जागरूकता पर एक थीम, एक संदेश, एक कार्यक्रम लांच करता आ रहा है, जिससे इस हेतु वैश्विक स्तर पर जागरूकता बनती है। इसी कड़ी में इस वर्ष की थीम 'बीट डायबिटीज' यानि 'मधुमेह को परास्त कीजिये' रखी है। आज मधुमेह से विश्वभर में चालीस करोड़ से अधिक लोग पीड़ित हैं। मधुमेह वंशानुगत भी होता है, लेकिन इससे अधिक इसका मुख्य कारण दैनंदिनी तनाव, आध्यात्मिक शिक्षा की कमी, पाश्चात्य जीवन शैली, महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ एवं व्यायाम से दूरी है। इन कारणों का निवारण होते ही अधिसंख्य मधुमेह के रोगी दुरस्त हो जाते हैं। साइकिलिंग, स्वीमिंग, योगा, नित्य पैदल चलना, इनडोर गेम्स मधुमेह के शमन में रामबाण हैं। आलेख की समाप्ति पर मुझे वर्ष 1967 में प्रदर्शित फिल्म 'शार्गिद' के एक गीत का अंतरा याद हो आया है। जहां एक उस्ताद अपने शार्गिद को हसीनाओं को रिझाने के लिए नित्य व्यायाम की वकालत करता है-'सबसे पहले सुनो मियां, करके वर्जिश बनो जवां, चेहरा पॉलिश किया करो, थोड़ी मालिश किया करो, स्टाइल से उठे कदम, सीना ज्यादा तो पेट कम... बन जाओ मुलायम। बड़े मियां दीवाने ऐसे न बनो, हसीना क्या चाहे हमसे सुनो।

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

धन रा लालची नेता

खम्मा घणी सा हुक्म आपा बात करा आज रे नेता, अभिनेता, खिलाडी, अनाड़ी, तो सही कहूँ तो ये सब एक पेड़ रा पत्ता है कोई नेता रो सालों , तो कोई आयो करने अपने आपने दिवाळो, कोई किन्ही लुगाई तो कोई कीन्हों ही जवाईं।

सब ने देख ने हुक्म कबीर रो एक दोहो याद आवे ' जो चाह्वेगा चुपड़ी ,बहुत करेगा पाप। जो भी बड़ा बड़ा धनपति है ईमानदारी रे बलबूते तो अरबपति बण ही नहीं सके आप चाह्वो तो जांच करने देख लो । ये जो हुक्म अपने आपने दूध सुं धुला सिद्ध करण री कौशिश कर रिया हैं न, ये ही सब कीचड़ सुं लुथियोडा है । सही कहूँ तो ये रिश्वत देने सबरो मुंडो बंद कर देवे तो कुण महारथी याणी काली करतुता री छान बिन करे ।हालमें ही एक नेता जो पद रे वास्ते जनता ने केहवे.... मैं आप लोगा रे योग्य नहीं पर ऊनी ना - ना रे लारे छुपयोड़ी हाँ ने भी कोई समझ सके जो भोळी भाली जनता ने आपरे मीठा शब्दों सुं चपेट में लेने आपरी सात पीढ़ी मौज करे उन्हों ही जुगाड़ करण में रहवे।

नेता बणन सुं पेला विपक्षी नेता रे धन पर अंगुली उठावे, क्रांतिकारी बयान कर ने कालो धन जो विदेशों री बैंका में ठुसियोडो हुवे वे लावण रो वायदों करने ने पद पर आसीन हूँ जावे । पद पर आसीन हुवता ही काले धन ने मगरमच्छ री तरह बतावता नेता चूहें री पुंछ जीतो जीतो भी ईमानदारी सुं काम नहीं कर सके ।

हुक्म म्हे तो केहू की अगर आपा कम टेक्स भरण वाला ने भी पकड़ ने पुरो टेक्स लेवा तो ही भारत रो विकास जल्द सुं जल्द हूँ जावे और हुक्म अगर सरकारी ऑफिसर पकड़नी चाहवे तो दूर भी नहीं आपाणा पडोसी भी सब टेक्स चोरी में लिप्त है । अगर सरकार ईमानदारी सुं इण नियम पर सख्ती बरते तो भारत में उन पैसा सुं कई नयी योजना बण ने भारत रो विकास दिन दौगुनी रफ्तार सुं हुवे । पर सच तो या है छोटा लोगा पर सरकार सख्ती बरते और बड़ा बड़ा पूँजीपति ने नहीं पकड़े, क्योकि वे दफ्तरी अफसर ने पैसा री थैलियां भर ने मुंडो बंद कर देवे । हुक्म किने केवा सब छत माथे एक जेड़ा ही कागला है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी अंक होगा

गौरवशाली माहेश्वरी संस्कृति को समर्पित

महेश नवमी विशेषांक

जिसमें आप पायेंगे

माहेश्वरी संस्कृति

गौरवशाली इतिहास

देश के विकास में समाज का योगदान

सहित कई ऐसे आलेख

जिन्हें पढ़कर आप गर्व से कहेंगे

'हम हैं माहेश्वरी'

आलेख। रचनाएँ। विज्ञापन आमंत्रित

सम्पर्क-

90 विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)

फोन : 0734-2526561,2526761,

मोबाइल : 094250-91161

E-mail : smt4news@gmail.com

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। जीवन साथी के साथ वैचारिक मतांतर बने रहेंगे एवं संतान से संबंधित कार्यों से भी परेशानी अनुभव करेंगे। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता मिलेगी। नये धार्मिक कार्य में खर्च होगा। राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवारजनों से मन-मुटाव बना रहेगा। भूमि, भवन खरीदने की योजना बनेगी। मानसिक तनाव एवं कर्ज भी लेना पड़ सकता है।

वृषभ- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। कार्य क्षेत्र में परेशानी बढ़ेगी। संतान के कार्यों में रुकावट आयेगी किंतु रुका हुआ धन मिलेगा। नये-नये अवसर प्राप्त होंगे। मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। यश मिलेगा, शुभ कार्यों में खर्च करेंगे। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। जीवन साथी से मनमुटाव होगा। शत्रु परास्त होंगे, स्वास्थ्य से भी परेशानी अनुभव करेंगे। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। अपनो के कारण मानसिक तनाव भी रहेगा।

मिथुन- यह माह आपके लिये अनुकूलता प्रदान करेगा। शुभ समाचार मिलेगा उत्साह एवं रुके कार्य पूरे होंगे। विरोधी परास्त होंगे, आय बढ़ेगी। संतान की सफलता से मन प्रसन्न होगा। नौकरी में स्थान परिवर्तन होगा। नये सम्पर्क का लाभ मिलेगा। परीक्षा में सफलता मिलेगी। घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनेगा। मांगलिक कार्य में खर्च होगा, यात्रा होगी। अपनो का पूर्ण सहयोग मिलेगा, लॉटरी, सट्टा शेयर्स से सावधानी बरते। पुराने मित्रों से भेंट होगी, व्यापार में नयी योजनाओं पर कार्य करेंगे, क्रोध से बचे।

कर्क- यह माह आपके लिये नये अवसर प्रदान करेगा। स्थान परिवर्तन होगा। पारिवारिक कार्यों में खर्च होगा। विद्यार्थी को परीक्षा में सफलता मिलेगी। धार्मिक उत्सव में भाग लेंगे। प्रसन्नता एवं मनचाही सफलता मिलेगी। लाभ, यश प्राप्त होगा, व्यस्तता बढ़ेगी। मांगलिक कार्यों में खर्च करेंगे। भाई-परिजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बनेगें। प्रेम प्रसंग बढ़ेंगे। गुप्त शत्रु से परेशानी बनी रहेगी।

तुला- यह माह आपके लिये सफलता दायक रहेगा। नई-नई योजनाऐं बनेगी। मान-सम्मान प्राप्त होगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। संतान के कार्यों से मन प्रसन्न होगा। शासन से सहयोग एवं कार्य पूर्ण होंगे, अधिकारों का विस्तार होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शत्रु परास्त होंगे जीवन साथी से वैचारिक मतांतर रहेंगे। धार्मिक, सामाजिक कार्यों में रुचि रखेंगे। रुके कार्य पूर्ण होंगे, विवाह आदि पर खर्च करेंगे यात्रा होगी।

वृश्चिक- माह आपको शुभ समाचार मिलेगा। मनोबल बढ़ेगा। नौकरी, व्यापार में बढ़ोत्तरी होगी, कार्यों में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न होगा रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। परिवार एवं जीवन साथी का पूर्ण सहयोग से कार्य पूरे हो जावेंगे। संतान के कार्यों से मन में खुशी बनी रहेगी। मित्रों के साथ घूमने-फिरने में खर्च अधिक होगा। महिला के सम्पर्क से लाभ होगा। आँखों की परेशानी बनी रहेगी। लॉटरी शेयर से हानि होगी, शत्रु कमजोर होंगे नये मित्र बनेंगे।

सिंह- यह माह आपके लिये संघर्ष भरा रहेगा। कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी संतान के कार्यों से मानसिक तनाव रहेगा। माता-पिता की चिंता बनी रहेगी। आय की तुलना में खर्च अधिक होगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। परिवारजनों से लाभ नई योजनाओं पर कार्य से उत्साह बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। मनोरंजन पर खर्च होगा, राजकीय कार्य से लाभ मिलेगा।

कन्या- यह माह आपके लिये संघर्ष भरा रहेगा। कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। संतान के कार्यों से मानसिक तनाव रहेगा, माता-पिता की चिंता बनी रहेगी। आय की तुलना में खर्च अधिक होगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे, परिवारजनों से लाभ, नई योजनाओं पर कार्य से उत्साह बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। मनोरंजन पर खर्च होगा। राजकीय कार्य से लाभ मिलेगा। क्रोध कम करें नहीं तो बनते कार्य बिगाड़ लेंगे। स्वास्थ्य नरम रहेगा, स्थान परिवर्तन होगा। यात्रा के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा, व्यापार में उन्नति लाभ होगा। विशिष्ट लोगों से सम्पर्क बनेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शुभ एवं धार्मिक कार्यों में बढ़चढ़कर भाग लेंगे। परिवार, बच्चों के साथ यात्रा होगी। संतान की ओर से चिंता एवं परेशानी बनी रहेगी। महिलाओं के सहयोग से रुके कार्य पूर्ण होंगे। पुरस्कार प्राप्ति के योग, जीवन साथी से मतभेद बने रहेंगे। पुराने मित्र मिलेंगे, विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। सेहत पर ध्यान देवे, रुका धन मिलेगा। न्यायालयीन प्रकरण में सफलता प्राप्त होगी।

मकर- इस माह में आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे, लंबी यात्रा (विदेश) होगी। शुभ समाचार मिलेगा। संतान के कार्य पूर्ण होंगे। प्रेम प्रसंग बढ़ेंगे, घर में नई खुशियाँ आयेगी। राजकीय कार्य पूर्ण होंगे। विश्वास करना हानिकारक रहेगा। पिता से वैचारिक मतांतर से मन दुखी रहेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। धार्मिक यात्रा होगी।

कुंभ- यह माह आपको आर्थिक लाभ प्रदान करेगा। पराक्रम और यश में वृद्धि होगी, राजकीय कार्य पूर्ण होंगे। शुभ समाचार मिलेगा। संतान सुख प्राप्त होगा, नये अवसर, उत्साह बना रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा, रुका धन प्राप्त होगा। माता का सहयोग एवं आशीर्वाद बना रहेगा। परिवार के साथ मौज-मस्ती मनोरंजन में समय व्यतीत होगा। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। जीवन साथी एवं संतान के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। उदर विकार से परेशान रहेंगे।

मीन- इस माह आपको धन लाभ होगा। व्यापार में उन्नति एवं अपनो से मेल-मिलाप होगा। वाहन क्रय-विक्रय करेंगे। विवाह संबंधित चर्चा होगी, संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे, पास की यात्रा होगी। विश्वासघात से सावधानी रखें। उन्नति के नये अवसर प्राप्त होंगे। मित्रों से वैचारिक मतांतर रहेंगे, क्रोध से बनते कार्य बिगाड़ लेंगे। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। महिला मित्रों से लाभ होगा, जीवन साथी से विवाद बना रहेगा। मनोरंजन मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा।

श्री देवीदास चांडक

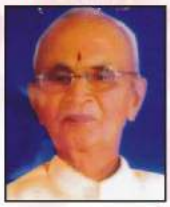

दुर्ग। श्री माहेश्वरी पंचायत के वरिष्ठ सदस्य श्री देवीदास चांडक का 82 वर्ष की अवस्था में गत दिनों निधन हो गया। आप गोपालदास रमेशचंद्र चांडक आर्वी वालों के बड़े भाई एवं जितेंद्र चांडक दुर्ग के पिताजी थे।

श्रीमती कल्याणदेवी राठी

जोधपुर। समाज की वरिष्ठ श्रीमती कल्याण देवी राठी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री मदनलाल राठी पीलवा (जोधपुर) का देहावसान ात 27 मार्च को हो गया है। आप अपने पीछे दो पुत्री शोभा भदादा भीलवाड़ा एवं इंदू सोमानी, उदयपुर का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

नेत्रदानी श्रीमती गीताबाई टावरी

वर्धा। प्रतिष्ठित व्यवसायी श्रीराम टावरी की माता श्रीमती गीताबाई टावरी का असामयिक निधन हो गया। इस दुखद घड़ी में भी उन्होंने अपनी माताजी की नेत्रदान करने की अंतिम इच्छा पूर्ण की। इस कार्य में महादेव बाबा सेवा समिति के सचिव उमेश टावरी, अशोक टावरी, गोपाल टावरी, परमानंद टावरी, डॉ. पनपालीया एवं नेत्र परिवार, मित्र का सहयोग रहा।

श्री जगदीश मालानी

आगर। प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं गिरधारी-लाल मालानी के सुपुत्र श्री जगदीश मालानी का विगत दिनों असामयिक निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र, माता-पिता व पत्नी आदि का शोकाकुल परिवार छोड़ गए।

श्रीमती फूलकुंवर देवी भूतड़ा

दुर्ग। श्रीमती फूलकुंवर देवी भूतड़ा धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलाल भूतड़ा का निधन 15 फरवरी को 82 वर्ष की अवस्था में हो गया। आप आपके पीछे पुत्र चिरोंजीलाल, अरुण कुमार, संजय कुमार, मनोज कुमार व महेंद्र आदि का पौत्र व पौत्री आदि से भरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री भंवरलाल दरक

भीलवाड़ा। समाज सदस्य राजेंद्र कुमार, ओमप्रकाश, सागरमल, सुशील कुमार व सुभाष दरक के पिता श्री भंवरलाल दरक की 89 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री ताराचंद सिंगी

कन्नौद। प्रतिष्ठित वस्त्र व्यवसायी ताराचंद्र सिंगी का निधन गत दिनों हो गया। गोविंद-गोपाल सिंगी (इंदौर) के पिता थे।

श्री किसनलाल सोनी

अमरावती। प्रतिष्ठित समाज सदस्य श्री किसनलाल-बंशीलाल सोनी (करजगांव) का 92 वर्ष की अवस्था में गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने-पीछे पुत्र प्रकाश, सतीश और पौत्रों आदि से भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्री रामेश्वर भूतड़ा

कन्नौद। प्रतिष्ठित व्यवसायी तथा किसान रामेश्वर धूत का गत दिनों निधन हो गया। आज अपने पीछे पुत्र संजय तथा अभय धूत का भरपूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती सीतादेवी झंवर

दुर्ग। समाज के वरिष्ठ मोहनलाल झँवर की धर्मपत्नी श्रीमती सीतादेवी का गत दिनों 84 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र ओमप्रकाश, जयप्रकाश, विजयकुमार, पुत्री जमना केला सहित पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती पार्वतीबाई बियाणी

पुणे। माहेश्वरी बालाजी मंदिर (कस्बा) के सदस्य नंदकिशोर बियाणी की माता तथा सदस्य रोहित बियाणी की दादी श्रीमती पार्वतीबाई का 79 वर्ष की अवस्था में गत दिनों निधन हो गया। आप अपने पीछे 1 पुत्र, 2 पुत्री, पौत्र-पौत्रियों आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। मरणोपरांत उनकी बैकुंठी भी निकाली गई।

श्रीमती प्रीति सारडा

गडचिरोली। चन्द्रपुर जिला माहेश्वरी संगठन के सचिव वरिष्ठ समाजसेवी प्रतिष्ठित व्यवसायी गोविन्द सारडा की धर्मपत्नी श्रीमती प्रीति सारडा का गत 26 फ़रवरी को असामाजिक निधन हो गया। आप अपने पीछे भरपूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री रामगोपाल गोरानी

कन्नौद। कृषक तथा व्यवसायी रामगोपाल गोरानी का 90 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप स्टेट बैंक के सहायक प्रबंधक पुरुषोत्तम गोरानी तथा प्राध्यापक संतोष गोरानी के पिता थे।

दिवंगत आत्माओं को 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि...।

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

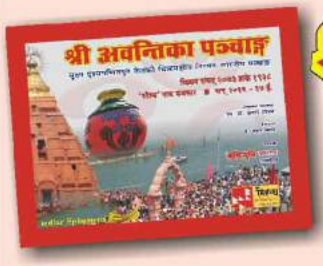

श्री अवन्तिका पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान
कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

सम्पर्क- 90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

सिंहस्थ
कुंभ महापर्व 2016
विक्रम संवत् 2073

आस्था और विश्वास का अद्भुत समागम

सिंहस्थ कुंभ महापर्व

उज्जैन) मध्यप्रदेश

22 अप्रैल -21 मई, 2016

काल एवं स्थान से परे एक अलौकिक
पवित्र अनुभव का अवसर,
जो बारह वर्षों की
प्रतीक्षा के बाद आता है।

आस्था एवं
अध्यात्म के
दिव्य संसार का
अनुभव करने आप
सादर आमंत्रित हैं.

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

क्षिप्रा के तट पर अमृत का मेला

www.simhasthujjain.in
/SimhasthUjjain2016
/Simhasth

स्वर्ण श्रीयंत्र

सृष्टि का ब्लूप्रिंट

श्रीयंत्र जिस स्थान पर स्थापित किया जाता है, वहाँ सौभाग्य, समृद्धि और शान्ति आकर्षित होते हैं। मॉस्को विश्वविद्यालय में हुए शोध से इस बात की पुष्टि होती है कि श्रीयंत्र के साथ ध्यान करने से मस्तिष्क की तरंगें अल्फा स्तर पर पहुँच जाती हैं - अल्फा स्तर अन्तर्ज्ञान, रचनात्मक, विश्राम व गहरे ध्यान से जुड़े मन की एक अवस्था है। पौराणिक शास्त्रों में श्रीयंत्र को यंत्रराज अथवा यंत्र शिरोमणी भी कहा गया है।

स्वर्ण श्रीयंत्र आध्यात्मिक प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

स्वर्ण श्रीयंत्र पौराणिक शास्त्रों के अनुसार —

- सटीक संरचना • उपयुक्त वज़न,
- पाँच सकारात्मक धातुओं(24 कैरेट सोने की परत, चाँदी, ताँबा, जस्ता एवं निकल)
- सही रंग और • अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता के साथ बनाया गया है।

यह **स्वर्ण श्रीयंत्र** को पूर्ण प्रमाणिक एवं आदर्श श्रीयंत्र बनाते हैं।

पौराणिक शास्त्रों **तंत्रराज तंत्रम्, सौभाग्यलक्ष्म्युपनिषद् , लक्षसागर** तथा **दक्षिणामूर्तिसंहिता** में कहा गया है कि लक्ष्मी, यश, आरोग्य तथा सुख प्राप्ति के लिए **श्रीयंत्र** सर्वोत्तम साधन हैं।

वे परम भाग्यशाली हैं जिनके जीवन में श्रीयंत्र का साथ है। या यूँ कहें कि जिनका भाग्योदय होना होता है उन्हे सहज ही श्रीयंत्र का साथ मिलता है।

श्रीयंत्र ब्रम्हाण्ड से ब्रम्हाण्डीय ऊर्जा को आकर्षित करता है। अमेरिकी शोध में यह सिद्ध हुआ है कि श्रीयंत्र, पिरामिड से 70 गुना अधिक ऊर्जा आकर्षित करता है। आभा फोटोग्राफी एवं ऊर्जा चक्र स्केन से यह स्पष्ट है कि श्रीयंत्र की उपस्थिति मात्र से मनुष्य के आभामंडल और सातों ऊर्जा चक्रों में सुधार होता है, जिससे सुख, समृद्धि और आयु में वृद्धि होती है। श्रीयंत्र वास्तु दोषों को भी दूर करता है।

तीन आकारों में उपलब्ध —

S-81mm

L-108mm

EL-243mm

पंजीकृत डिज़ाइन

सम्पर्क : **ऋषि-मुनि वैदिक सॉल्युशन**

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.), दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मो. 94250 91161

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 March, 2016

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com